@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार 11 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 211 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम आवास पर मोदी की सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात, पाकिस्तान का खोला था काला चिट्ठा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उन सांसदों से मुलाकात की, जो ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के वैश्विक आउटरीच के हिस्से के रूप में सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के हिस्से के रूप में विदेश गए थे। डीएमके की कनिमोझी, भाजपा के रविशंकर प्रसाद, रेखा शर्मा और फंगनन कोन्याक, बीजेडी के सस्मित पात्रा और एआईएडीएमके के एम थंबीदुरई सहित कई सांसदों ने नई दिल्ली में पीएम के 7, लोक कल्याण मार्ग पर बैठक में भाग लिया।

विभिन्न दलों के सांसदों, पूर्व सांसदों और प्रतिष्ठित राजनयिकों से युक्त प्रतिनिधिमंडलों ने विभिन्न देशों की अपनी यात्राओं के दौरान आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख और विश्व शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला था। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों को नष्ट करने के लिए 7 मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। पाकिस्तानी हमलों के बाद की सभी जवाबी कार्रवाई इसी ऑपरेशन के तहत की गई।

12 मई को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत की स्थापित नीति है, जो भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर ने देश की सैन्य शक्ति में एक नया आयाम जोड़ा है।

लोकसभा में डिप्टी स्पीकर को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने लोकसभा में डिप्टी स्पीकर के खाली पद को लेकर पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार पिछले दो लोकसभा सत्रों में डिप्टी स्पीकर का पद खाली रहा है और यह चिंताजनक की बात है। कांग्रेस नेता खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी के नाम लिखे पत्र में कहा, प्रिय प्रधानमंत्री, मैं आपका ध्यान गंभीर मुद्दे की ओर दिलाना चाहता हूं। यह मुद्दा लोकसभा में डिप्टी स्पीकर के पद के खाली रहने से जुड़ा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा के दो सदस्यों को क्रमश: स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का पद मिलता है। संवैधानिक रूप से उपसभापति, अध्यक्ष के बाद सदन का दूसरा सर्वोच्च पीठासीन अधिकारी होता है। उन्होंने कहा, संविधान कहता है कि जैसे ही कोई पद खाली हो, लोकसभा को जल्द से जल्द एक नया स्पीकर या डिप्टी स्पीकर चुनना चाहिए। पारंपरिक रूप से डिप्टी स्पीकर का चुनाव तीसरे सत्र में होता है और इसकी तारीख स्पीकर तय करता है। पहले से लेकर सोलहवीं लोकसभा तक हर बार डिप्टी स्पीकर रहा है और आमतौर पर विपक्षी पार्टी के सदस्य के रूप में नियुक्त हुआ है। लेकिन, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार बीते दो लोकसभा सत्रों में डिप्टी स्पीकर का पद खाली रहा है। यह चिंता की बात है। खड़गे ने लिखा, सत्रहवीं लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का चुनाव नहीं हुआ और यह चिंताजनक स्थिति अब अठारहवीं लोकसभा में भी देखी जा रही है। इस भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता और यह संविधान के नियमों का उल्लंघन भी है। इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप लोकसभा की सम्मानित परंपराओं और हमारे संसद के लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए बिना किसी और देरी के डिप्टी स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करें।

कभी नहीं सोचा था कि एनसीपी का विभाजन होगा, लेकिन ऐसा हुआ

-एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस पर शरद पवार का छलका दर्द

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में एनसीपी (सपा) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 26 साल पहले उनके द्वारा सह-स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन होगा और उन्होंने चुनौतियों के बावजूद इसे आगे बढ़ाने के लिए अपने संगठन के कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आप बिना हतोत्साहित हुए पार्टी को आगे ले जाते रहे। पार्टी में विभाजन हुआ। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा, लेकिन ऐसा हुआ। पवार ने कहा कि कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन और बढ़ गया। पवार ने कहा कि मैं आज इस बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वह हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण था। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में एक अलग तस्वीर सामने आएगी। जुलाई 2023 में शरद पवार के भतीजे अजित पवार के तत्कालीन शिवसेना-बीजेपी गठबंधन सरकार में शामिल होने के बाद एनसीपी का विभाजन हो गया। पार्टी का नाम और उसका घड़ी चिह्न अजित पवार गुट को दिया गया, जबकि पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी (एसपी) नाम दिया गया। वरिष्ठ राकांपा नेता (एसपी) जयंत पाटिल ने महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की इच्छा जताते हुए कहा था कि अब समय आ गया है कि पार्टी नए चेहरों को मौका दें।

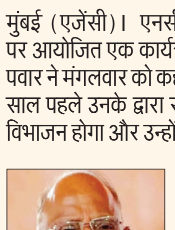

देश में 6800 कोरोना केस, 68 मौतें

-24 घंटे में 300 से ज्यादा मामले बढ़े, ग्वालियर में 3 डॉक्टर पॉजिटिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोनावायरस के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 6815 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 324 नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 2053 केस हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट्स से 12 राज्यों में 68 मरीजों की मौत हुई हैं। सोमवार को केरल, दिल्ली और झारखंड में 1-1 मरीज ने जान गंवाई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 18 मौतें हुई हैं। मप्र के ग्वालियर में सोमवार को 3 डॉक्टर समेत 6 नए केस सामने आए। इसके बाद से जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है। मप्र में फिलहाल 43 एक्टिव केस हैं। कोरोना के बढ़ते मामले के बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों से बैठक की। ममता ने कहा कि उम्मीद है कि महामारी दोबारा न लौटे, लेकिन हमें तैयार रहना होगा। राज्य के सरकारी अस्पतालों में इलाज की पूरी व्यवस्था है, ऐसे में लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

राजा रघुवंशी के पिता बोले, 'तड़प-तड़पकर मरा है मेरा बेटा, सभी दोषियों को मिले मौत की सजा'

इंदौर (एजेंसी)। मेघालय हनीमून मर्डर केस में पुलिस जांच से पता चला है कि राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम ने ही हत्या की साजिश रची थी और कथित तौर पर अपने प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर ऐसा करने की साजिश रची थी। राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी हनीमून पर लापता होने के बाद 2 जून को मृत पाए गए थे। एक तरफ सोनम के पिता अपनी बेटी को निर्दोष बता रहे हैं वहीं दूसरी तरफ राजा का परिवार अपने बेटे की मौत का दर्द सय नहीं पा रहा है। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के हत्याकांड को लेकर मेघालय पुलिस के खुलासे के बाद उनके पिता ने मंगलवार को मांग की कि उनके नव विवाहित बेटे की जघन्य हत्या के सभी दोषियों को मौत की सजा दी जानी चाहिए।

बाढ़ नियंत्रण और जल प्रबंधन के लिए केन्द्रीय एजेंसियां अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग करें : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश में बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केन्द्रीय गृह मंत्री ने देश में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए किए जा रहे दीर्घकालिक उपायों और पिछले वर्ष हुई बैठक में लिए गए निर्णयों पर उठाए गए कदमों की भी समीक्षा की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बैठक में बाढ़ प्रबंधन के लिए सभी एजेंसियों द्वारा अपनाई गई नई तकनीकों और उनके नेटवर्क के विस्तार पर भी चर्चा की। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण और जल प्रबंधन के लिए विभिन्न केन्द्रीय एजेंसियों द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर बल दिया।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का आपदा प्रबंधन 'Zero Casualty Approach' के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) को निर्देश दिया कि वह जमीनी स्तर तक पूर्व चेतावनी अलर्ट का प्रसार सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMA) और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DDMA) के साथ समन्वय करे। गृह मंत्री ने सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों से बाढ़ प्रबंधन के लिए NDMA द्वारा जारी की गई सलाह का समय पर क्रियान्वयन करने की अपील की। उन्होंने NDMA और NDRF से राज्यों के साथ पूर्ण समन्वय से कुशलतापूर्वक बाढ़ प्रबंधन की दिशा में कार्य करने को कहा।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने बाढ़ पूर्वानुमान/परामर्श जारी करने के लिए समय सीमा बढ़ाने के लिए केन्द्रीय जल आयोग और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की सराहना करते हुए पूर्वानुमानों की सटीकता के स्तर को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय जल आयोग (CWC) के बाढ़ निगरानी केन्द्र हमारी आवश्यकताओं और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होने चाहिए। श्री शाह ने जल शक्ति मंत्रालय, NDMA और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र (NRSC) को ग्लेशियल झीलों की बारीकी से निगरानी करने और किसी भी तरह के विस्फोट (out-burst) की स्थिति में समय पर कदम उठाने की सलाह दी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय/भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को राज्यों के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि राज्य और जिला राजमार्गों में भी एकसमान डिजाइन परिवर्तन सुनिश्चित किया जा सके, ताकि भारी बारिश की स्थिति में सड़कों पर जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए राजमार्गों की जल निकासी प्रणाली सड़क निर्माण के डिजाइन का अभिन्न अंग बन जाए। इसके अलावा, NDMA को बाढ़ की तैयारियों और शमन (Mitigation) के लिए केन्द्रीय एजेंसियों और राज्यों के बीच समन्वय के लिए राज्य प्राधिकरणों के साथ भी समन्वय करना चाहिए।

श्री अमित शाह ने गृह मंत्री ने नर्मदा नदी क्षेत्र में वन क्षेत्र को और बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि अगर यह प्रयोग सफल रहा तो अन्य नदियों के क्षेत्र में भी ऐसे प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे नदी क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सहायता मिलेगी, मिट्टी का कटाव कम होगा और क्षेत्र में कम बारिश की उभरती समस्या से भी निपटा जा सकेगा। गृह मंत्री ने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश में बाढ़ प्रबंधन के ठोस उपायों के लिए तकनीक का उपयोग करते हुए नए विकल्पों को तलाशा जाना चाहिए।

गृह मंत्री ने शहरी क्षेत्रों में बाढ़ की बढ़ती घटनाओं का जिक्र करते हुए सभी केन्द्रीय एजेंसियों को इन शहरों में बाढ़ नियंत्रण के लिए आवश्यक, समयबद्ध कार्रवाई करने तथा बड़े शहरों में बाढ़ प्रबंधन के लिए व्यापक योजना बनाने का निर्देश दिया। श्री शाह ने मानसून के दौरान कम अवधि में भारी वर्षा की उभरती प्रवृत्ति से निपटने के लिए आर्द्रभूमि में नई जान फूंकने (Wetland Rejuvenation) और वनीकरण (Afforestation) के उपायों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय को ब्रह्मपुत्र बेसिन में आर्द्रभूमि की स्थिति को बेहतर बनाने पर काम करने की सलाह दी, जो बाढ़ की रोकथाम के साथ ही आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण होगा।

नौतपा के बाद तप रहा देश

-मप्र सहित कई राज्यों का तापमान 45 डिग्री के पार, 6 राज्यों में लू का अलर्ट, बारिश की संभावना नहीं

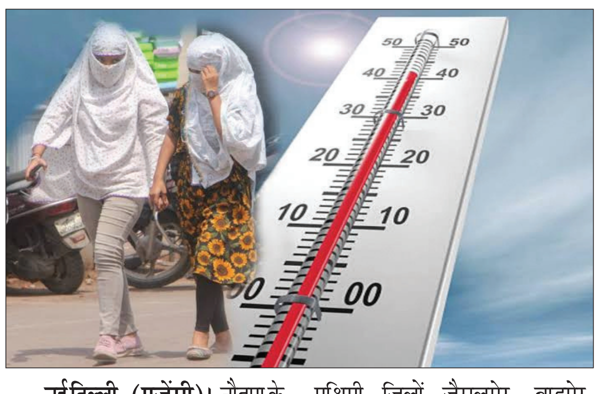

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौतपा के नौ दिन बारिश के बाद अब देश के उत्तरी राज्यों में तेज गर्मी का दौर जारी है। देश के 6 राज्यों के 18 शहरों का तापमान 45 डिग्री के ऊपर रहा। इन राज्यों में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली और ओडिशा शामिल हैं। राजस्थान का श्रीगंगानगर 47.3 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा।

दिल्ली-एनसीआर समेत पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बुधवार को भी हीट वेव और तेज गर्मी की चेतावनी है। दिल्ली में राज्य में अगले दो दिन के लिए हीट वेव-गर्मी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने राजस्थान में तेज हीट वेव का रेड अलर्ट जारी किया है। सबसे ज्यादा असर पश्चिमी जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, पाली, जालोर, सिरोही में है। हरियाणा में भी सोमवार को तापमान 45 डिग्री के आंकड़े को भी पार कर गया। प्रदेश में सिरसा 46.4 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहा।

ऊना का तापमान 44.2 डिग्री

हिमाचल प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। पंजाब से सटे ऊना का तापमान मंगलवार 44.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। ऊना का आजतक का रिकॉर्ड तापमान 45.2 डिग्री 10 जून 2019 को दर्ज किया गया था। यानी रिकॉर्ड तापमान से एक डिग्री कम ही पारा रह गया है। कुल्लू, मंडी और ऊना जिला के कुछ क्षेत्रों में आज हीट-वेव महसूस की गई।

2034 में एक साथ होंगे लोकसभा-विधानसभा चुनाव

सरकार कर रही है खास योजना पर काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की महत्वाकांक्षी योजना को 2034 तक लागू करने का लक्ष्य रखा है। इस योजना के तहत लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य बार-बार होने वाले चुनावों के कारण होने वाले खर्च को कम करना और शासन में निरंतरता लाना है। इसके लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 संसद में पेश किए जा चुके हैं। इस बदलाव के तहत, 2029 के आम चुनाव के बाद जो भी राज्य विधानसभाएं चुनी जाएंगी, उनका कार्यकाल कम कर दिया जाएगा, ताकि 2034 के आम चुनावों के साथ उन्हें सिंक्रोनाइज किया जा सके। वन नेशन, वन इलेक्शन के इस प्रस्ताव पर बनी जेपीसी के अध्यक्ष और राजस्थान के पाली से भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने बताया कि 2027 के बाद जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनका कार्यकाल छोटा रखा जाएगा। उदाहरण के तौर पर 2032 में उत्तर प्रदेश में संभावित विधानसभा चुनाव सिर्फ दो साल के कार्यकाल के लिए हो सकते हैं, ताकि 2034 के लोकसभा चुनावों के साथ वहां की विधानसभा भी साथ में जाए। संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार, राष्ट्रपति 2029 के आम चुनावों के बाद लोकसभा की पहली बैठक की तारीख के आधार पर एक अधिसूचना जारी कर सकते हैं, जिसमें अगले आम चुनावों की तारीख तय की जाएगी।

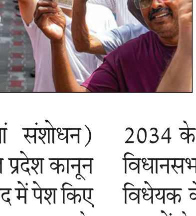

कनाडा में तिरंगे का अपमान कर बोले खालिस्तानी, पीएम मोदी को आने दो टारगेट करेंगे

ओटावा (एजेंसी)। खालिस्तानी सिर्फ भारत के लिए नहीं बल्कि कनाडा के लिए भी सिरदर्द बनते जा रहे हैं। उनकी वजह से दोनों देशों के बीच रिश्ते भी खराब हो रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में, खालिस्तानी चरमपंथियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की खुली धमकी दी है और भारतीय तिरंगे का अपमान किया है। यह विवाद कनाडा के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी द्वारा पीएम मोदी को जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के बाद शुरू हुआ। इस निमंत्रण से खालिस्तानी समूह भड़क गए हैं और उन्होंने इसे भारत विरोधी प्रदर्शनों के लिए एक अवसर के रूप में देखा है। बता दें कि कनाडा जी-7 के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में 15 से 17 जून तक अल्बर्टा प्रांत में इस समूह के सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को फोन पर बातचीत के दौरान जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कार्नी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया।

प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इस मामले को और भड़काया। पन्नू ने एक वीडियो जारी कर कनाडा के पीएम मार्क कार्नी को धन्यवाद दिया, यह कहते हुए कि उन्होंने खालिस्तानियों को जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी को निशाना बनाने का ऐतिहासिक मौका दिया। पन्नू ने 48 घंटे के विरोध प्रदर्शन की घोषणा की, जो पीएम मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान उनकी लैंडिंग से टेकऑफ तक चलेगा। पन्नू की इन धमकियों को भारत ने गंभीरता से लिया है। भारत सरकार ने पहले भी कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर अपनी चिंता जताई थी, विशेष रूप से 2023 में, जब तत्कालीन कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया था। भारत ने इन आरोपों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज किया था।

धमकियों पर कनाडा ने नहीं की सख्त कार्रवाई

कनाडा सरकार की ओर से इन धमकियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिसे भारत ने गंभीरता से लिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा में भारतीय राजनयिकों के उत्पीड़न और असुरक्षित माहौल की निंदा की है। पीएम मोदी ने भी कनाडा में भारतीय समुदाय और उनके पूजा स्थलों, विशेष रूप से हिंदू मंदिरों पर हमलों की कड़ी निंदा की है। भारत ने कनाडा से बार-बार अनुरोध किया है कि वह खालिस्तानी चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करे और भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करे। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं। हमारे वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से नहीं रोका जाएगा।

हाईकोर्ट में बाबा साहेब की मूर्ति स्थापना पर विवाद न करे भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि मध्य प्रदेश के ग्वालियर में उच्च न्यायालय के सामने बाबा साहेब अम्बेडकर की मूर्ति को स्थापित करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) ने जानबूझकर विवाद पैदा किया है और संविधान की रक्षा के लिए केंद्र तथा राज्य की भाजपा सरकार को इस पर विवाद करने की बजाए बाबा साहेब की मूर्ति को स्थापित करने की इजाजत देनी चाहिए।

कांग्रेस के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी तथा राज्यविधान सभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंगहार ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि ग्वालियर में बाबा साहेब की मूर्ति स्थापित न हो इसको लेकर जानबूझकर विवाद किया जा रहा है और इसके जरिए भाजपा सरकार मुद्दों से ध्यान भटकाकर वर्ग संघर्ष कराना चाहती हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि बाबा साहेब की मूर्ति वहां लगनी चाहिए, लेकिन आरएसएस ने सोची-समझी साजिश के तहत विवाद उत्पन्न कर दिया और संघर्ष पैदा करना चाहते हैं इसलिए रणनीति के तहत बाबा साहेब की मूर्ति स्थापना पर विवाद करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण में बाबा साहेब के योगदान को कांग्रेस पार्टी और पूरा देश मानता है क्योंकि जो अधिकार लोगों को मिले हैं, वह बाबा साहेब की देन हैं। उन्होंने केंद्र तथा राज्य की भाजपा सरकार से हाई कोर्ट परिसर में बाबा साहेब की मूर्ति स्थापित करने में जो बाधा को हल करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। भाजपा आरएसएस को दलित विरोधी करार देते हुए उन्होंने कहा कि आज तक आरएसएस के जितने सरसंघसंचालक बनें, उनमें से एक भी दलित, आदिवासी समाज से नहीं रहा। इससे स्पष्ट होता है कि ये दलितों-आदिवासियों को सम्मान नहीं देना चाहते हैं। भाजपा-आरएसएस के लोग इतिहास को बदलना चाहते हैं और राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने वाले महान लोगों के विचारों को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस के लोग हमेशा राष्ट्रहित और देशभक्ति की बात करते हैं, लेकिन जब बाबा साहेब की मूर्ति की स्थापना होनी है, तब इनकी देशभक्ति कहीं चली जाती है। भाजपा देश में 'फूट डालो-राज करो' और एक सोची-समझी रणनीति के तहत देश का इतिहास बदलना चाहती है, लेकिन कांग्रेस पार्टी की सोच उन सभी नेताओं के विचारों के साथ खड़ी है, जिन्होंने देश बनाया। कांग्रेस पार्टी देश के हर व्यक्ति और समाज का सम्मान करती है।

संक्षिप्त समाचार

टमाटर के बाद अब जहरीले हुए अंडे! अमेरिका में खाने की चीजों में तेजी से फैल रहा खतरनाक बैक्टीरिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में खीरे, प्याज और टमाटर के बाद अब अंडे भी साल्मोनेला नाम की बैक्टीरिया से संक्रमित हो गए हैं। देश के अलग-अलग राज्यों से संक्रमण के आए दर्जनों मामलों ने अधिकारियों की नींदें उड़ा दी हैं। अंडों में साल्मोनेला के नमूने पाए जाने के बाद पूरे अमेरिका से लगभग 17 लाख अंडों को दुकानों से वापस बुलवा लिया गया है। देश में खाने की चीजों में तेजी से फैलते इस बैक्टीरिया की वजह की खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के मुताबिक कैलिफोर्निया सहित सात राज्यों में करीब 80 लोग जहरीले अंडों का सेवन कर बीमार हो गए। इनमें कई मामले गंभीर भी हैं। अब तक 21 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अंडों को दुकानों से हटवाए जाने के बाद अब लोगों से एहतियात बरतने की अपील की जा रही है। सरकार ने लोगों को सलाह दी है कि वे संक्रमित अंडों को या तो फेंक दें या उन्हें वापस स्टोर तक पहुंचा दें, जहां से कंपनी उन्हें संक्रमणमुक्त करने की प्रकिया के लिए भेजेगी। वहीं लोगों से संक्रमण फैलने से रोकने के लिए हाथों और अच्छी तरह धोने की अपील की जा रही है। अंडे खाने के बाद डिहाइड्रेशन या बुखार जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेने की भी सलाह दी गई है। अमेरिका की रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के मुताबिक साल्मोनेला एक हानिकारक माइक्रोऑर्गेनाइज्म है। इंसानी शरीर तक पहुंचने के 12 से 72 घंटे के भीतर यह दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन को ट्रिगर कर सकता है। बच्चों, बुजुर्ग और कमजोरी इम्युनिटी सिस्टम वाले लोगों में यह गंभीर और घातक संक्रमण का कारण भी बन सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक फ्रीजिंग और सुखाने से बैक्टीरिया की वृद्धि को रोका जा सकता है, लेकिन सालमोनेला को खत्म नहीं किया जा सकता है।

पाकिस्तान में तीन दिन के चीफ जस्टिस, बकरीद की छुट्टी के कारण कोर्ट के बाहर लेनी पड़ी शपथ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस सैयद मंसूर अली शाह ने कार्यवाहक चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली है। उन्हें तीन दिन के लिए देश का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। यह आमतौर पर औपचारिक और शांत आयोजन होता है, लेकिन दो खास वजहों से चर्चा का केंद्र बन गया है। पाकिस्तान में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में मंसूर अली शाह की नियुक्ति दो वजहों से चर्चा बटोर रही है। पहली वजह है- यह शपथ बकरीद की छुट्टी यानी सार्वजनिक अवकाश के दिन ली गई, जब सामान्यतः सरकारी दफ्तर बंद रहते हैं और कोई भी आधिकारिक समारोह आयोजित नहीं किया जाता। दूसरी बड़ी बात - यह शपथ इस्लामाबाद स्थित सुप्रीम कोर्ट मुख्यालय के बजाय लाहौर रजिस्ट्री परिसर के बाहर खुले में कराई गई, जो एक अभूतपूर्व फैसला रहा। पाक सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह शायद पहली बार है जब देश के शीर्ष न्यायिक पद की शपथ राजधानी से बाहर और खुले में कराई गई हो। जस्टिस मंसूर अली शाह को 7 जून से 10 जून तक के लिए कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वर्तमान चीफ जस्टिस जस्टिस याह्या अफरीदी हज पर सऊदी अरब गए हुए हैं और अगले सप्ताह तक वापस लौटेंगे। इस विशेष मौके पर जस्टिस आयशा ए. मलिक ने जस्टिस शाह को शपथ दिलाई। यह भी एक खास बात थी क्योंकि देश में सुप्रीम कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की शपथ महिला न्यायाधीश द्वारा कराई जाना एक दुर्लभ अवसर माना जाता है। इस समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शाहिद वहीद, जस्टिस आमिर फारूक, जस्टिस शाहिद बिलाल हसन और जस्टिस अली बाकर नजाफी भी मौजूद रहे। इसके अलावा एडवोकेट जनरल पंजाब अमजद परवेज और कई वरिष्ठ वकील भी मौजूद थे।

12 देशों के नागरिकों पर लगा यात्रा प्रतिबंध लागू हुआ, अमेरिकी दूतावासों को जारी हुए दिशा-निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन 12 अफ्रीकी और मध्य पूर्वी देशों के नागरिकों के अमेरिका आने पर जो प्रतिबंध लगाया था, वह सोमवार से लागू हो गया। यह प्रतिबंध ऐसे समय लागू हुआ है, जब पहले से ही अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की अप्रवासन नीति का विरोध हो रहा है और इसे लेकर लॉस एंजेलिस में हिंसा भड़की हुई है। जिन 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया है, उमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, रिपब्लिक ऑफ कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, एरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल है। इन देशों के नागरिकों पर वीजा प्रतिबंध कड़े किए गए साथ ही बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला के उन नागरिकों पर, जो अमेरिका के बाहर हैं और उनके पास वैध वीजा भी नहीं है, उन पर वीजा प्रतिबंध कड़े किए गए हैं। हालांकि जिन लोगों को प्रतिबंध लगाए जाने से पहले ही अमेरिकी वीजा जारी हो चुका है, उन पर प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इस संबंध में सभी अमेरिकी दूतावासों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग के जहाज को कब्जे में लिया, 5 बोट ने समंदर में घेरा, सभी कार्यकर्ता हिरासत में

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता और नोबेल पीस प्राइज विजेता ग्रेटा थनबर्ग और उनके जहाज को कब्जे में ले लिया है। सोमवार तड़के इजराइल की 5 स्पीड बोट्स ने जहाज को घेर लिया। इसके बाद सैनिकों ने जहाज पर चढ़कर उसे अपने कंट्रोल में ले लिया। यह जहाज गाजा के लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहा था। मैडलीन नाम के इस जहाज पर 12 लोग सवार हैं। सभी सेना की हिरासत में हैं। अब इस जहाज को गाजा की जगह इजराइल ले जाया जा रहा है। ग्रेटा और उनके साथियों ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि इजराइली सैनिकों ने उन्हें और उनके साथियों को इंटरनेशनल वाटर्स में अगवा कर लिया है। ग्रेटा अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही थीं। ग्रेटा थनबर्ग को दिखाया जाएगा 43 मिनट का वीडियो काट्ज ने यह आदेश देते हुए खासतौर पर थनबर्ग का नाम लिया। उन्होंने कहा कि ग्रेटा और उनके हमास समर्थक साथियों को देखना चाहिए कि हमास असल में क्या है और उन्होंने कैसे इजराइल की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मारा। 43 मिनट के इस वीडियो में दिखाया गया है कि हमले के दौरान किस तरह निर्दोष लोगों की हत्या की गई और उनके शवों के साथ क्या क्रूरता हुई। वीडियो की फुटेज आतंकवादियों के बॉडीकैम से ली गई है

और इसमें किसी भी फुटेज को सेंसर नहीं किया गया है। हमास के इस हमले में 1200 से ज्यादा इजराइली लोगों की मौत हुई थी। इजराइल, इससे भी कुछ पत्रकारों और बड़ी हस्तियों को यह वीडियो दिखा चुका है। ग्रेटा ने रिहाई के लिए परिवार और स्वीडिश सरकार से मदद मांगी इससे पहले ग्रेटा और उनके साथियों ने वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि इजराइली सैनिकों ने उन्हें और उनके साथियों को इंटरनेशनल वाटर्स में अगवा कर लिया है। ग्रेटा अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही थीं। यरुशलम पोस्ट के अनुसार, मैडलीन के संचालकों ने टेलीग्राम के जरिए बताया है कि आईडीएफ सुबह करीब 3 बजे नौका पर पहुंच गई थी। यहां मौजूद सभी लोगों को को कथित तौर पर गिरफ्तार कर लिया है और इजरायली नौसेना जहाज को अशदोद पोर्ट ले जा रही है। इससे पहले आईडीएफ ने अनुमान लगाया था कि जहाज इजरायली क्षेत्र में करीब एक घंटा पहले ही पहुंच जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल की नौसेना ने कथित तौर पर मैडलीन से संपर्क भी साधा था और अपना रास्ता बदलने के निर्देश दिए थे। इजरायल ने कहा था रोकेंगे नौका इजराइल के रक्षा मंत्री ने पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग और अन्य कार्यकर्ताओं को ले जा रही राहत सहायता नौका को गाजा पट्टी तक पहुंचने से रोकने की प्रतिबद्धता जताई। रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने रविवार को कहा कि इजराइल किसी को भी फलस्तीनी क्षेत्र पर अपनी नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने की अनुमति नहीं देगा, जिसका उद्देश्य हमास को हथियार आयात करने से रोकना है। यह नौका पिछले रविवार को सिसिली से गाजा की समुद्री नाकेबंदी तोड़ने और मानवीय सहायता पहुंचाने के मिशन के साथ रवाना हुई थी। इसका मकसद फलस्तीनी क्षेत्र में बढ़ते मानवीय संकट के बारे में दुनिया को जागरूक करना भी है। कार्यकर्ताओं ने कहा था कि उनकी योजना रविवार को ही गाजा के जलक्षेत्र में पहुंचने की है। जहाज पर मौजूद अन्य लोगों में यूरोपीय संसद की फ्रांसीसी सदस्य एवं फिलिस्तीनी मूल की रीमा हसन भी शामिल हैं। फलस्तीनियों के प्रति इजराइल की नीतियों का विरोध करने के कारण उन्हें इजराइल में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। पिछले महीने भी फ्रीडम फ्लोटिला की नौका ने समुद्र के रास्ते गाजा पहुंचने की असफल कोशिश की थी, हालांकि, माल्टा के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पर पहुंचने पर समूह की एक अन्य नौका पर दो ड्रोन की मदद से हमला किया गया, जिससे यह कोशिश नाकाम हो गई। समूह ने इस हमले के लिए इजराइल को दोषी ठहराया। इस हमले में नौका का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

हसीना की भतीजी के यूनुस से मुलाकात के अनुरोध पर बांग्लादेश की सफाई, कहा- हमें कोई पत्र नहीं मिला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की पूर्व मंत्री ट्यूलिप सिद्दीकी की अंतरिम सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात के अनुरोध पर उनके कार्यालय ने सफाई दी है। मोहम्मद यूनुस के कार्यालय के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि हमें अभी तक कोई पत्र नहीं मिला है। प्रेस सचिव ने कहा कि हम पांच जून से ईद-उल-अजहा की छुट्टी पर हैं। हम सोमवार को शाम 7: 30 बजे यूनाइटेड किंगडम के लिए रवाना होंगे। चूंकि हमें अभी तक पत्र नहीं मिला है, इसलिए इस मामले पर कुछ नहीं कह सकते। यूनुस 10-13 जून तक ब्रिटेन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और डाउनिंग स्ट्रीट में कीर स्टार्मर से मिलेंगे।

मुझे अंतरिम सलाहकार से बात करनी है : ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी ने चार जून को पत्र लिखकर अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर गलतफहमी को दूर करने के लिए लंदन में यूनुस के साथ बैठक करने की मांग की है। सिद्दीकी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक से ढाका में भ्रष्टाचार विरोधी समिति द्वारा फैलाई गई गलतफहमी दूर करने में मदद मिलेगी कि मुझे अपनी मौसी और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में जवाब देने हैं। मैं ब्रिटेन की नागरिक हूं, लंदन में जन्मी हूं और पिछले एक दशक से संसद में हैम्पस्टेड और हाईगेट के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। बांग्लादेश में मेरी कोई संपत्ति या कोई व्यावसायिक हित नहीं है। सिद्दीकी ने कहा कि मैंने एसीसी से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन उन्होंने लंदन में मेरे वकीलों से बात करने से इनकार कर दिया है और जाहिर तौर पर ढाका में गलत पते पर पत्राचार किया जा रहा है। वहीं बांग्लादेश की भ्रष्टाचार विरोधी समिति (एसीसी) ने दावा किया कि हसीना की भतीजी सिद्दीकी या उनकी मां ने सत्ता और प्रभाव का दुरुपयोग करके 7,200 वर्ग फुट का भूखंड प्राप्त किया। जबकि सिद्दीकी ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने आरोपों को राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि किसी भी आरोप के संबंध में अधिकारियों ने उनसे संपर्क नहीं किया।

स्पेन की विपक्षी पार्टी ने प्रधानमंत्री से मांगा इस्तीफा

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की विपक्षी पार्टी ने रविवार को मैड्रिड शहर में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। इस रैली में हजारों लोग शामिल हुए। लोगों ने प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज से इस्तीफा देने और नए चुनाव करवाने की मांग की। पॉपुलर पार्टी ने सांचेज के राजनीतिक सहयोगियों और परिवार से जुड़े कथित भ्रष्टाचार घोटालों के जवाब में माफिया या लोकतंत्र के नारे के साथ रैली का आयोजन किया। सांचेज से जुड़े कुछ मामले अभी जांच में हैं। इनमें उनके एक पूर्व मंत्री, उनकी पत्नी और हाल ही में उनके भाई पर जांच चल रही है।

मुहम्मद यूनुस ने बकरीद पर बधाई के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने ईद-उल-अजहा यानी बकरीद के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बधाई संदेश पर आभार जताया है। 6 जून को पीएम मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पारस्परिक सम्मान और समझ की भावना भारत और बांग्लादेश के लोगों की भलाई के लिए मिलकर काम करने में दोनों देशों का मार्गदर्शन करती रहेगी। यूनुस ने कहा कि आपका विचारशील संदेश, बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं हमारे दोनों देशों के बीच साझा मूल्यों को दर्शाता है।

लॉस एंजेलिस में हंगामा और अराजकता जारी, नेशनल गार्ड्स की तैनाती के बावजूद नहीं थम रही हिंसा

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में तीन दिन से जारी प्रदर्शन हिंसक हो गया है। उपद्रवियों ने पूरे शहर में कई सड़कों पर आगजनी की है। इस दौरान सैकड़ों गाड़ियों को आग के हवाले किया है। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी मेक्सिको का झंडा लेकर प्रदर्शन करते आए। हालात को काबू करने के लिए अमेरिकी नेशनल गार्ड्स ने भारतीय समयानुसार रविवार देर रात प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले-रबर बुलेट्स दागीं और भीड़ को पीछे धकेला। कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते और जलाते भी नजर आए। घटना मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर के बाहर हुई, जहां प्रदर्शनकारी जुटे थे। कुछ प्रदर्शनकारी गो होम और शेम के नारे लगाने लगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर पर अवैध प्रवासियों का कब्जा है, इसे जल्द आजाद कराया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने कई पुलिस वाहनों को फूंक दिया और कई सड़कों को बाधित कर दिया। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। लॉस एंजेलिस में हिंसा शुरू हुए तीन दिन बीत चुके हैं और नेशनल गार्ड्स की तैनाती ने इस

हिंसा को और भड़का दिया है। रविवार दोपहर को लॉस एंजेलिस के डाउनटाउन में मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर के बाहर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए थे। इस डिटेंशन सेंटर में कथित अवैध अप्रवासियों को हिरासत में रखा गया है। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिससे प्रदर्शनकारी भड़क गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों पर पथराव भी किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिल्स में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स को भेजा है। हालांकि, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर कैरेन बैस ने नेशनल गार्ड्स भेजने का विरोध किया है। यह पहला मौका है जब किसी राज्य की नेशनल गार्ड को बिना गवर्नर की अनुमति के भेजा गया। लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इसी का विरोध हो रहा है। छापेमारी राष्ट्रपति ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी का हिस्सा है।

रूस बोला- जल्द यूक्रेनी सैनिकों के शव बॉर्डर भेजे जाएंगे, कैदियों की अदला-बदली पर विवाद गहराया

मास्को, एजेंसी। रूस ने रविवार को ऐलान किया कि वह जल्द ही यूक्रेनी सैनिकों के शवों से भरी ट्रेनें यूक्रेन की सीमा की ओर रवाना करेगा। हालांकि इस प्रक्रिया में विवाद पैदा हो गया है। रूस का दावा है कि उसने शनिवार को बेलारूस के नोवाया गूटा इलाके के पास एक तय जगह पर यूक्रेन के 6,000 से ज्यादा सैनिकों के शव भेजे, लेकिन यूक्रेन ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। रूस का कहना है कि इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता में इन शवों को लौटाने पर सहमति बनी थी। यूक्रेन के रक्षा खुफिया प्रमुख किरिलो बुदानोव ने रूस के आरोपों को सिरे से खारिज किया। किरिलो के मुताबिक, यूक्रेन ने इस्तांबुल में बनी सहमति का पूरी तरह पालन किया है। शवों की वापसी की प्रक्रिया अगले हफ्ते से शुरू होनी थी, और हमने मंगलवार को रूस को यह जानकारी दे दी थी। रूसी अधिकारियों ने रविवार को दोहराया है कि यूक्रेन से इस बात की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है कि युद्ध में मारे गए 6,000 सैनिकों के शवों की अदला-बदली की योजना

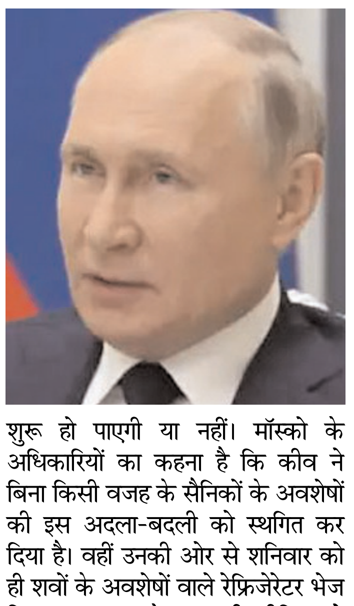

शुरू हो पाएगी या नहीं। मॉस्को के अधिकारियों का कहना है कि कीव ने बिना किसी वजह के सैनिकों के अवशेषों की इस अदला-बदली को स्थगित कर दिया है। वहीं उनकी ओर से शनिवार को ही शवों के अवशेषों वाले रेफ्रिजरेटर भेज दिए गए। रूस के सरकारी मीडिया ने रूसी वार्ता समूह के प्रतिनिधि लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर जोरिन के हवाले से कहा कि उनकी ओर से यूक्रेनी सैनिकों के 1,212 शवों के रेफ्रिजरेटर को सीमा पर उस जगह भेज दिया गया है, जहां अवशेषों की अदला-बदली होनी है। इस जगह पर रूसी टीम लगातार यूक्रेन से पुष्टि का इंतजार कर रहा है। ऐसे संकेत मिले हैं कि शवों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया अगले सप्ताह तक स्थगित की जाएगी। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से पूछा है कि अपने देश के सैनिकों के शवों को नहीं लेने का निर्णय उनका खुद का है या फिर नाटो ने इसे रोका है। दूसरी ओर यूक्रेन ने कहा है कि रूस के साथ समझौते में शवों को वापस लेने के लिए तारीख तय नहीं की गई थी। यूक्रेन ने रूस पर ऐसी लिस्ट देने का भी आरोप लगाया, जो सोमवार को हुए समझौतों के अनुरूप नहीं है। रूस और यूक्रेन के डेलीगेशन तुर्की में शांति वार्ता के लिए जुटे थे। बैठक में युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई लेकिन शवों की अदला-बदली पर सहमति बन गई। इससे ये उम्मीद जगी कि दोनों पक्ष आने वाले समय में युद्धविराम पर आगे बढ़ सकते हैं।

रूस केवल ताकत की भाषा समझता है, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने नाटो और जी-7 देशों से लगाई गुहार

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस केवल ताकत की भाषा समझता है और उन्होंने जी-7 और नाटो देशों से अपील की कि जून में होने वाले उनके सम्मेलन में कोई ठोस निर्णय होना चाहिए। कनाडा में होने वाला जी-7 सम्मेलन 15-17 जून के बीच होगा। वहीं नाटो सम्मेलन नीदरलैंड में 24-26 जून को होगा। जेलेंस्की ने एक बयान में कहा कि आने वाले हफ्तों में यूक्रेन में अहम बैठकें होंगी और हम ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जून में होने वाले सम्मेलन जैसे कनाडा में होने वाला जी-7 सम्मेलन और नीदरलैंड में होने वाला नाटो सम्मेलन खाली न जाएं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस केवल एक ही भाषा समझता है और वो है ताकत की भाषा। आने वाले महीने में होने वाले सम्मेलनों में सभी जगह इसी दिशा में काम होना चाहिए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन अपने युद्धबंदियों की रिहाई और हमारे बलिदान योद्धाओं की वापसी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इस्तांबुल में बनी सहमति के बावजूद एक हजार से अधिक लोगों के आदान-प्रदान के लिए रूस की ओर से पूरी सूची अभी भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। अपने चिर परिचित अंदाज में रूसी पक्ष एक बार फिर इन मामलों को भी गंदे राजनीतिक और सूचना के खेल में बदलने की कोशिश कर रहा है। अपनी ओर से, हम आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव

प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला किया था, जिसमें 400 ड्रोन्स और 40 से ज्यादा मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद शुक्रवार को जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से अपील की थी कि वे रूस के खिलाफ दबाव बनाएं। रूस यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से अब तक 12000 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्था की कोशिशें चल रही हैं और इसे लेकर बीते दिनों इस्तांबुल में एक बैठक भी हुई थी। हालांकि यूक्रेन के रूस के पांच एयरबेस पर किए गए ड्रोन हमले और उसमें रूस के 40 से ज्यादा विमानों के तबाह होने के बाद रूस ने भी हमले तेज कर दिए हैं।

इजराइली हमले में मारे गए हमास लीडर मोहम्मद सिनवार का शव बरामद, सेना ने फुटेज जारी किया

येरुशलम, एजेंसी। मोहम्मद सिनवार हमास के सैन्य विंग का प्रमुख था और गाजा के यूरोपियन अस्पताल में एक सुरंग के अंदर छिपा हुआ था। 13 मई को इजराइली सेना और खुफिया एजेंसी शिन बेट ने वहां एक सटीक हमला किया था, जिसमें सिनवार और उसके साथ मौजूद रफा ब्रिगेड के कमांडर मोहम्मद शबाना मारे गए थे। आईडीएफ ने बताया कि हमले के बाद खोज अभियान में अस्पताल के नीचे बनी सुरंग से शव बरामद हुआ। वहां से सिनवार और शबाना के सामान और कुछ अहम दस्तावेज भी मिले हैं। मोहम्मद सिनवार, हमास के प्रमुख नेता याह्या सिनवार का छोटा भाई था। याह्या ही 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले का मास्टरमाइंड था, जिसे इजराइली सेना ने पिछले साल मार गिराया था। विदेशी पत्रकारों को गाजा अस्पताल लेकर गई इजरायली सेना इजरायली सेना ने विदेशी पत्रकारों के एक छोटे समूह को खान यूनिस में यूरोपीय अस्पताल के नीचे खोजी गई सुरंग का दौरा कराया, जिसके बारे में डेफ्रिन ने कहा कि यह हमास के लिए एक प्रमुख कमांड और नियंत्रण परिसर था। डेफ्रिन ने कहा, यह हमास द्वारा नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करने, नागरिक बुनियादी ढांचे, अस्पतालों का बार-बार इस्तेमाल करने के निंदनीय उपयोग का एक और उदाहरण है। अस्पताल के नीचे सुरंग में छिपा था मोहम्मद सिनवार उन्होंने कहा, हमें अस्पताल के नीचे, इमरजेंसी रुम के ठीक नीचे, कुछ कमरों का एक परिसर मिला। उनमें से एक में हमने पाया कि हमने मोहम्मद

सिनवार को मार डाला। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले महीने सिनवार की मौत की घोषणा की थी, लेकिन डेफ्रिन ने कहा कि अब उनके पास उसका डीएनए है, जिससे यह साबित हो गया है कि यह वही था। हमास ने सिनवार या शबाना की मौत की रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। याह्या सिनवार का छोटा भाई था मोहम्मद सिनवार सिनवार फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह के दिवंगत नेता याह्या सिनवार का छोटा भाई था और अक्टूबर 2023 में इजरायल पर हुए हमले का मास्टरमाइंड था, जिसमें इजरायल के आंकड़ों के अनुसार 1,200 लोग मारे गए थे और जिसने गाजा पर इजरायल के आक्रमण को गति दी थी। शबाना दक्षिणी गाजा में हमास के सबसे वरिष्ठ और युद्ध-प्रशिक्षित कमांडरों में से एक थे। उन्होंने दक्षिणी शहर राफा के नीचे सुरंगों के नेटवर्क के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाई, जिसका उपयोग घात लगाने और सीमा पार छापे के लिए किया गया था। अस्पताल की सुरंग में छिपते थे हमास नेता डेफ्रिन ने कहा कि सेना ने यूरोपीय अस्पताल के पास हमले की सावधानीपूर्वक योजना बनाई थी ताकि इसे नुकसान न पहुंचे। सेना ने कहा कि आपातकालीन कक्ष के प्रवेश द्वार के सामने खोदी गई।

पीएम मोदी ने 11 वर्षों में स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतीयों को बनाया विश्वास का प्रतीक: सीएम योगी

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 10 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता कर केंद्र सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने इन 11 वर्षों के कार्यकाल को विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल करार दिया। उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है, बल्कि स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतवासियों को भी एक विश्वास का प्रतीक बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का 11 वर्ष का यह कार्यकाल नए भारत को एक विकसित, आत्मनिर्भर, स्वर्णिम कालखंड के रूप में प्रस्तुत करता है। इस स्वर्णिम कालखंड के लिए हम उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री जी को बधाई देते हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी जी का स्पष्ट कहना है कि शासन अब सेवा का माध्यम बनेगा। सरकार आम जनमानस के साथ सहभागी बनेगी। सुशासन अब संस्कृति के रूप में देखने को मिल रहा है। 11 वर्ष के प्रधानमंत्री मोदी जी के शासनकाल को हमने इन रूपों में देखा है। 11 वर्ष का यह कार्यकाल सेवा को संकल्प के रूप में, सुशासन को संस्कृति के रूप में और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यही है नया भारत, यही है विश्व का नए भारत पर विश्वास। मुख्यमंत्री ने कहा, आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस नेतृत्व और अन्य अस्थिर सरकारों के कारण आमजन का विश्वास टूटा था, विश्वास खंडित हुआ था, वैश्विक मंच पर भारत की छवि तार-तार हुई थी। पिछले 11 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री मोदी जी के रूप में भ्रष्टाचार से मुक्त, परिवारवाद से मुक्त, तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्त, एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला एक ऐसा नेतृत्व मिला है जिन्होंने पूरे भारत को विश्वास का प्रतीक बनाकर भारत को विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की एक सुदृढ़ नींव का निर्माण करते हुए अगले 25 वर्ष के व्यापक कार्य योजना पूरे भारतवासियों के सामने प्रस्तुत की है। मुख्यमंत्री बोले- प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश की सरकार के 11 साल ऐसे समय में पूरे हो रहे हैं जब पूरी दुनिया में भारत की सैन्य शक्ति की पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया के द्वारा ट्रस्टेड उस ताकत को देखा है जो अभी ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम सबको देखने को मिला है। यह भारत है मेड इन इंडिया की ताकत के माध्यम से करके दिखाया है और दुनिया ने इस ताकत का एहसास भी किया है। उन्होंने कहा, 1952 से लगातार भारत पर थोपे गए धारा 370 को पूरी तरह समाप्त करके जम्मू कश्मीर को, लद्दाख को, भारत के कानून के अनुरूप संवैधानिक दायरे में लाकर भारत की अखंडता को कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक भारत श्रेष्ठ भारत के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया है। यह पंच प्रण, विकसित भारत का संकल्प, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, राष्ट्रीय एकता और एकजुटता और नागरिक कर्तव्य का पालन है। 11 वर्ष के कालखंड को अगर आप देखेंगे तो सरकार ने विकसित भारत की जो आधारशिला रखी है वह इन्हीं पंच प्रण को ध्यान में रखकर की है और इसी के आधार पर विकसित भारत का यह मॉडल भारत को दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करता है। सीएम योगी ने कहा कि अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर अगर हम चर्चा करते हैं

तो याद करिए 2014 के पहले का भारत, अस्थिर अर्थव्यवस्था थी। लोगों का विश्वास नहीं था। 1947 से लेकर के 2014 तक भारत दुनिया की केवल 11वीं अर्थव्यवस्था था और वह अर्थव्यवस्था भी अस्थिर थी। पिछले 11 वर्ष में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। यानी भारत ने अपनी आजादी के अमृत महोत्सव के दौर में उस ब्रिटेन को पछाड़ा था जिसने भारत पर लगभग 200 वर्षों तक शासन किया था। अब जब प्रधानमंत्री मोदी जी के कार्यकाल के सफलतम 11 वर्ष पूरे हो रहे हैं तब जापान की अर्थव्यवस्था को पछाड़कर भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की अकेली अर्थव्यवस्था है जो एक दशक में दुगनी हुई है। भारत दुनिया का पहला देश है जिसने अपनी पर कैपिटा इनकम यानी प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक की है। 2013-14 में भारत की प्रति व्यक्ति आय केवल 79,000 रुपए थी और आज यह बढ़कर लगभग ढाई लाख हो गई है। भारत की विकास की दर जिस स्पीड से बढ़ रही है, 2027 में भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था यूपीए गवर्नमेंट के दौरान हाईवे निर्माण की स्पीड 11 किलोमीटर प्रतिदिन थी और आज यह तीन गुना से अधिक यानी लगभग 35 किलोमीटर प्रतिदिन है। आज हमारी 99 फीसदी ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से कनेक्ट हो चुकी हैं और इन 11 वर्षों में देश के अंदर 3 लाख 80 हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। इसी प्रकार से देश के अंदर 3600 किलोमीटर का हाई स्पीड कॉरिडोर और देश की पहली रैपिड रेल भी प्रारंभ हुई है जो दिल्ली मेरठ के बीच संचालित हो रही है। इन 11 वर्षों में लगभग 55000 किलोमीटर हाईवे का विस्तार हुआ है। 2014 से पहले देश के अंदर पांच शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा था, इसमें उत्तर प्रदेश का एक भी शहर नहीं था और आज देश के अंदर 23 शहरों में, जबकि प्रदेश के अंदर 6 शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अन्नदाता किसान देश के अंदर राजनीति एजेंडे का हिस्सा 2014 में ही बन पाया था। देश के अंदर 11 करोड़ किसानों को ₹6000 की सालाना प्रधानमंत्री सम्मान निधि के तहत अब तक 3 लाख 68 हजार करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से अन्नदाता किसानों के खातों में गए हैं। पीएम फसल बीमा योजना के माध्यम से 1 लाख 75000 करोड़ रुपए की राशि सीधे अन्नदाता किसानों के खाते में गई है। उत्तर प्रदेश की ही बात करते हैं तो 2017 के पहले उत्तर प्रदेश के अंदर चीनी मिलें बंद हो रही थीं, बंद चीनी मिलों को औने-पौने दाम पर बेचने का काम तत्कालीन सरकारें करती थीं। महिला सशक्तिकरण के लिए पिछले 11 वर्ष के अंदर जो कदम बढ़ाए गए उससे एक व्यापक परिवर्तन इस क्षेत्र में देखने को मिला है। लखपति दीदी योजना के अंतर्गत तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लिया गया है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से 10 करोड़ महिलाएं 90 लाख से अधिक समूहों के माध्यम से आज इस योजना से जुड़कर कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से देश के अंदर 3 करोड़ 98 लाख गर्भवती और धात्री महिलाओं को 18,593 करोड़ की राशि वितरित की गई है। उत्तर प्रदेश के अंदर दो एम्स बने हैं, एक गोरखपुर में और एक रायबरेली में। देश के अंदर 2014 तक केवल 180 मेडिकल कॉलेज थे, आज अकेले उत्तर प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज हैं और देश के अंदर 2045 मेडिकल कॉलेज वर्तमान में मेडिकल की शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। एमबीबीएस की सीट्स 2014 तक केवल 51348 थीं, आज यह संख्या बढ़कर 1,18,000 हुई है और पीजी की सीट 2014 में 13,246 थी और आज यह संख्या बढ़कर 74 हजार से ज्यादा हो गई हैं।

मुख्यमंत्री ने की रद्द किए गए रिहायशी प्लॉटों को नियमित करने के लिए एमनेस्टी योजना लागू करने की घोषणा

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

चंडीगढ़, 10 जून: हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की 128वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। बैठक में प्रदेश के हजारों आवंटियों को राहत देने वाली एमनेस्टी योजना को लागू करने की घोषणा की गई, जिससे 6 जुलाई 2020 के बाद ई-नीलामी के माध्यम से बेचे गए रद्द किए गए रिहायशी प्लॉटों को नियमित किया जा सकेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने एचएसवीपी की तीन महत्वपूर्ण डिजिटल पहलों का भी शुभारंभ किया, जिनमें ई-आवास पोर्टल, ऑनलाइन एक्स-ग्रेशिया पॉलिसी आवेदन पोर्टल और जल बिलिंग डेटाबेस को पीपीएम सिस्टम से जोड़ने का ऑनलाइन तंत्र शामिल है। सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक था फरीदाबाद एस्टेट में एस्टेट ऑफिसर ॥ के नए पद का सृजन। वर्तमान में फरीदाबाद शहरी एस्टेट में 62,606 संपतियाँ दर्ज हैं, जिनमें रिहायशी, वाणिज्यिक तथा संस्थागत श्रेणियाँ शामिल हैं। यह संख्या राज्य के किसी भी शहरी एस्टेट में सबसे अधिक है। तुलना करें तो गुरुग्राम के दोनों एस्टेट ऑफिस मिलाकर केवल 55,735 संपतियाँ प्रबंधित कर रहे हैं। फरीदाबाद एस्टेट ऑफिसर का कार्यक्षेत्र अत्यंत विस्तृत है। यह 70 सेक्टरों में फैला हुआ है, जिसमें न केवल फरीदाबाद के शहरी एस्टेट शामिल हैं बल्कि पलवल, हथीन, नूंह, रोजका मेव और तावडू के एस्टेट भी इसके अंतर्गत आते हैं। इस व्यापक कार्यक्षेत्र को देखते हुए लंबे समय से प्रशासनिक तथा विकास कार्यों में अत्यधिक भार महसूस किया जा रहा था। नए एस्टेट ऑफिसर पद के सृजन से कार्य विभाजन में संतुलन आएगा, जिससे विकास कार्यों को गति मिलेगी, प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी और नागरिकों को समयबद्ध सेवाएँ मिल सकेंगी। इससे एचएसबवीपी के कार्य निष्पादन में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। हजारों आवंटियों को मिलेगा राहत, रद्द किए गए रिहायशी प्लॉटों के लिए एमनेस्टी योजना मुख्यमंत्री द्वारा घोषित एमनेस्टी योजना का उ?द्देश्य उन आवंटियों को राहत प्रदान करना है जिनके रिहायशी प्लॉट ई-नीलामी के बाद रद्द कर दिए गए थे। यह योजना 6 जुलाई 2020 से लेकर इस योजना की घोषणा तक आयोजित हुई ई-नीलामियों में खरीदे गए रिहायशी श्रेणी के प्लॉटों (ग्रुप हाउसिंग सोसायटी को छोड़कर) पर लागू होगी। जो बोलीदाता प्लॉट की कुल लागत के 25त्न में से कम से कम 15त्न राशि पहले ही जमा कर चुके थे, किन्तु शेष राशि समय पर जमा न कर पाने के कारण जिनके प्लॉट रद्द कर दिए गए, वे इस योजना के अंतर्गत पात्र होंगे। इस योजना के तहत ऐसे आवंटियों को अपनी बकाया राशि पर 18त्न

वार्षिक ब्याज सहित पूर्ण भुगतान करना होगा। यह ब्याज दर देय तिथि से लेकर वास्तविक भुगतान तिथि तक लागू रहेगी। पहली एमनेस्टी योजना का लाभ न उठा पाने वाले बोलीदाता इस योजना के तहत भी पात्र होंगे। ऐसे आवंटियों को बकाया राशि पर 24त्न वार्षिक ब्याज सहित भुगतान करना होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस योजना के तहत संपूर्ण राशि (मूल ब्याज) योजना की अधिसूचना जारी होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। इस अवधि में कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा और किस्तों में भुगतान का कोई विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ सेक्टर-23 में सरकारी कॉलेज के निर्माण हेतु की 5 एकड़ भूमि को उच्च शिक्षा विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। इससे क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे। बैठक में मुख्यमंत्री तीन प्रमुख डिजिटल पहलों का शुभारंभ भी किया गया ई-आवास पोर्टल (हाउस अलॉटमेंट सिस्टम के लिए):- यह पोर्टल के कर्मचारियों के लिए स्टाफ क्वार्टर की आवंटन प्रक्रिया को पूर्ण रूप से डिजिटल बनाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा तथा सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड किए जा सकेंगे। एकीकरण के माध्यम से पात्रता का स्वत: सत्यापन संभव होगा, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति आएगी। ऑनलाइन एक्स-ग्रेशिया पॉलिसी आवेदन पोर्टल: यह पोर्टल के दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इसके माध्यम से वे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और आवश्यक दस्तावेज जैसे मृत्यु प्रमाणपत्र, सेवा प्रमाणपत्र तथा शपथपत्र अपलोड कर सकेंगे। यह पोर्टल पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और संवेदनशील बनाएगा। जल बिलिंग डेटाबेस को सिस्टम के साथ एकीकृत करने का ऑनलाइन तंत्र: अब जल बिलिंग सिस्टम को के प्लॉट एंड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट सिस्टम के साथ जोड़ दिया गया है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्लॉट ट्रांसफर जैसी प्रक्रियाओं के दौरान जल बिल की बकाया राशि को स्वत: सत्यापित किया जा सके। पहले इस एकीकरण के अभाव में आवंटियों को कई बार बाधाओं का सामना करना पड़ता था।

शादी की दुहाई देकर दूल्हे के दोस्तों को छुड़ाने कोतवाली पहुंची दुल्हन

हमीरपुर, 10 जून। मौदहा कस्बा के मंगीपुरा में शनिवार की रात शादी समारोह के दौरान दो पक्षों में विवाद हो गया। मामले में पांच बरातियों समेत 11 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस पर दूल्हे ने दोस्तों के बिना शादी की रस्में करने से इन्कार कर दिया। इससे परेशान दुल्हन ने रविवार की सुबह कोतवाली पहुंचकर दूल्हे के दोस्तों को छोड़ने की पुलिस से मिन्नतें की। मुचलके पर जमानत पर छूटने के बाद शादी की रस्में रविवार दोपहर कराई हुईं। जनपद बांदा के शंकर नगर मोहल्ला निवासी रामू निषाद के बेटे विकास की बरात शनिवार रात कस्बे के मांगीपुरवा निवासी भोला निषाद के घर आई। दूल्हे के भाई हिमांशु निषाद ने बताया कि कस्बे के बांदा मार्ग स्थित वेलकम गेस्ट हाउस में शादी के सभी कार्यक्रम हो रहे थे। बरात निकलने के दौरान दूल्हे के साथी डीजे व बैंड की धुन में डांस करने के दौरान नोट भी लुटा रहे थे। इसमें मोहल्ले का अर्जुन वर्मा समेत अन्य बच्चे भी नाच रहे बरातियों बीच में घुस-घुस नोट उठा रहे थे। तभी किसी बराती का पैर अर्जुन के लग गया। इस पर विवाद हो गया। आक्रोशित दूल्हे के दोस्तों जीतेंद्र शुक्ला, कल्लू चौहान, संतोष यादव, गोविंद धुरिया व उत्कर्ष यादव आदि ने उसे मारपीट वहां से भगा दिया। कुछ देर बाद अर्जुन अपने छह साथियों के साथ गेस्ट हाउस पहुंचा और उक्त लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इससे विवाह के कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न हो गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने दूल्हे के दोस्तों समेत दूसरे पक्ष के आरोपियों को भी हिरासत में ले लिया। मामला बिगड़ता देख कई बराती निकल गए। इस बात से नाराज दूल्हे विकास ने दोस्तों को छोड़े बिना रस्में करने से इनकार कर दिया। जब यह बात दुल्हन को पता चली तो वह दुल्हन कोतवाली पहुंच गई और पुलिस से बरातियों को छोड़ने की मिन्नत की। कहाकि उसके दूल्हे के पिता नहीं है जो साथी आए है वह उसके भाई की तरह है।

लोगों पर हमला तो जानवरों को शिकार बना रहे तेंदुए

अमरोहा, 10 जून। अमरोहा जिले में 20 से ज्यादा तेंदुए का कुनबा है। कभी लोगों पर हमला कर रहे हैं तो कभी जानवरों को शिकार बना रहे हैं। पिछले तीन सालों में पांच से ज्यादा तेंदुए और 10 शावक मिले हैं। आपसी लड़ाई और ग्रामीणों के हमले में चार तेंदुओं की मौत हो चुकी है। वन विभाग के पास तेंदुआ पकड़ने के लिए पिंजरा तो है, लेकिन ड्रोन कैमरे, ट्रेडिंग डिवाइस और प्रशिक्षित टीमों को जरूरत पड़ने पर बाहर से बुलाया जाता है। यही वजह है कि तेंदुआ वन विभाग की पकड़ में नहीं आता है। पिछले कुछ दिन से मंडी धनौरा व नौगांवा क्षेत्र में लगातार तेंदुए दिखाई दे रहे हैं। एक सप्ताह पहले नौगांवा क्षेत्र के दाऊद सराय गांव के पास भट्ठे पर तेंदुआ देखा गया था। क्षेत्र के ही अलीपुर कलां गांव में भी तेंदुआ ने कुत्ते का शिकार बना लिया था। इससे पहले भी तेंदुए कई लोगों पर हमला कर घायल कर चुके हैं। करीब एक महीने पहले तेंदुए ने जिले के गांव देहरा कादर बक्श में ग्रामीण केसरी सिंह पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। चार मई 2024 को मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव महमदी में खेत आग जला रहे किसान हरि सिंह पर तेंदुए ने हमले की कोशिश की थी। ग्रामीणों ने तलाशी की तो खेत में दो शावक मिले थे। पांच सितंबर 2024 को आदमपुर गांव फरोट में घर में सोते समय माया देवी पर तेंदुए ने हमला कर दिया था। सात सितंबर 2024 को डिडौली कोतवाली क्षेत्र के पूरनपुर निवासी किसान राजवीर सिंह की पत्नी सर्वेश देवी खेत पर चारा लेने गई थी। सर्वेश देवी ने खेत के पास ही तेंदुए को बछड़े का शिकार करते देख था। तेंदुए ने बछड़े को गर्दन पर हमला कर मार डाला था। जिसे देखकर सर्वेश देवी बेहोश हो गईं थी। पास ही खेत पर काम कर रहे किसान नेपाल सिंह दौड़कर पहुंचे और सर्वेश देवी को उठाया था। पांच अक्तूबर 2024 को नौगांवा तगा गांव निवासी लियाकत के बेटे कासिम पर तेंदुए ने हमला कर दिया था। कासिम ने बाइक दौड़कर जान बचाई थी।

NAME CHANGE
I, SAKHUBAI is legally mother of No. JC 462619X Rank-NB/SUB Name-PAWAR RAVINDRA NARAYAN, R/VILL- AGHAR BK, POST-AGHAR BK, TEH- MALEGON, DIST-NASHIK, STATE- MAHARASHTRA, PIN-423201,have changed my name from SAKHUBAI to SAKHUBAI NARAYAN PAWAR and date of birth from 07/03/1952 to 01/01/1953 for all future purposes. Vide affidavit dated 10.06.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SAVITA is legally spouse of No. 2809990L Rank-L/HAV Name PAWAR DINESH NIVRUTTI, R/O VILL-LOHSHINGVE, POST-SHENIT, TEH-NASHIK, DIST-NASHIK, STATE - MAHARASHTRA, PIN-422502, have changed my name from SAVITA to SAVITA DINESH PAWAR for all future purposes. Vide affidavit dated 10.06.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, MANISHA is legally spouse of No. JC 462542A Rank-NB/SUB Name POL RAGHUNATH RAMAHARI, R/O VILL MARDI, POST MARDI, TEH-MAN, DIST SATARA, STATE -MAHARASHTRA, PIN-415508, have changed my name from MANISHA to MANISHA RAGHUNATH POL for all future purposes. Vide affidavit dated 10.06.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, ALKA is legally mother of No. 2811348H Rank-SEP Name-LOKHANDE MANISH SURESH, R/VILL-ASSEGAON BAZAR, POST-ASSEGAON BAZAR, TEH-AKOT, DIST -AKOLA, STATE-MAHARASHTRA, PIN-444101 have changed my name from ALKA to ALKA SURESH LOKHANDE for all future purposes. Vide affidavit dated 10.06.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Raghav tiwari S/O Anil kumar tiwari R/O D-127, Block-C, Express view apartment, Behind CNG Pump, Sector-105, Noida Maharishi nagar, Gautam Budhha Nagar, Uttar Pradesh - 201304 declare that name of my father has been wrongly written as Anil Tiwari in my 12th educational documents, the actual name of my father is Anil kumar Tiwari.

NAME CHANGE
It is for general information that I, POONAM DEVI W/o GAUTAM KUNWAR R/o Plot No. 5/9, Khasra No.749, Block-J, Saroop Nagar, Libas Pur, PO: Samai Pur, Dist.: North West Delhi, Delhi-110042 declare that name of mine has been wrongly written as POONAM in my minor son SHIVAM aged 14 years in his School Records. The actual name of mine is POONAM DEVI, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, VISHNU S/O MUKHTYARE R/O VILLAGE JOHRI, BARAUT (RURAL0), (NOW IN NAGAR), BARAUT, BAGHPAT, UTTAR PRADESH, 250611 have changed the name of my minor son LAKSHY aged 15 years and he shall hereafter be known as BALRAM.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, राजिंदेर पुत्र श्री प्रकाश और राधा धर्मपत्नी श्री राजिंदेर निवासी मकान नंबर B-565, गौतमपुरी, फेज-2, बदरपुर, साउथ दिल्ली, दिल्ली -110044 ने अपने पुत्र दीपक उम्र लगभग 33 वर्ष और उसकी पत्नी गौरी कुमारी उम्र लगभग 31 वर्ष को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उनसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उनसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Bharat Tiwari S/O Anil kumar tiwari R/O D-127, Block-C, Express view apartment, Behind CNG Pump, Sector-105, Noida Maharishi nagar, Gautam Budhha Nagar, Uttar Pradesh - 201304 declare that name of my father has been wrongly written as Anil Tiwari in my 10th and 12th class educational documents, the actual name of my father is Anil kumar Tiwari.

NAME CHANGE
I, NIRMA DEVI wife of No.14445862P, Rank-HAV Name-DAMOR MUKESH BHAI PRATAP BHAI residing at VPO-BHOJELA, TEHSIL-FATEHAPURA, DIST-DAHOD, GUJARAT-389190, have changed my name from NIRMA DEVI to DAMOR NIRMA DEVI MUKESHBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 10/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.14445862P, Rank-HAV Name-DAMOR MUKESH BHAI PRATAP BHAI legal father of CHANDNI KUMARI residing at VPO-BHOJELA, TEHSIL-FATEHAPURA, DIST-DAHOD, GUJARAT-389190, have changed my minor daughter's name from CHANDNI KUMARI to DAMOR CHANDANIKUMARI MUKESHBHAI for all future purposes vide affidavit dated 10/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-2611627K Rank-HAV Name-SHELAR SANDEEP BABA SAHEB father of RACHANA residing at 368 B VILL-SADAR BAZAR, PO-SATARA, TEH-SATARA, DISTT-SATARA, MAHARASHTRA-415001, have changed my minor daughter's name from RACHANA to RACHANA SANDEEP SHELAR for all future purposes vide affidavit dated 10/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
The general public is hereby informed my client Gauri Devi W/o Late Sh. Kailash Prasad Sahoo, R/o, H. No. F-3/696, Gali No. 8, Sangam Vihar, New Delhi 110062, has debarred/disowned their Son Dalip Kumar Sahoo and Daughter-in-law Puja Kumari from all their moveable and immoveable properties due to their misbehavior and disobedient attitude towards our clients. Now my client have no relation / connection with them, in future, my client shall not be responsible for their acts, deeds, things etc. if in future anybody dealing with them shall do so at his own risk and responsibility and my client shall not be held liable for the same.
Nancy Kumar Advocate
Ch.no 354, saket court
New delhi-110017

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJAN MISHRA S/O SHANKAR SHARAN MISHRA R/O- SANT SHREE ASHARAMJI ASHRAM, RAJOKARI, A F Rajokari, South West Delhi, Delhi- 110038, have changed my name and shall hereafter be known as RAJENDRA KUMAR MISHRA.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्री रणबीर सिहं पुत्र स्व0 श्री गुरमीत सिहं पता मकान नं0 ए-36, गली नं0 6, द्वारका मैट्रो के पास, सेवक पार्क, पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110059 ने अपनी पुत्री करन प्रीत कौर को उसके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त पुत्री नैतिक व अनैतिक कार्य करती है तो वह उसका स्वयं का जोखिम होगा इसमें मेरे मुविक्कल का कोई लेना देना नहीं होगा।
मनोज कुमार अधिवक्ता
चैम्बर नं0 639, जिला न्यायालय,
द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

PUBLIC NOTICE
Be it known to the public at large that my clients Raman Deep Singh Bhatia S/o late Narender Jeet Singh Bhatia and his wife Smt Raminder Kaur both r/o C-806, Shiksha Niketan, Near Doctor's Park, Sector-5, Vasundhara, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 have severed all their relations from their daughter Prabhnoor Kaur and they have disowned her from all their moveable and immoveable properties. Henceforth my clients shall not be responsible for any acts and deeds of their above named daughter and anyone dealing with her in any manner shall be doing so at his/her own risk and responsibility,
ANKIT DIXIT ADVOCATE
CHAMBER NO. X-1
CIVIL SIDE TIS HAZARI
COURTS,
DELHI-110054

NAME CHANGE
I, GOPESH KASHYAP S/O SHRIRAM KASHYAP R/O WZ-180A, HASTSAL ROAD, UTTAM NAGAR, WEST DELHI-110059,have changed the name of my minor son RANVEER KASHYAP aged 14 years and he shall hereafter be known as RANNVIRR KASHHYAP.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I was previously know as Preeti D/O Ram Achal, R/O, L-475, Mangol Puri, North West New Delhi-110083 and after undergoing Gender Transition therapy under the supervision of registered medical practitioner in Delhi, have change my gender as male, I henceforth be known as Pratik S/O Ram Achal, R/O, L-475, Mangol Puri, North West New Delhi-110083, It is certified that I have complied with other legal requirments in the connection. The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arise in this regards at any stage. I will be personally responsible for the same and the department of publication will not be liable as for any consequences arising therefore.

NAME CHANGE
I hitherto known as Pankaj Kumar Jayaswal S/O Bindra, R/O A7/200, Street No.7,A-Block, Brijpuri, Delhi, North East, Delhi - 110094, have changed my name and shall hereafter be known as PANKAJ JAISWAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as Janardan S/O: Ram Nain, R/O H No-230, C-Block, Pratap Nagar, Saboli Mandoli, Mandoli, North East Delhi, Delhi - 110093, Have changed my name and shall hereafter be known as PAWAN KUMAR.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanjivv Kapur alias Sanjeev kapoor S/O Sarwan Kumar Kapoor, R/O N-12, Ground Floor, Greater Kailash Part-1, PO: Greater Kailash, Sub District: Defence Colony, District: South Delhi, State: Delhi-110048, have changed my name and shall hereafter be known as SANJEEV KAPOOR .

NAME CHANGE
I, VISHAKHA D/O MUKESH KUMAR residing at J-141, FIRST FLOOR RIGHT SIDE VISHNU GARDEN, DELHI-110018 have changed my name to VISHAKHA AGGARWAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAJIJ S/O NANHE KHAN R/O HOUSE NO-781, JHEEL SCOOTER MARKET, JHEEL KHURANJA, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 , have changed my name to ABDUL AZIZ KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUDHIR KUMAR JAIN S/O SURESH CHAND JAIN residing at H NO-2211 G/F KUCHA ALAM KINARI BAZAR CHANDNI CHOWK DELHI-110006 have changed my name to SUDHIR JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ARUN KUMAR SINGH son of Shri GOPAL SINGH, residing at L-276, Dakshin Puri, Dr. Ambedkar Nagar, New Delhi-110062, have changed the name of my minor daughter NAVIKA SINGH aged 01 years and she shall hereafter be known as GARVITA SINGH.

NAME CHANGE
I, SYED AFZAL ALI S/O SYED ABID ALI R/O H NO 2980, GALI NAL WALI, SHAH GANJ CHOWK, AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to AFZAL ALI for all future purpose

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

NAME CHANGE
I, Pushpa Sharma alias Poonam Devi D/O Ramkishan W/O Adesh Sharma R/O- Pilkhuwa, Mandi Relewe Road , Pilkhua Dehat , Ghaziabad Uttar Pradesh -245304, have changed my name and shall hereafter be known as Poonam.

NAME CHANGE
I, PALLABI is wife of JC-812703P Rank-SUB Name – YOGENDRA SINGH TOMAR R/o VILL-PARTH KA PURA, PO-KHADIYAHAR, TEHSIL-AMBHA, DISTT-MORENA, MP-476554, have changed my name from PALLABI to PALLAVI TOMAR for all future purposes vide Affidavit Dated 10/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Tarawati W/O Ved Prakash R/O 605 , Radhyeshyam Park, Loni , Loni Dehat, Ghaziabad Uttar Pradesh - 201102, have changed the name of my minor Son Maayank aged 09 years and he shall hereafter be known as Kabir

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **सुशील कुमार पुत्रः** स्व. श्री केसो राम **पताः** मकान नंबर 453 गली नंबर 3, राज नगर लोनी गाजियाबाद उ.प्र. ने **FIR No. 424/2018, U/s 356/379/411/34 IPC थानाः मानसरोवर पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 424/2018, U/s 356/379/411/34 IPC थानाः मानसरोवर पार्क, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप
एलडी. जेएमएफसी-05
कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली
DP/7273/SHD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **सुशील कुमार** पुत्र केशोराम, निवासी- मकान नंबर 453, गली नंबर 3, राज नगर, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 41475/2018 धारा 379/411/34 भा.द.स, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार** फ़रार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **सुशील कुमार, ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 41475/2018 धारा 379/411/34 भा.द.स, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 10.07.2025 को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेश से
श्री राहुल सैनी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली
DP/7380/NE/2025

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mrs. Pushpa Devi Bharti and Mrs. Anamika Bharti, (3) Mr. Jagjiwan Kumar Bharti** are the owner of Property Bearing No. 11A, area measuring 855 Sq. Mtrs., i.e., 1022 Sq. Yds., on Road S-22, in the residential Colony known as DLF City (earlier Known as DLF Qutab Enclave Complex), Phase – III, Situated in and around Village Nathupur Tehsil & Distt. Gurgaon now Tehsil Wazirabad Distt. Gurgaon, Haryana. through Sale Deed dated 15.12.2023 as Doc No. 17739 executed by Mrs. Kirti Handa in favour of Mrs. Pushpa Devi Bharti **(50% Undivided Share)** and Mrs. Anamika Bharti **(25% Undivided Share),** (3) Mr. Jagjiwan Kumar Bharti (25% Undivided Share) in respect of said property.
Mrs. Pushpa Devi Bharti **(50% Undivided Share)** and Mrs. Anamika Bharti **(25% Undivided Share),** (3) Mr. Jagjiwan Kumar Bharti **(25% Undivided Share)** intends to transfer the ownership of above-mentioned Property by way of Sale Deed to **Mrs. Anjana Gupta.** Subsequently, **Mrs. Anjana Gupta** is in the process of mortgaging the said property with ICICI Home Finance Co. Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NEHA COONDOO D/o Shri SOMEN COONDOO and Ex. wife of Shri SIDDHARTH GULATI, residing at E-915, Block-E, Chittaranjan Park, Kalkaji, South Delhi, Delhi-110019, declare that I got divorce from my husband vide court decree No. HMA No.2122/2024 dated 12-12-2024. Further I have changed the name of my minor son SAMAR GULATI aged 02 years and he shall hereafter be known as SAMAR COONDOO.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RACHNA KHANDURI W/o ARVIND MOHAN R/o A-60/9, Gali No. 9, Near Naina Devi Mandir, A-North Block, West Vinod Nagar, Shakarpur, East Delhi, Delhi-110092, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as MANSI KHANDURI in my minor daughter namely MANSI aged 17 years in her 12th class Educational Documents. The actual name of my minor daughter is MANSI.

NAME CHANGE
I, NIRMALA KUMARI BATNA is wife of JC-390415M Rank-SUB Name–TIRUPATI RAO BATNA R/o 4-1-269, MAIN STREET, GEDELAVANI PETA, KAIM, AMADALAVALASA, DISTT-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532185, have changed my name from NIRMALA KUMARI BATNA to BATNA NIRMALA KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 10/06/2025 before Notary Public, Delhi.

बंदा सिंह बहादुर की वीरता और बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा : मोहन लाल बड़ौली

चंडीगढ़। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में सोनीपत में वीर सैनिकों के सम्मान में 'महान योद्धा बाबा बंदा सिंह बहादुर का बलिदान दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बाबा बंदा सिंह को पुष्पांजलि अर्पित उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने धर्म और राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान दिया। बाबा बंदा सिंह बहादुर का अद्वितीय बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। बड़ौली ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि यमुनानगर की पवित्र धरती पर सिख योद्धा बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की स्मृति में भव्य स्मारक और संग्रहालय का निर्माण भाजपा सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को उनके साहस, न्याय और बलिदान की गौरवगाथा से प्रेरित करेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा के लिए महान योद्धा बंदा सिंह बहादुर का बलिदान विलक्षण है। उन्होंने कहा कि वे बंदा सिंह ने मुगलों व अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी इस वीरता को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बाबा बंदा सिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

हिसार एयरपोर्ट : जल्द ही जयपुर, अहमदाबाद और जम्मू के लिए होंगी हवाई सेवाएं शुरू

हिसार। जल्द ही हिसार से जयपुर, जम्मू और अहमदाबाद के लिए भी हवाई सेवाएं शुरू होंगी। यह एयरपोर्ट विकास की गति पर तेजी से आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 साल में देश में 150 से ज्यादा एयरपोर्ट बने हैं। सोमवार को महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से चंडीगढ़ के बीच हवाई सेवा शुरू करने के दौरान ये बातें मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहीं। एयरपोर्ट परिसर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश को पहले हवाई अड्डे का उपहार दिया है। इसका विकास कराना प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा से चंडीगढ़ के शहीद भगत सिंह हवाई अड्डे के बीच शुरू हुई फ्लाइट का शुभारंभ किया। हिसार-चंडीगढ़ के बीच शुरू की गई इस सेवा की पहली फ्लाइट में सीएम खुद भी सवार हुए। उनके साथ कई मंत्री और विधायक भी चंडीगढ़ गए। विमान में 20 यात्री हिसार से चंडीगढ़ गए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी हरियाणा में आए थे। उन्होंने तीन तरह के घोड़े बताए। राहुल गांधी की तो तीन पीढ़ी लग गई, तब भी कांग्रेस का घोड़ा रेस में नहीं दौड़ पाया। कांग्रेस में तो सारे लंगड़े घोड़े ही हैं। बरात के घोड़े तो विधानसभा चुनाव में लोगों ने वापस भेज दिए।

रिश्वत लेते पकड़ा गया फूड इंस्पेक्टर, विजिलेंस ब्यूरो ने की कार्रवाई, रंगे हाथों किया गिरफ्तार

अंबाला। बराड़ा में विजिलेंस ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने खाद्य निरीक्षक मनोज कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई राशन डिपो एसोसिएशन बराड़ा के प्रधान मनजीत सिंह की शिकायत के आधार पर की गई। मनजीत सिंह ने अम्बाला विजिलेंस ब्यूरो को दी अपनी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी के नाम पर बराड़ा में एक सरकारी राशन डिपो है, जो जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, बराड़ा के नियंत्रण में संचालित होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य उप-निरीक्षक मनोज कुमार ने उन पर दबाव डालकर पहले 10 हजार रुपये की रिश्वत ली थी।मनजीत सिंह के मुताबिक मनोज कुमार ने उनसे फोन पर संपर्क कर मिलने के लिए बुलाया। मुलाकात के दौरान मनोज ने डिपो संचालन के लिए 6,600 रुपये अपने लिए और 20 हजार रुपये उच्च अधिकारियों के लिए बतौर कमीशन मांगा, यानी कुल 26 हजार 600 रुपये की रिश्वत की मांग की। बाद में यह राशि 21,000 रुपये पर तय हुई। मनजीत सिंह ने विजिलेंस टीम की मौजूदगी में मनोज कुमार को बराड़ा की मार्केट कमेटी में 21 हजार रुपये की रिश्वत दी। विजिलेंस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मनोज कुमार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल विजिलेंस ब्यूरो ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

आईटीआई महिला विंग में सत्र 2025-26 के लिए दाखिले आरंभ

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य के युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोडऩे के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला), गुरुग्राम में सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग एवं गैर-इंजीनियरिंग व्यवसायों में दाखिला प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इच्छुक पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन विभागीय वेबसाइट पर छह जून 2025 से 20 जून 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे। दाखिले से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, संस्थानों की सूची, उपलब्ध सीटों की जानकारी, एवं अन्य आवश्यक विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मेरिट सूची एवं सीट आवंटन से संबंधित संपूर्ण कार्यक्रम भी छह जून 2025 से वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

नई परियोजनाओं की योजना क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की आयोजित बैठक में सोनीपत महानगर क्षेत्र में बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 349.8 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। बैठक में हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक निखिल मदान, देवेन्द्र कादियान और कृष्ण गहलावत और मेयर राजीव जैन भी उपस्थित थे। प्राधिकरण की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम सोनीपत के नए भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण का कार्यालय नगर निगम भवन बनने के बाद उसमें स्थानांतरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नई

योजनाओं और परियोजनाओं की योजना क्षेत्र की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखकर बनाई जाए, ताकि विकास कार्यों से लोगों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि ठेकेदार तय समय सीमा के भीतर विकास कार्य पूरा करें और ऐसा न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण के तहत एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) की करी जाएगी स्थापना बैठक में प्राधिकरण ने सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में एक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) की स्थापना एवं निगरानी को मंजूरी प्रदान की। आईसीसीसी सोनीपत जैसे बढ़ते शहर में शहरी बुनियादी ढांचे और सेवाओं के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका केंद्र के रूप में काम करेगा। आईसीसीसी के प्रमुख घटकों में शहर-व्यापी निगरानी प्रणाली, स्मार्ट पार्कों और स्मार्ट सड़कों के लिए आईसीटी बुनियादी ढांचा, एक अनुकूलनीय यातायात नियंत्रण प्रणाली, यातायात प्रवर्तन प्रणाली, परिवर्तनशील संदेश संकेत, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और एक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली शामिल हैं। डीसीआरयूएसटी, मुरथल में 3 एमएलडी एसटीपी को 7.5 एमएलडी क्षमता में किया जाएगा अपग्रेड खाद्य क्षेत्र और उद्योगों में शहर के तेजी से विकास को देखते हुए, प्राधिकरण ने दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल में 3 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को एसबीआर (सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर) प्रौद्योगिकी पर आधारित 7.5 एमएलडी क्षमता वाले प्लांट में अपग्रेड करने को मंजूरी दी, जिसकी अनुमानित लागत 15.75 करोड़ रुपये है।

आदमपुर में अमृत योजना के तहत विकास कार्यों में तेजी, वर्ष अंत तक पूरी होंगी परियोजनाएं : रणबीर सिंह गंगवा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन व सड़कें) मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि आदमपुर क्षेत्र में अमृत योजना के तहत जारी सभी विकास परियोजनाएं इस वर्ष के अंत तक पूरी कर ली जाएंगी। इससे क्षेत्रवासियों को शहरी तर्ज पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जिला हिसार में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में मंत्री गंगवा ने सीवरेज और पेयजल आपूर्ति से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग तथा मार्केटिंग कमेटी के तहत चल रहे कार्यों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जबकि एचएसवीपी से संबंधित कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पाइपलाइन बिछाने के कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने और सभी विकास कार्यों को तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार विकास कार्यों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री गंगवा ने अधिकारियों से अधूरी परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक के बाद मंत्री ने मौके पर मौजूद आमजन की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित विभागों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हरियाणा विधान सभा की मेजबानी में होगा राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन, तैयारियों को अंतिम रूप

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियों की कमान संभाल ली है। विधानसभा सचिवालय में प्रदेश सरकार और विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने सभी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह महत्वपूर्ण सम्मेलन जुलाई के पहले सप्ताह में गुरुग्राम में आयोजित होना प्रस्तावित है, जिसकी मेजबानी हरियाणा विधानसभा कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय महत्व के इस आयोजन को सफल बनाना सभी की साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक राष्ट्र, एक विधायिका' के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस मंच से शहरी स्थानीय निकायों की देश के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना का रोडमैप तय होगा। हाल ही में पटना में संपन्न पीठासीन अधिकारियों के अखिल

भारतीय सम्मेलन में भी इस संकल्प को दोहराया गया था।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह हरियाणा के लिए गौरव की बात है कि इतने बड़े उद्देश्य से जुड़े पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर मिला है। इस आयोजन के माध्यम से शहरी निकायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक नई शुरुआत होगी। साथ ही हरियाणा की विधायिका की कार्य प्रणाली और प्रदेश के मेहमाननवाजी की मिसाल देशभर में प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक वाई. एस. गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग, विधानसभा अध्यक्ष के सलाहकार राम नारायण यादव, हरियाणा विधानसभा के सचिव डॉ. सतीश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों का वेतन दिलाने को लेकर डीसी से की मुलाकात

एजेंसी

बहादुरगढ़। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल से मुलाकात की। चेयरपर्सन ने मुलाकात के दौरान डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल को पत्र देते हुए बताया कि नगर परिषद में ठेके पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के कारण उन्होंने हड़ताल कर रखी है जिसकी वजह से पूरे शहर की सफाई व्यवस्था पिछले सप्ताह से चरमराई हुई है। हड़ताल के कारण शहर में चारों तरफ गंदगी की ढेर लगे हुए हैं। चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल से मांग करते हुए कहा कि वे डीएमसी को पेमेंट अप्रूवल कमेटी की मीटिंग बुलाकर सफाई कार्य करने वाली संबंधित फर्म के बिल का भुगतान करने के निर्देश दे ।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीसी को बताया कि नगर परिषद बहादुरगढ की ठेके पर डोर-टू-डोर कार्यरत सफाई कर्मचारी एवं स्वीपींग के लिए कार्यरत फर्म के कर्मचारी दिनांक 3 जून से हडताल पर बैठे हुए है जिनकी मुख्य माग उनका 3 माह

का बकाया वेतन है। जिस बारे फर्म द्वारा बताया गया है कि उनके बिल परिषद स्तर पर भुगतान के लिए लंबित है। इस मामले में उन्होंने नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय के पत्र क्रमाक 2422 दिनांक 06.05.2025 क्रमांक 2842 दिनांक 04.06.2025 के माध्यम से डीएमसी से पेमेंट अप्रूवल कमेटी की मीटिंग बुलाने का अनुरोध किया गया था पर डीएमसी द्वारा पेमेंट अप्रूवल कमेटी की कोई भी मीटिंग नही बुलाई गई। चेयरपर्सन ने डीसी को बताया कि वर्तमान में कर्मचारियों की हड़ताल से बहादुरगढ़ शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। शहर में कुडा उठान ना होने से शहर में कूड़े के ढेर लग गये है जिससे किसी भी प्रकार की महामारी फैलने का अन्देशा है इसलिए डीएमसी को पेमेंट अप्रूवल कमेटी की मीटिंग बुलाकर सफाई कार्य करने वाली फर्म के बिल का भुगतान करने के निर्देश दिए जाए जिससे कि यह हड़ताल समाप्त हो सके और शहर में सफाई व्यवस्था फिर से सुचारू रूप से शुरू हो सके।

जुलाई के पहले सप्ताह में बड़े स्तर पर शुरू होगा पौधारोपण कार्य

एजेंसी

गुरुग्राम। एक पेड़-मां के नाम 2.0 अभियान के अगले चरण की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे पौधों की डिमांड शीघ्र वन विभाग को भेजें, ताकि समय रहते पौधों का आवंटन सुनिश्चित किया जा सके। डीसी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि हर विभाग को अपने परिसरों और अधीनस्थ क्षेत्रों में उपयुक्त स्थान चिह्नित कर वहां के अनुसार पौधों की मांग भेजनी चाहिए। इससे पहले चंडीगढ़ से मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर अभियान की तैयारियों की समीक्षा की थी। मुख्य सचिव ने

निर्देश दिए थे कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें और जिलों में बड़े स्तर पर पौधारोपण सुनिश्चित किया जाए। डीसी अजय कुमार ने बैठक में विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, खेल, कृषि, सिंचाई, बागवानी, पुलिस, पंचायत, लोक निर्माण आदि विभागों को इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और देखभाल की भी जिम्मेदारी तय की जाए। इस बार लगाए जाने वाले सभी पौधों की जियो टैगिंग की जाएगी, ताकि निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान को मनरेगा, जलशक्ति अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, नेशनल ग्रीन हाइवे मिशन और इको क्लब जैसी विभिन्न योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा, जिससे इसका प्रभाव और अधिक व्यापक हो। इस मौके पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले में इस चरण में बड़ी संख्या में पौधे तैयार किए जा चुके हैं। साथ ही, विभाग द्वारा जिले में पौधारोपण की समग्र योजना तैयार की जा रही है, जिसके अंतर्गत नर्सरियों में पौधों का उत्पादन जारी है।

बीजेपी की घटिया पोर्टल सेवा से विद्यार्थी, अभ्यार्थी और लाभार्थी समेत हर वर्ग परेशान : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में बीजेपी की नहीं, बल्कि पोर्टल की सरकार चल रही है। ऐसा पोर्टल जिसका सर्वर हमेशा डाउन रहता है और जो जरूरत पड़ने पर कभी काम नहीं करता। इसके चलते विद्यार्थी, अभ्यार्थी और लाभार्थी समेत हर वर्ग परेशान है। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ऑनलाइन सुविधाओं की शुरुआत की थी। इसका मक़सद तमाम सरकारी विभागों व सेवाओं से लेकर पंचायतों तक को ऑनलाइन करके जनता को घर बैठे एक क्लिक पर सुविधाएं उपलब्ध करवाना था। लेकिन बीजेपी ने इन ऑनलाइन सेवाओं का पूरा सिस्टम ही उल्टा कर डाला। ऑनलाइन काम करवाने के लिए भी लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि एक तरफ जहां सीईटी के आवेदन और कॉलेज-विश्वविद्यालयों में दाखिलों का दौर चल रहा है। कई तरह के अन्य परीक्षाएं भी आयोजित होने वाली हैं। इसके लिए विद्यार्थियों व अभ्यार्थियों को तमाम दस्तावेज तैयार करवाने हैं। लेकिन ठीक उसी समय सरल पोर्टल ठप हो गया। इसकी 300 सेवाएं पूरी तरह बंद हो गईं। हैरानी की बात है कि जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों से जिंदा मां-बाप के मृत्यु प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं। लाखों युवा रोज सीईटी का आवेदन करने के लिए माथापच्ची कर रहे हैं, लेकिन कोई समाधान ही नहीं निकल रहा।

गुरुग्राम में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली से बढ़ा शहर का गौरव

पुलिस शहीद फाउंडेशन हरियाणा के कार्यक्रम में गुरुग्राम पुलिस कमिश्नरेट दिवस पर हुई सारगर्भित चर्चा

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस कमिश्नरेट दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित किया गया। इसमें पुलिस अधिकारियों, फाउंडेशन सदस्यों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद गुरुग्राम पुलिस ने कॉम्युनिटी पुलिसिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन हमारी क्षमता और जिम्मेदारी भी उसी अनुपात में बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पहले गुरुग्राम में केवल एसपी स्तर का एक अधिकारी तैनात होता था, परंतु जनसंख्या और ढांचागत विकास को देखते हुए सरकार ने कमिश्नरी लागू कर जिले को एक

सशक्त प्रशासनिक ढांचा प्रदान किया। आज गुरुग्राम में एक एडीजीपी स्तर के पुलिस कमिश्नर के साथ-साथ सात डीसीपी और लगभग 15 एसीपी तैनात हैं, जो कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध, ट्रैफिक प्रबंधन सहित अनेक क्षेत्रों में दक्षता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने गुरुग्राम को साइबर सिटी और मिलेनियम सिटी की उपाधि मिलने का श्रेय भी मजबूत कानून व्यवस्था और सतर्क पुलिसिंग को दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस शहीद फाउंडेशन हरियाणा के अध्यक्ष, एडवोकेट आर. एल. शर्मा ने कहा, आज के समय में पुलिस की भूमिका सिर्फ कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि आमजन के विश्वास को कायम रखना भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है। शर्मा ने कोरोना महामारी के दौरान पुलिस द्वारा निभाई गई अग्रणी भूमिका की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश लॉकडाउन में था, तब पुलिस ने योद्धा की भांति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और अपने मानवीय चेहरे से समाज को विश्वास दिलाया कि पुलिस हमेशा उनके साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष पूर्व 8 जून 2007 को गुरुग्राम में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की गई थी, जिससे पुलिस को न्यायिक और वित्तीय अधिकार प्राप्त हुए। साथ ही उन्होंने फाउंडेशन की ओर से यह भरोसा दिलाया कि पुलिस शहीद फाउंडेशन, वर्ष 2004 से निरंतर पुलिस कल्याण में संलग्न रहा है और भविष्य में भी सहयोग और समन्वय की भावना से कार्य करता रहेगा।

इस अवसर पर पुलिस शहीद फाउंडेशन हरियाणा के महासचिव दीपक मैनी, महिला विंग अध्यक्ष ऋतु कटारिया, कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश भारद्वाज, वरिष्ठ सदस्य राजकुमार त्यागी, बनवारी लाल शर्मा, प्रदीप मोदी, डॉ. अंशुल ढींगरा सहित अनेक समाजसेवी, उद्यमी, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि और फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे।

नाहरपुर कासन में सात दिन के भीतर सीवर लाइन का काम शुरू करने के दिए आदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर क्षेत्र के गांव नाहरपुर कासन में सात दिन के भीतर सीवर लाइन डालने का काम पूरा हो जाएगा। अगले 15 दिनों में सीवर लाइन को एसटीपी में जोड़ दिया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद गांव में सीवर के पानी की निकासी सुचारू रूप से होने लगेगी। यह आदेश निगमायुक्त आयुष सिन्हा ने दिए।

आयुक्त आयुष सिन्हा ने निगम अधिकारियों के साथ गांव नाहरपुर कासन का दौरा किया। ग्रामीणों व पार्षद के माध्यम से सीवर के गंदे पानी की निकासी न होने की शिकायत आयुक्त को मिली थी। आयुक्त ने अपने दौरे के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि सात दिन के भीतर गांव से निकलने वाली सीवर लाइन डालने का काम पूरा होना सुनिश्चित करें। इसके अलावा आईएमटी सेक्टर-6,7 में भरने वाले सीवर के गंदे पानी की निकासी का रास्ता भी जल्द ढूंढा जाए। इस पर निगम अधिकारियों ने आयुक्त को बताया कि सीवर लाइन डालने का काम मंगलवार से शुरू होगा। अगले 15 दिनों में सीवर लाइन डालकर जीएमडीए के एसटीपी में सीवर के पानी की

निकासी कर दी जाएगी। अधिकारियों ने आयुक्त को अवगत करवाते हुए कहा कि सीवर लाइन का काम पूरा होने से सेक्टर-81 चौक पर भरने वाले गंदे पानी से भी राहत मिलेगी। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी सीवर के मैन हॉल खुले न हों। इसके अलावा मानसून से पूर्व सभी सीवर, नालों और नालियों की सफाई भी पूरी हो। यदि मानसून में जलभराव हुआ तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा। इसके अलावा निगम क्षेत्र में पडऩे वाले जोहड़ों की सफाई व फॉगिंग भी करवाई जाए। इस मौके पर उनके साथ एक्सईएन मनदीप धनखड़, एसडीओ अनिल मलिक, जेई आसिफ खान सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हरियाणा में अभी गर्मी से नहीं मिलेगी राहतः सिरसा रहा सबसे गर्म, इस दिन से बदलेगा मौसम

एजेंसी

सोनीपत। मौसम हरियाणा में गर्मी से फिलहाल राहत की उम्मीद नहीं है। दो दिन और भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं। दिन व रात का तापमान दो से तीन डिग्री और बढ़ सकता है। तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए मौसम विभाग ने मंगलवार-ऑरेंज अलर्ट और उसके अगले दो दिन येलो अलर्ट जारी किया है। सिरसा राज्य का सबसे गर्म शहर रहा जहां दिन व रात का तापमान राज्य में सबसे अधिक रिकॉर्ड हुआ।

सिरसा रहा सबसे अधिक गर्म

सिरसा में दिन का तापमान 46.4 डिग्री और रात में 29.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान रहा। वहीं, चंडीगढ़, अंबाला, सिरसा और रोहतक में लू चली। मौसम विभाग के मुताबिक 13 जून की रात से राज्य के कुछ हिस्सों में मौसम में बदलाव आ सकता है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि अगले चार दिन और लू चलने की संभावना है। हरियाणा में पिछले तीन दिन से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सोमवार को राज्य के सभी जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। सबसे कम

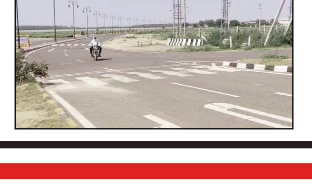

तापमान पंचकूला का रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के मुताबिक इस समय राज्य में उत्तर-पश्चिमी व पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जिससे तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना है। 13 जून तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहेगा। इस समयावधि के दौरान कुछ जगहों पर हल्के बादल और धूलभरी हवाएं भी चल सकती हैं। 14 जून को हवाओं की दिशा में बदलाव आने की संभावना है। इससे मौसम में बदलाव आने की संभावना है। चंडीगढ़ मौसम विभाग के मुताबिक सभी जिलों में आज और कल दो से तीन डिग्री तापमान और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऐसे में जरूरत होने पर ही घर से बाहर निकलें।

वित्त वर्ष 2024-25 में फार्मा कंपनियों ने अच्छा प्रदर्शन किया

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए एक रिपोर्ट बताती है कि फार्मा कंपनियों ने उम्मीद से अधिक अच्छा प्रदर्शन किया है। ब्रोकरेज द्वारा कवर की गई कंपनियों में दमदार सुधार देखने को मिला। इससे बाजार में अच्छी ग्रोथ देखी गई, जबकि अमेरिका में मिक्स्ड ट्रेंड दिखाई गई। रिपोर्ट के अनुसार सन फार्मा, `` सिप्ला, एब्बोट इं डिया जैसी कंपनियों को लॉन्ग टर्म निवेश के लिए टॉप पिक घोषित किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार फार्मा कंपनियों की कुल रेवेन्यू में सालाना आधार पर 11.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ऐ बिटा 15.6 फीसदी बढ़ा और मुनाफा 19 फीसदी की तेज़ ग्रोथ के साथ 133 अरब तक पहुंच गया। ये आंकड़े दिखाते हैं कि कंपनियों ने कठिन बाजार परिस्थितियों के बावजूद अच्छे नतीजे दिए हैं।

एक्मे सोलर की राजस्थान में 75 मेगावाट सौर क्षमता शुरू

नई दिल्ली।

एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने राजस्थान के सीकर में अपनी 300 मेगावाट की सौर परियोजना में से 75 मेगावाट क्षमता शुरू कर दी है। कंपनी ने बयान में कहा कि एक्मे सीकर सौर परियोजना में 165 मेगावाट क्षमता के चालू होने के बाद उक्त क्षमता को चालू किया गया। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने अपनी सीकर परियोजना में अतिरिक्त 75 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता चालू की है, जिससे कुल चालू क्षमता नियोजित 300 मेगावाट में से 240 मेगावाट हो गई है। इसके साथ ही कंपनी की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 2,806.4 मेगावाट हो गई है।

आगामी दिनों में 20 रुपए तक बढ़ सकते हैं सीमेंट के भाव

नई दिल्ली।

आगामी दिनों में सीमेंट के दाम में बढ़ोतरी के आसार` दिखाई दे रहे हैं। बाजार के जानकारों के मुतो बिक आगामी दिनों में सीमेंट के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है`` कि कंपे नियां सीमेंट के दाम को लेकर जून के ओ खिरी तक फैसला ले सकती है। बाजार के जानकारों की मानें तो भारत में सीमेंट का कारोबार जनवरी से जून तक चरम में रहता है। इस दौरान मांग के अनुसार उत्पादन भी चरम पर रहता है। वहीं, जूलाई से लेकर दिसंबर तक बारिश के दिनों में भवन निर्माण का काम मंदा रहता है। ऐसे में अनुमान है कि पूर्वी और दक्षिणी भारत की सीमेंट कंपनियां कीमतों में इजाफा कर सकती है। हालांकि, अप्रैल और मई में की गई कीमत वृद्धि का कुछ हिस्सा जून में वापस लिया गया, लेकिन जून में एक और बढ़ोतरी की कोशिश हो सकती है।

टीवीएस मोटर ने टीवीएस अपाचे आरटीआर200 4वी की पेश

चेन्नई।

दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी ने 2025 टीवीएस अपाचे आरटीआर 200 4वी मोटरसाइकिल श्रृंखला पेश की है। मोटरसाइकिल की नई श्रृंखला कंपनी की सभी डीलरशिप पर उपलब्ध है, जिसकी कीमत 1,53,990 रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) से शुरू होती है। यह ओबीडी2बी के अनुरूप है और उन्नत प्रौद्योगिकी, बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। अपाचे मोटरसाइकिल श्रृंखला के 20 साल पूरे होने के मौके पर इसे पेश किया गया। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रमुख ने कहा` कि टीवीएस अपाचे ब्रांड सिर्फ एक मोटरसाइकिल के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक अभियान है जिसने दो दशकों में 60 लाख से अधिक राइडर्स के जोशीले समुदाय को प्रेरित किया है।

आम इंसान की जरुरत से जुड़ा प्रोडक्ट बनने वाली कंपनी जल्द लाएगी आईपीओ

मुंबई।

आईकेयर प्रोडक्ट जैसे चश्मे, लेंस आदि बनाने वाली कंपनी लेंसकार्ट ने जल्द ही शेयर बाजार में उतरने को तैयार है। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने जल्द ही प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लांच करेगी।

कंपनी के बोर्ड ने 30 मई को बैठक में लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम बदलकर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड करने का विशेष प्रस्ताव पारित किया, साथ ही 1 अरब डॉलर (करीब 8,500 करोड़ रुपये) का आईपीओ लाने को भी मंजूरी दे दी। इस कदम से लेंसकार्ट का इरादा एक या अधिक भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होने का संकेत है।

हालांकि, कंपनी ने अभी तक इश्यू के आकार या समय का खुलासा नहीं किया है। अपनी फाइलिंग में लेंसकार्ट ने कहा कि नाम परिवर्तन से प्रस्तावित सार्वजनिक पेशकश के साथ आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। बात दें कि साल 2008 में पीयूष बंसल, अमित चौधरी, नेहा बंसल और सुमीत कपाही ने लेंसकार्ट की शुरुआत की थी। लेंसकार्ट भारत का सबसे बड़ा ओमनी-चैनल आईवियर ब्रांड बन गया है, इसमें ऑनलाइन उपस्थिति के साथ-साथ 2,000 से अधिक रिटेल स्टोर भी खोले जा चुके हैं। कंपनी साल 2019 में यूनिकॉर्न क्लब में शामिल हुई और सॉफ्टबैंक, टेमासेक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीएआई), अल्फा वेव ग्लोबल, केकेआर, केदारा कैपिटल और टीपीजी जैसे प्रमुख निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। लेंसकार्ट ने जून 2024 में टेमासेक और फिडेलिटी से 20 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया था, जिससे कंपनी की वैल्यूएशन 5 अरब डॉलर (करीब 43 हजार करोड़ रुपये) को भी पार कर चुकी है। लेंसकार्ट के आईपीओ न केवल उपभोक्ता ब्रांडों के लिए निवेशकों की रुचि दिखेगी, बल्कि कंपनी के लंबे समय से बाजार में प्रवेश करने की कोशिशों को भी नया आयाम मिलेगा।

जीवन बीमा कंपनियों का नए प्रीमियम संग्रह 11 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में जीवन बीमा कंपनियों ने नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जीवन बीमा परिषद ने हाल ही में जारी आंकड़ों में बताया कि मई 2025 में नए व्यवसाय से प्रीमियम संग्रह में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नए व्यवसाय से प्रीमियम आय मई 2025 में बढ़कर 30,463 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 27,034 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों में संग्रह सालाना आधार पर 47,293 करोड़ रुपये से बढ़कर 52,427 करोड़ रुपये हो गया। मई 2025 में संयुक्त व्यक्तिगत प्रीमियम संग्रह में 3.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बताया गया है कि जीवन बीमा उद्योग में व्यक्तिगत एकल प्रीमियम में सालाना आधार पर 5.21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह मई 2025 में 3,525 करोड़ रुपये रहा। देश की प्रमुख जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का नए व्यवसाय से प्रीमियम मई 2025 में 10.27 प्रतिशत बढ़कर 18,405.04 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 16,690.39 करोड़ रुपये था।

भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में कोई गिरावट नही: गोयल

बर्न।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में कोई गिरावट नहीं है, हालांकि आवधिक उतार–चढ़ाव कभी–कभी वैश्विक ब्याज दर में बदलाव के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में नए सिरे से विदेशी पूंजी प्रवाह देखने को मिला है। साथ ही सरकार सुझावों के लिए तैयार है और देश में एफडीआई को बढ़ावा देने के लिए नए उपायों को अपनाएगी। गौरतलब है कि पिछले 11 वित्त वर्ष (2014–25) में भारत ने 748.78 अरब अमेरिकी डॉलर के एफडीआई को आकर्षित किया, जो पिछले 11 वर्ष (2003–14) में 143 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसके अतिरिक्त एफडीआई के स्रोत देशों की संख्या 2013–14 में 89 से बढ़कर 2024–25 में 112 हो गई, जो भारत की बढ़ती वैश्विक अपील को निवेश गंतव्य के रूप में दर्शाती है। गोयल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि इन आंकड़ों को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि कोई गिरावट की प्रवृत्ति है, समय–समय पर कुछ बदलाव हो सकते हैं और ऐसा अन्य देशों में ब्याज दर चक्रों में बदलाव के कारण होता है। इसलिए यदि कुछ देशों में बॉण्ड प्रतिफल अधिक हो जाता है, तो पैसा उन देशों में प्रवाहित होता है। हमने एक बार फिर भारत में पैसा वापस आते देखा है।' उन्होंने कहा कि 2024–25 में भारत को कुल 81 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। गोयल ने कहा कि 81 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ भारत एफडीआई वृद्धि के पथ पर वापस आ गया है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को सपाट बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबार दिन वैश्विक बाजारों से` मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में मुनाफावसूली हावी रहने से उतार-चढ़ाव का माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 53 अंक टूटकर 82,391.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 1 अंक की तेजी के साथ ही 25,104.25 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, डॉ रेड्डीज लैब्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे। बाजार में आज आईटी और फार्मा शेयर्स में बढ़त रही। वहीं रियल्टी और सरकारी बैंकों के शेयर में गिरावट देखने को मिली।

कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक में 0.5-0.5 फीसदी की गिरावट आई, जबकि आईटी, मेटल, मीडिया में 0.5-2 फीसदी की बढ़त रही। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में सपाट कारोबार हुआ। जबकि अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता से आशावाद और आरबीआई से समर्थन के संकेत मिले। क्षेत्रीय मोर्चे पर, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जबकि ऑटो, आईटी, मीडिया, मेटल और तेल एवं गैस सेक्टर में बढ़त रही। जिससे व्यापक बाजार को समर्थन मिला है। .

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ 82,643.73 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 81.41 अंक की बढ़त लेकर 82,526.62 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,196.05 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 20.60 अंक की बढ़त लेकर 25,136 पर कारोबार कर रहा था।

इस बीच अमेरिका-चीन ट्रेड वार्ता, वैश्विक बाजारों के संकेत तथा विदेशी निवेशकों का रुख आज बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और बीएसई सेंसेक्स के मूड को तय करने वाले अहम कारक होंगे। इससे पहले सोमवार को बाजार लगातार चौथे सेशन में बढ़कर बंद हुए।

वहीं ऐ शियाई बाजार- एशियाई बाजारों में मंगलवार को हल्की तेजी देखने को मिली। निवेशक अमेरिका और चीन के बीच चल रही ट्रेड बातचीत पर नजर बनाए हुए हैं, जो दूसरे दिन भी जारी रहेगी। इस बीच जापान का निक्केई इंडेक्स 0.5 फीसदी चढ़ा, टॉपिक्स इंडेक्स में 0.2 फीसदी की तेजी आई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.3 फीसदी ऊपर रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.49 फीसदी चढ़ा। अमेरिकी बाजार–वहीं अमेरिकी शेयर बाजार के फ्यूचर्स मंगलवार सुबह एशियाई ट्रेडिंग के दौरान सपाट नजर आए क्योंकि निवेशक ट्रेड वार्ता से जुड़ी और स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। सोमवार को वॉल स्ट्रीट मिला-जुला रहा। एसएंडपी 500 में 0.09 फीसदी की हल्की तेजी आई, नैस्डैक 0.31 फीसदी चढ़ा, जबकि डाओ जोन्स लगभग सपाट रहा और हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सोना 96,500 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी लगभग 1,06,600 रुपए

नई दिल्ली।

सोने-चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 573 रुपये की गिरावट के साथ 96,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,173 रुपये था। इस समय यह 689 रुपये की गिरावट के साथ 96,494 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट362 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,725 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,07,087 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 477 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,610 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा में गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,346.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,354.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 28.40 डॉलर की गिरावट के साथ 3,326.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल

टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.89 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.79 डॉलर था। इस समय यह 0.20 डॉलर की गिरावट के साथ 36.59 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.97 डॉलर के भाव पर दिन के और इस साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए।

भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए तक संभव

स्टारलिंक की सेवा एक से दो महीने में शुरू होगी

नई दिल्ली।

स्टारलिंक भारत में जल्दी ही सेवाओं की शुरुआत करने वाली है। भारत में स्टारलिंक के डिवाइस की कीमत 33,000 रुपये तक संभव है। सूत्रों के मुताबिक देश में स्टारलिंक की सेवाएं अगले 1–2 महीने में शुरू हो सकती हैं। इसका असीमित डाटा प्लान 3000 रुपए से शुरू होगा। यही नहीं डिवाइस के साथ एक महीने का मुफ्त ट्रायल भी उपलब्ध होगा। स्टारलिंक से दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की पहुंच संभव होगी। अन्य देशों की बात करें तो बांग्लादेश में स्टारलिंक का न्यूनतम प्लान 2900 रुपए का है। यहां कंपनी 3000 में असीमित डाटा दे रही है। वहीं बांग्लादेश में स्टारलिंक डिवाइस की कीमत 33,000 हजार रुपए है। इसी तरह भूटान में भी डिवाइस की कीमत 33,000 रुपए है। भूटान में असीमित डाटा पैक 3000 रुपए का है। स्टारलिंक को भारत में सेवा देने के लिए दूरसंचार विभाग का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस मोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, इन–स्पेस की स्वीकृति का इंतजार है।

भारत बना साउथ ईस्ट एशिया का नया टूरिज्म हॉटस्पॉट

कई देशों ने वीजा नियम किए आसान

नई दिल्ली।

दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अब भारतीय पर्यटकों को लुभाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, इंडोनेशिया और म्यांमार जैसे देशों ने वीजा नियम आसान करने, प्रमोशनल कैंपेन चलाने और भारतीयों के लिए खास ट्रैवल पैकेज लॉन्च करने जैसे कई कदम उठाए हैं। एक वैश्विक यात्रा डाटा कंपनी के मुताबिक, मार्च 2025 तक की तय की गई उड़ानों के आंकड़े बताते हैं कि भारत और इन छह देशों के बीच सीटों की कुल उपलब्धता में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। साल 2025 में इन देशों और भारत के बीच कुल 10.8 मिलियन सीटें उपलब्ध होंगी, जो 2024 में मौजूद 9.35 मिलियन सीटों की तुलना में बड़ी छलांग है। यह आंकड़ा न केवल एक नया रिकॉर्ड है, बल्कि यह कोविड-19 से पहले यानी 2019 की तुलना में भी 29 फीसदी अधिक है। थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देश अब भी हवाई यात्रा की सीट क्षमता के लिहाज से भारतीय यात्रियों की शीर्ष पसंद बने हुए हैं, लेकिन वियतनाम ने हाल के वर्षों में जबरदस्त बढ़त दर्ज की है। साल 2024 में भारत से वियतनाम जाने वाले यात्रियों की संख्या 2019 की तुलना में करीब तीन गुना हो गई है। इसके

साथ ही 2025 में भारत-वियतनाम के बीच उड़ानों की निर्धारित सीट क्षमता 20 फीसदी बढ़कर 9 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। वियतनाम एयरलाइंस और वियतजेट ने इस मौके का तेजी से लाभ उठाया है और भारत-वियतनाम रूट पर अच्छी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। 2019 तक वियतनाम के लिए भारत एक प्रमुख स्रोत देश नहीं था, लेकिन 2024 में भारत वियतनाम का छठा सबसे बड़ा सोर्स मार्केट बन गया है।

पेंसिल्वेनिया में डेटा सेंटर पर 20 अरब डॉलर खर्च करेगी अमेजन

हैरिसबर्ग।

अमेरिका की बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन पेंसिल्वेनिया में दो डेटा सेंटर परिसरों पर 20 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा` कि इसमें से एक परिसर को उस परमाणु ऊर्जा संयंत्र के साथ बनाया जा रहा है जो ऊर्जा संयंत्र से सीधे जुड़ने की व्यवस्था को लेकर संघीय जांच के घेरे में है। अमेजन की क्लाउड कंप्यूटिंग अनुषंगी कंपनी अमेजन वेब सर्विसेज के वैश्विक डेटा सेंटर के उपाध्यक्ष केविन मिलर ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि कंपनी फिलाडेल्फिया के ठीक उत्तर में एक और डेटा सेंटर परिसर का निर्माण करेगी। बयान में कहा गया है कि एक डेटा सेंटर उत्तरपूर्वी पेंसिल्वेनिया के सुस्केहाना परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास बनाया जा रहा है, जहां से इसे बिजली प्राप्त करने का इरादा है। दूसरा फेयरलेस हिल्स में एक लॉजिस्टिक्स कैंपस, कीस्टोन ट्रेड सेंटर में होगा जो कभी यूएस स्टील मिल हुआ करता था। अमेजन ने कहा कि डेटा सेंटर को बिजली ग्रिड के माध्यम से बिजली मिलेगी। गौरतलब है कि कंपनी ने 2024 की शुरुआत से मिसिसिपी, इंडियाना, ओहियो और उत्तरी कैरोलिना में डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए लगभग 10-10 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जतायी है। कंपनी का लक्ष्य कृत्रिम मेधा उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अन्य प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ

प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपनी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। वहीं बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने पेंसिल्वेनिया में बंद पड़े थ्री माइल आइलैंड परमाणु ऊर्जा संयंत्र के मालिक के साथ एक पहले ही समझौता किया है।

भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में कोई गिरावट नहीं: गोयल

बर्न।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में कोई गिरावट नहीं है, हालांकि आवधिक उतार-चढ़ाव कभी-कभी वैश्विक ब्याज दर में बदलाव के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में नए सिरे से विदेशी पूंजी प्रवाह देखने को मिला है।

साथ ही सरकार सुझावों के लिए तैयार है और देश में एफडीआई को बढ़ावा देने के लिए नए उपायों को अपनाएगी। गौरतलब है कि पिछले 11 वित्त वर्ष (2014-25) में भारत ने 748.78 अरब अमेरिकी डॉलर के एफडीआई को आकर्षित किया, जो पिछले 11 वर्ष (2003-14) में 143 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसके अतिरिक्त एफडीआई के स्रोत देशों की संख्या 2013-14 में 89 से बढ़कर 2024-25 में 112 हो गई, जो भारत की बढ़ती वैश्विक अपील को निवेश गंतव्य के रूप में दर्शाती है। गोयल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा` कि इन आंकड़ों को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि कोई गिरावट की प्रवृत्ति है, समय-समय पर कुछ बदलाव हो सकते हैं और ऐसा अन्य देशों में ब्याज दर चक्रों में बदलाव के कारण होता है। इसलिए यदि कुछ देशों में बॉण्ड प्रतिफल अधिक हो जाता है, तो पैसा उन देशों में प्रवाहित होता है। हमने एक बार फिर भारत में पैसा वापस आते देखा है।' उन्होंने कहा कि 2024-25 में भारत को कुल 81 अरब अमेरिकी डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। गोयल ने कहा कि 81 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ भारत एफडीआई वृद्धि के पथ पर वापस आ गया है।

सरकार ने कृषि वस्तुओं को तीन श्रेणियों में बांटा

नई दिल्ली।

भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत कृषि वस्तुओं पर अपनी बातचीत में लक्ष्मण रेखाएं खींच दी हैं। इसके तहत भारत ने अपने कृषि उत्पादों को तीन श्रेणियों में बांट` दिया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि पहली श्रेणी में उन वस्तुओं को रखा गया है जिन पर कोई बातचीत नहीं हो सकती जबकि दूसरी श्रेणी में अत्यधिक संवेदनशील वस्तुओं को और तीसरी श्रेणी में उदारतापूर्वक विचार की जाने वाली वस्तुओं को रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह वर्गीकरण वस्तुओं की आर्थिक एवं राजनीतिक संवेदनशीलता के आधार पर किया गया है। चावल और गेहूं जैसी मुख्य खाद्य वस्तुओं को पहली श्रेणी में रखा गया है जहां शुल्क में किसी भी तरह की रियायत पर विचार नहीं किया जा सकता है। काफी संवेदनशील वस्तुओं सेब आदि को रखा गया है जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों के किसानों के हितों से जुड़े हैं। इस श्रेणी की वस्तुओं पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) अथवा शुल्क दर कोटा के जरिये सीमित रियायतें दी जा सकती हैं। मगर भारत के अमीर लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली महंगी वस्तुओं के आयात के मामले में सरकार उदार रुख अपना रही है जहां शुल्क में भारी छूट दी जा सकती है। इस श्रेणी में बादाम, पिस्ता, अखरोट, ब्लूबेरी आदि वस्तुएं शामिल हैं। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर इस साल के आखिर तक हस्ताक्षर करने की प्रतिबद्धता जताई है । मगर भारत 9 जुलाई से लागू होने वाले अमेरिका के 26 फीसदी के जवाबी शुल्क से बचने के लिए जल्द से जल्द इस समझौते पर हस्ताक्षर करने पर जोर दे रहा है।

भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर

ललित गर्ग

संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया।

भारतीय संत परम्परा और संत-साहित्य में संत कबीर एक महान् हस्ताक्षर, समाज-सुधारक, अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक एवं अनूठे संत हैं। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्त्रष्टा कहलाए।

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निगुर्णी चदरिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है।

हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम्‍ के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, संतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है।

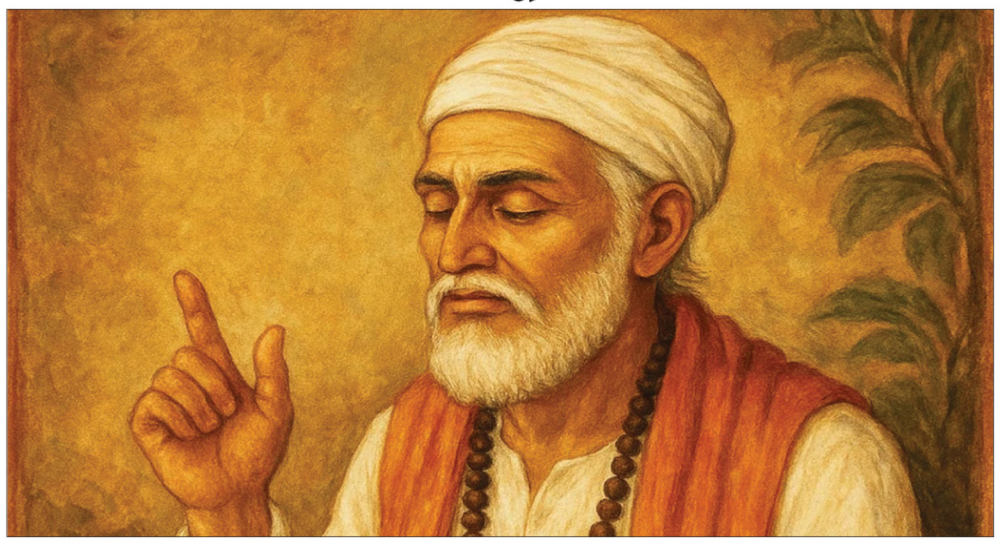

संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया। वे जाति-पांति के भेदभावों से मुक्त एक सच्चा इंसान, क्रांतिकारी संतपुरुष एवं अनूठे योगी थे। कबीर ने इन क्रांतिकारी शब्दों के जरिये पाखंडियों को किया था लहूलुहान-कबीर बानी अटपटी, सुनकर लागे आग। अज्ञानी जन जल मुए,ज्ञानी जाए जाग। कबीर की वाणी धधकती हुई आग के समान थी, जिस अग्नि में अज्ञानी और पाखंडियों का भस्म होना निश्चित है। संत सज्जन व्यक्तियों का जीवन सुसज्जित तथा उन्हें परम सत्य की प्राप्ति होना सुनिश्चित है। सत्य परम प्रकाश हमारे अंदर है जिसकी प्राप्ति संत कबीर जैसे महापुरुषों के ज्ञान से की जा सकती है।

महात्मा कबीर ने स्वयं को ही पग-पग पर परखा और निथारा। स्वयं को भक्त माना और उस परम ब्रह्म परमात्मा का दास कहा। वह अपने और परमात्मा के मिलन को ही सब कुछ मानते। शास्त्र और किताबें उनके लिये निरर्थक और पाखण्ड था, सुनी-सुनाई तथा लिखी-लिखाई बातों को मानना या उन पर अमल करना उनको गंवारा नहीं। इसीलिये उन्होंने जो कहा अपने अनुभव के आधार पर कहा, देखा और भोगा हुआ ही व्यक्त किया, यही कारण है कि उनके दोहे इंसान को जीवन की नई प्रेरणा देते थे। कबीर शब्दों का महासागर है, ज्ञान का सूरज हैं। उनके बारे में जितना भी कहो, थोड़ा है, उन पर लिखना या बोलना असंभव जैसा है। सच तो यह है कि बूंद-बूंद में सागर है और किरण-किरण में सूरज। उनके हर शब्द में गहराई है, सच का तेज और ताप है।

संत शिरोमणि कबीर सर्वधर्म सद्भाव के प्रतीक थे, साम्प्रदायिक सद्भावना एवं सौहार्द को बल दिया। उनको हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही संप्रदायों में बराबर का सम्मान प्राप्त था। दोनों संप्रदाय के लोग उनके अनुयायी थे। यही कारण था कि उनकी मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हिन्दू कहते थे कि उनका अंतिम संस्कार हिन्दू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। किंतु इसी छीना-झपटी में जब उनके शव पर से चादर हट गई, तब लोगों ने वहाँ फूलों का ढेर पड़ा देखा। यह कबीरजी की ओर से दिया गया बड़ा ही चमत्कारी और सशक्त संदेश था कि इंसान को फूलों की तरह होना चाहिए- सभी धर्मों के लिए एक जैसा भाव रखने वाले, सभी को स्वीकार्य। बाद में वहाँ से आधे फूल हिन्दुओं ने ले लिए और आधे मुसलमानों ने तथा अपनी-अपनी रीति से उनका अंतिम संस्कार किया। अध्यात्म के महासूर्य कबीर ने कहा है, ह्वबुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय। जो मन खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।ह्ल इस दोहे में कबीर ने बताया है कि व्यर्थ में हम किसी दूसरे में दोष क्यों ढूंढ़ने लगते हैं? हमें अपने अंदर झांक कर देखना चाहिए कि कहीं मुझमें कोई गलती तो नहीं।

'मसि-कागद' छुए बगैर ही वह सब कह गए जो श्रीकृष्ण ने कहा, नानक ने कहा, ईसा मसीह ने कहा और मुहम्मद साहब ने कहा। आश्चर्य की बात, अपने साक्ष्यों के प्रसार हेतु कबीर सारी उम्र किसी शास्त्र या पुराण के मोहताज नहीं रहे। न तो किसी शास्त्र विशेष पर उनका भरोसा रहा और ना ही उन्होंने जीवन भर स्वयं को किसी शास्त्र में बाँधा। कबीर ने समाज की दुखती रग को पहचान लिया था। वे जान गए थे कि हमारे सारे धर्म और मूल्य पुराने हो गए हैं। नई समस्याएँ नए समाधान चाहती हैं। नए प्रश्न, नए उत्तर चाहते हैं। नए उत्तर, पुरानेपन से छुटकारा पाकर ही मिलेंगे। कबीर भारत की उज्ज्वल गौरवमयी संत परंपरा में सर्वाधिक समर्पित एवं विनम्र संत हैं। वे गुरुओं के गुरु हैं, उनका फकडपन और पुरुषार्थ, विनय और विवेक, साधना और संतता, समन्वय और सहअस्तित्व की विलक्षण विशेषताएं युग-युगों तक मानवता को प्रेरित करती रहेगी।

संपादकीय

कब बुझेगी आग

मणिपुर में इम्फाल जिले के क्वाकेथेल सिंगजामेई में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई। तुलिहाल के उप-विभागीय कलेक्टर कार्यालय को जलाये जाने से सरकारी रिकॉर्ड नष्ट हुए और इमारत को भी नुकसान हुआ। मैतई संगठन अरम्बाई तेंगोल के नेता कानन सिंह समेत चार की गिरफ्तारी का बाद निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए रात भर मशाल जुलूस निकाला। महिला समूहों ने भी इस प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों की आवाजाही में अवरोधक बनाए, सड़कों पर मिट्टी के ढेर लगा दिए और जगह-जगह टायरों को जलाया। हिंसक होते प्रदर्शन को रोकने के लिए इम्फाल पश्चिम व पूर्व, थौबल, बिष्णुपुर, काकचिंग जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई। मई 2023 से मैतई और कुकी के दरम्यान चलल रही जातीय हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। राज्य विधानसभा के निलंबन के बाद से 13 फरवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन के अधीन है। स्थानीय जनता तत्काल सरकार के गठन की मांग कर रही है। सीबीआई विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के चलते गिरफ्तारियां भी कर रही है। केंद्र द्वारा जून 2023 में तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उसी साल अगस्त में सबसे बड़ी अदालत ने राज्य की संवैधानिक मशीनरी के पूरी तरह ध्वस्त होने की बात भी की थी। बावजूद इसके केंद्र सरकार का रवैया मणिपुर को लेकर बेहद शर्मनाक है। बेघर हो रही स्थानीय जनता आस-पास के राज्यों में पलायन करे मजबूर है। रोजगार संकट बढ़ता ही जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था चरमारा चुकी है। कुकी और मैतई संघर्ष नया नहीं है मगर उसे सुलझाने या शांत करने में केंद्र को जैसी महती भूमिका निभानी चाहिए। उसके प्रति वह उपेक्षा भाव अपनाए है। पूर्वोत्तर राज्यों का यह आरोप है कि उनको समुचित सम्मान नहीं दिया जाता और हमेशा उनके साथ पक्षपात भरा बर्ताव होता है। केंद्रीय गृहमंत्री के दौरे के बावजूद उम्मीद की जा रही थी कि प्रधानमंत्री वहां का दौरा करें मगर विपक्ष के लगातार कटाक्ष के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर की अशांति पर कभी विचार तक नहीं प्रकट किए। प्रदेशवासियों की संवेदनाओं का ख्याल रखते हुए शांति बहाली के प्रति कड़े कदम उठाने चाहिए। देश की अखंडता के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही गलत संदेश दे सकती है। जरूरी है, केंद्र को अपने रवैये में लचीलापन लाते हुए दूरदर्शितापूर्ण नजर आना होगा।

बच्चों के खेलने से उनका शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक विकास तेजी से होता है

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर भारत की संस्कृति और सभ्यता जिसमें बच्चों के पारंपरिक खेलों को भी शामिल किया गया है, को हजारों लाखों वर्षों पुरानी होने की बातें प्रिंट मीडिया में चलती रहती है, स्वाभाविक रूप से गिली-डंडा खो-खो, लंगडी, कांचे सहित अनेकों पारंपरिक खेल जो हमने अपने बचपन में खेले थे,वे कई पीढियां से चलते आ रहे हैं,जो आदि अनादि काल का ही होंगे। परंतु आज इनका वजूद शायद मिटने की ओर, यानें विलुप्तता की ओर बढ़ चला है, हालांकि कबड्डी व खो-खो को कुछ हद तक प्रतिसाद मिलते रहते हैं परंतु बाकी खेलों को शायद नहीं मिलता। मेरा मानना है कि जब हमारे माननीय पीएम व गृहमंत्री, आज जब मेडिकल से लेकर इंजीनियरिंग तक पढ़ाई मातृभाषाओं में लागू कर दिया है जिसका उल्लेख माननीय गृहमंत्री ने 9 जून 2025 को तमिलनाडु में एक संबोधन में भी किया। बोलचाल, उनकी लिपियों को संरक्षित रखने की शानदार शुरूआत कर चुके हैं तो, मेरी इस आर्टिकल के माध्यम से अपील है कि अनेकों पौराणिक खेलों की सूची बनाकर उनमें से उचित खेलों को राष्ट्रीय परिपेक्ष में कन्वर्ट करने का संज्ञान लेना समय की मांग है। वर्तमान डिजिटल युग में हम अपनी परंपराओं पौराणिक खेलो सभ्यता की विलुप्तता महसूस कर रहे हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि पूरी दुनियाँ 11 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मना रही है, यह दिवस दुनिया भर में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का प्रतीक है,क्योंकि खेल केवल मनोरंजन नहीं होता, बल्कि यह बच्चों को सहयोग,नेतृत्व,समस्या समाधान और रचनात्मकता जैसे जीवन के आवश्यक कौशल सिखाता है।तकनीक के बढ़ते प्रभाव और पढ़ाई के बढ़ते दबाव के कारण बच्चों का खेल समय सीमित होता जा रहा है। ऐसे में यह दिन सभी को याद दिलाता है कि खेल बच्चों के समग्र विकास के लिए उतना ही जरूरी है जितना कि शिक्षा। बच्चों को खेलने के लिए प्रोत्साहन देने उनको सुरक्षित करने इन खेलों का लाभ देने के लिए मनाया जाता है,जिससे बच्चों को शारीरिक मानसिक सामाजिक विकास पूरी गति के साथ हो सके इन पुराने खेलों को सुरक्षित कर उन्हें बढ़ावा देने के लिए एक सरकारी प्लेटफार्म बनाया जाए ताकि उनका लाभ बच्चों को दिया जा सके इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बच्चों के खेलने से उनके शारीरिक मानसिक तथा सामाजिक विकास में तेजी से बढ़ावा होता है।

साथियों बात अगर हम बच्चों के जीवन में खेलों के महत्व की करें तो,अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस हर वर्ष 11 जून को मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों के खेल के महत्व को उजागर करने और उनके शारीरिक,मानसिक तथा सामाजिक विकास में खेल की भूमिका को पहचानने के उद्देश्य से मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिन बच्चों को उनके बचपन का मूल अधिकार, खेल सुनिश्चित करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।खेल एक बेहतर दुनिया बनाता है।11 जून 2025 को मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस, खेल को संरक्षित करने, बढ़ावा देने और प्राथमिकता देने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, ताकि सभी लोग, विशेष रूप से बच्चे, इसके लाभों का लाभ उठा सकें और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें।महज मनोरंजन से परे, खेल सभी उम्र के लोगों द्वारा बोली जाने वाली एक सार्व भौमिक भाषा है, जो राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और सामाजिक- आर्थिक सीमाओं से परे है। यह साझा जुनून समुदाय और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देता है।यह व्यक्तियों में लचीलापन, रचनात्मकता और नवाचार को भी बढ़ावा देता है। विशेष रूप से बच्चों के लिए, खेल संबंध बनाने और नियंत्रण में सुधार करने, आघात से उबरने और समस्या- समाधान में मदद करता है। यह बच्चों को संज्ञानात्मक,शारीरिक, रचनात्मक, सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद करता है, जिनकी उन्हें तेजी से बदलती दुनिया में पनपने के लिए आवश्यकता होती है।खेलने के अवसरों को सीमित करना सीधे तौर पर बच्चे की भलाई और विकास में बाधा डालता है। शैक्षिक सेटिंग्स में, खेल-आधारित शिक्षा को छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए एक प्रभावी दृष्टिकोण के रूप में मान्यता दी गई है। यह सीखने को अधिक आनंददायक और प्रासंगिक बनाने में मदद करता है, जिससे प्रेरणा और जानकारी को बनाए रखने में वृद्धि होती है।इसके अलावा, खेल को सहिष्णुता, लचीलापन को बढ़ावा देने और सामाजिक समावेशन ,संघर्ष की रोकथाम और शांति निर्माण को सुविधाजनक बनाने पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाला माना जाता है । इसे मान्यता देते हुए, बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ने अनुच्छेद 31 के तहत खेल को हर बच्चे के मौलिक अधिकार के रूप में सुनिश्चित किया है ।यह अंतर्राष्ट्रीय दिवस वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर खेल के महत्व को बढ़ाने के लिए एक एकीकृत क्षण बनाता है। यह दुनिया भर में शिक्षा और सामुदायिक सेटिंग्स में खेल को एकीकृत करने के लिए नीतियों, प्रशिक्षण और वित्तपोषण के लिए आह्वान करता है।

साथियों बात अगर हम खेलों का बच्चों के जीवन में अतिमहत्वपूर्ण स्थान होने की करें तो, बच्चे खेल के माध्यम से सबसे अच्छा सीखतेहैं।खेल विकासके सभी क्षेत्रोंबौद्धिक सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक - में शक्तिशाली सीखने के अवसर पैदा करते हैं। खेल के माध्यम से, बच्चे दूसरों के साथ संबंध बनाना, नेतृत्व कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करना, लचीलापन विकसित करना, रिश्तों और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना और साथ ही अपने डर पर विजय प्राप्त करना सीखते हैं। जब बच्चे खेलते हैं, तो वे सुरक्षित महसूस करते हैं। बच्चे अपने आस-पास की दुनिया को समझने के लिए खेलते हैं।आम तौर पर,खेल बच्चों को कल्पना और रचनात्मकता को व्यक्त करने और विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जो कि प्रौद्योगिकी-संचालित और अभिनव दुनिया के लिए महत्वपूर्ण कौशल हैं जिसमें हम रहते हैं।चंचल बातचीत माता-पिता, देखभाल करने वालों और बच्चों के कल्याण और सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य में योगदान देती है। जब मानवीय संकट बच्चे की दुनिया को उलट-पुलट कर देते हैं, तो खेल के जरिए ही बच्चे प्रतिकूल अनुभव से सुरक्षा और राहत पा सकते हैं, साथ ही दुनिया के साथ अपने अनुभवों का पता लगाने और उन्हें संसाधित करने में भी सक्षम हो सकते हैं। जब बच्चों को युद्ध, संघर्ष और विस्थापन के कारण उनके घरों से निकाल दिया जाता है, तो माता-पिता/देखभाल करने वालों और साथियों के साथ पोषण संबंधों तक पहुँच हिंसा, संकट और अन्य प्रतिकूल अनुभवों के प्रभावों से महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच होती है। खेल बच्चों को आराम और सुकून देते हैं।माता-पिता/देखभालकताओं और बच्चों के बीच खेलपूर्ण बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकारों और अन्य हितधारकों को एक अनुकूल वातावरण बनाने की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम खेलों का महत्व व 2025 की थीम की करें तो, विज्ञानसतह पर, खेल ऐसा लग सकता है कि यह केवल मनोरंजन के लिए है, लेकिन शिशुओं और नन्हे बच्चों के लिए यह उससे कहीं ज्यादा है।

चिंतन-मनन

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें।

यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा।

राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

मोदी के 11 वर्षः जुमलों से हमलों तक

डॉ. घनश्याम बादल

वैसे तो नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2025 को 11 साल पूरे कर लिए थे, लेकिन अपने तीसरे कार्यकाल की शपथ उन्होंने 9 जून 2024 को ली इसलिए उनके तीसरे कार्यकाल की सरकार की वर्षगांठ 9 जून 2025 को मनाई गई। यदि कार्यकाल की दृष्टि से देखें तो नरेंद्र दामोदर दास मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने वाले दूसरे प्रधानमंत्री हैं। वहीं कार्यकाल की दृष्टि से वें तीसरे स्थान पर हैं और उनसे ऊपर केवल जवाहरलाल नेहरू एवं इंदिरा गांधी का कार्यकाल रहा है। वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से मोदी अपना तीसरा कार्यकाल भी सफलतापूर्वक पूरा करते दिखाई देते हैं तब वह कार्यकाल की दृष्टि से अपने इसी कार्यकाल में दूसरे स्थान पर आ जाएंगे। यदि मोदी का एक प्रधानमंत्री की दृष्टि से एक विवेचन किया जाए तो प्रधानमंत्री एवं सरकार के मुखिया के रूप में उनकी खूबियां और खामियां दोनों ही सामने आती हैं। 26 मई 2014 को पहली बार सांसद चुने जाने के बाद ही वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए जैसे पहली बार विधायक चुने जाने के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। अपने विशिष्ट अंदाज में उन्होंने संसद भवन की ड्योढ़ी पर माथा टेककर संसद में प्रवेश किया तो भावुक देश को बहुत आशाएं जगी थी। अपने पहले भाषण में भी मोदी ने देश को चुनाव में 'अच्छे दिनों' के वादे को पूरा करने का विश्वास दिलाया। साथ ही 'सबका साथ सबका विकास' का नारा देकर सारी राजनीतिक का कटुता भुलाकर देश के सवार्गीण विकास की बात की और खुद को प्रधानमंत्री के बजाय 'प्रधान सेवक' की संज्ञा दी तथा कहा कि वह एक शासक नहीं बल्कि 'चौकीदार' के रूप में देश के हितों की रक्षा करेंगे। मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में निराश ही नहीं किया और एक से बढ़कर एक अभिनव योजनाएं देश के सामने रखीं, जिनमें जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, महिला कल्याण व स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्होंने आम आदमी का दिल जीत लिया। अपने इस कार्यकाल में उन्होंने नोटबंदी तथा पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने जैसे कड़े निर्णय देकर दिखाया कि अपने संकल्प के पक्के हैं। उनकी राजनीतिक चतुराई के आगे विपक्षी पूरे कार्यकाल में एक संभ्रम की स्थिति में रहे और राहुल गांधी को तो उन्होंने इस तरह निशाने पर रखा कि वे कभी भी खुद को उनके प्रतिद्वंद्वी साबित नहीं कर पाए। और बचकाने शब्दों 'चौकीदार ही चोर है' या 'खून का सौदागर' कहकर राहुल और उनकी मां सोनिया दोनों फंसे रहे। ऐसा नहीं कि मोदी का यह कार्यकाल एकदम सफल ही रहा उसमें विपक्ष को आलोचना का भी पूरा मौका मिला। उनके 'अच्छे दिन' और 15 लाख रुपये हर भारतीय के खाते में आने की खूब मजाक बनी जिसे बाद में अमित शाह ने एक 'चुनावी जुमला' करार देकर जान छुड़ाई। उनका नोटबंदी से कालाधन व आतंकवाद नियंत्रण का पासा भी उल्टा पड़ा। 2019 में जब लोक सभा चुनाव की घोषणा की गई राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि आएंगे तो मोदी ही पर उनकी चमक और धमक दोनों कम होगी, लेकिन 'मोदी है तो मुमकिन है' और 'इस बार 300 पार' का नारा खूब चला और भारतीय जनता पार्टी को पहली बार अपने ही बलबूते पर बहुमत मिला। एनडीए की 353 सीटों उसका हिस्सा 303 पर पहुंच गया जो एक बड़ी उपलब्धि थी। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी का आत्मविश्वास आसमान छूता नजर आया। धारा 370 हटा दी गई, राम मंदिर का शिलापूजन हो गया, नागरिकता कानून संशोधन पास हो गया, पुलवामा में हुए हमले के बाद उन्होंने एक बार फिर पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक करने का साहस दिखाया, कृषि कानून, कोविड वैक्सीन मुफ्त राशन, मोबाइल अस्पताल और ताली थाली दीप आदि ने मोदी की लोकप्रियता को और भी बढ़ाया, लेकिन कोविड की दूसरी लहर में सारी व्यवस्था चरमरा गई लाखों मौत हुई, वैक्सीन बनाने में मानकों की अनदेखी महंगी पड़ी जो आज तक संदेह पैदा करती है। कृषि कानून, पर उन्हें यू टर्न लेना पड़ा बेरोजगारी व महंगाई बेकाबू हो गई दूसरे कार्यकाल में सरकार ने सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी संस्थाओं का इस्तेमाल विपक्षियों

को घेरने और कुचलने में किया। उन पर बड़बोलेपन का आरोप तो खैर अब तक लगता है। 2024 के चुनाव में भी मोदी 'वन मैन आर्मी' की तरह लड़े और तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भाजपा को सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में वापस लाने में कामयाब रहे भले ही सीटों की संख्या 303 से गिरकर केवल 240 रह गई। पहलगाम हमले के बाद जिस तरह का स्टैंड उन्होंने लिया उसकी उम्मीद पाकिस्तान को भी नहीं थी। दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने पाकिस्तान को गहरी चोट और सबक दिए हैं। हालांकि एकाएक किए गए युद्ध विराम ने मोदी सरकार को को सवालों ने घेर लिया है। राजनीति बहुत सारी करवटें लेगी। यह तो समय ही बताएगा कि 75 साल के होने जा रहे मोदी आदशरे के नाम पर संन्यास ले लेंगे या फिर कोई नया जुमला उछाल कर अपनी सर्वोच्चता बरकरार रखेंगे।

शरीर की गंध से छुटकारा

शरीर से पसीने की गंध अधिकाशंत दुर्गंध) आना एक आम समस्या है जिसका हल पाने के लिए भारतीय दुकानदारों ने अपनी दुकानों को तमाम भारतीय व इम्पोर्टेड ब्रैंड के डिओडरेट व एंटीपर्सपीरेट से भर दिया है। विज्ञापनों द्वारा इन उत्पादों की सिर्फ खूबियां दिखाना या बताया जाना तथा इनके कन्टेनर्स पर लिखी हुई अपर्याप्त व अधूरी जानकारी के कारण डिओडरेट व एन्टीपर्सपीरेट के विषय में बहुत सी गलत धारणाएं तथा परेशानियां जन्म ले चुकी है।

पसीना व गंध क्यों

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सी.पार्थसारथी के अनुसार, 'शरीर में पसीने का आना इस बात की निशानी है कि हमारा शरीर अत्यधिक उपजी ऊर्जा से छुटकारा पा रहा है। यह ऊर्जा उपपाचन या मांसपेशियों की मशक्कत द्वारा पैदा हुई होती है।' एक सामान्य वयस्क के शरीर में लगभग बीस लाख स्वेद ग्रंथियां होती हैं जो दो प्रकार की होती है- एक्रीन स्वेद ग्रंथियां व एपोक्रीन स्वेद ग्रंथियां। एक्रीन स्वेद ग्रंथियां शरीर के तापमान को नियंत्रित करती है और त्वचा की नमी भी इन्हीं ग्रंथियों के कारण बनी रहती है। सिर्फ होंठ व जननांगों के हिस्से में ये ग्रंथियां नहीं होतीं। त्वचा की निचली सतह पर होने वाली इन ग्रंथियों के कारण ही पसीना रोमछिद्रों के द्वारा त्वचा पर आता है। एपोक्रीन ग्रंथियां शरीर के हारमोन द्वारा नियंत्रित होती है। भावानात्मक तनाव से ये ग्रंथियां चेतन हो जाती हैं। शरीर में पसीने की दुर्गंध को जन्म देने वाली ग्रंथियां एपोक्रीन होती हैं जिनमें बैक्टीरिया पैदा हो जाते है।

दोनों अलग-अलग

पसीने की इसी गंध या दुर्गंध से छुटकारा दिलाने वाले बॉडी स्प्रे, डियोडरेट व एन्टीपर्सपीरेट लगभग एक ही उत्पाद की तरह माने जाते है जबकि सच यह है कि ये दोनों ही अपने विभिन्न रासायनिक प्रभावों के कारण अलग-अलग उत्पाद है। एन्टीपर्सपीरेन्ट शरीर में पसीना आने की प्रक्रिया तथा त्वचा के गीलेपन को कम करते है, डिओडरेन्ट का काम शरीर से गंध को दूर करना है। डिओडरेन्ट का जन्म इस तथ्य को जानने के बाद हुआ कि त्वचा के बैक्टीरिया शरीर की गंध पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से इन बैक्टीरिया के नाश किया जा सकता है।

एन्टीपर्सपीरेन्ट के प्रयोग से पसीना बाहर निकालने वाले छिद्र बंद हो जाते है जिससे पसीना कम बाहर आता है। एक धारणा के अनुसार एन्टीपर्सपीरेन्ट में पाए जाने वाले एस्ट्रीन्जेन्ट सॉल्ट त्वचा में सूजन पैदा कर छिद्रों को बंद होने के लिए मजबूर करते है। कुछ एन्टीपर्सपीरेट डियोडरेट युक्त भी होते है।

चुनते समय ध्यान रहे

एन्टीपर्सपीरेट व डियोडरेन्ट के शरीर पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए हो सके तो इनका प्रयोग न करे जब तक निहायत जरूरी न हो। शरीर के पसीने की गंध को बार-बार नहाने या पसीने वाली जगहों को अच्छी तरह पानी से धोने व पोंछने द्वारा नियंत्रित रखा जा सकता है। यदि आपको इनका इस्तेमाल जरूरी लगता हो तो सोचें कि आपको किस उत्पाद की जरूरत है। यदि शरीर में गंध एक समस्या है तो बैक्टीरिया नाशक डिओडरेंट का प्रयोग करे।

यदि अत्यधिक पसीना आना आपकी समस्या है तो एस्ट्रीन्जेन्ट सॉल्ट युक्त एन्टीपर्सपीरेन्ट को चुनें। जिन एंटीपर्सपीरेन्ट में एल्यूमिनियम क्लोरोहाइड्रेट होता है वे सुरक्षित व प्रभावी होते है। जिनमें एल्यूमिनियम क्लोराइड तथा जिरकोनियम कम्पाउंड होते है, उनके इस्तेमाल से दूर रहें- यह सलाह है त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. पार्थसारथी की।

ऐसे लेबल से प्रभावित न हों जिनमें एक प्रोडक्ट में दो एंटीपर्सपीरेट देने की बात कही गई हो। दो तत्व प्रभाव को नहीं बढ़ाते।

खतरे इनके प्रयोग के

एन्टीपर्सपीरेन्ट व डियोडरेन्ट में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक पदार्थ प्रायः बाद में बैन होते देखे गए है क्योंकि इनका प्रभाव शरीर पर हानिकारक देखा गया है। दरअसल ऐसे पदार्थ जो प्रभावशाली भी हों और सुरक्षित भी, बनते ही नहीं है। इसलिए इन उत्पादों के प्रयोग से निमन्लिखित हानिकारक प्रभाव हो सकते है-

त्वचा पर प्रतिकूल असर- इनमें पाए जाने वाले अमलीय पीएच एस्ट्रीनजेन्ट सॉल्ट त्वचा में जलन या चकत्ते पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से कान्टेक्ट डरमेटाइटिस नामक त्वचा संबंधी रोग भी हो सकता है। इनके लंबे प्रयोग से बगलों में ग्रैन्यूलोमा रोग भी हो सकता है।

आंखों की समस्या- इनके स्प्रे गलती से यदि आंखों में चले जाएं तो आंखों संबंधी रोग जैसे आई फ्लू, जलन आदि हो सकते है। यदि स्प्रे की मात्रा अधिक हो तो विजन भी खत्म हो सकता है।

कैंसर का खतरा -अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार एन्टीपर्सपीरेट में एल्यूमिनियम सॉल्ट का बेस नहीं होता, उनमें जिनकोनियम क्लोरोहाइड्रेट, जिरकोनिल क्लोराइड या जिंक फेनोसलफेट होता है। जिरकोनियम का सांस के साथ अंदर जाना कैंसर को जन्म दे सकता है। एन्टीपर्सपीरेट पसीना बाहर आने की क्रिया को अवरुद्ध कर, शरीर से बगलों, घुटनों के पीछे व कानों के पीछे वाले क्षेत्रों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ को शरीर के अंदर ही रहने देते है। इन जहरीले पदार्थों का अधिक जमाव उस क्षेत्र की कोशिकाओं को नष्ट कर कैंसर को जन्म देता है।

जहरीला ट्रिक्लोसन- डॉ. पार्थपारथी के अनुसार इन दो उत्पादों में एक नया रासायनिक तत्व ट्रिक्लोसन भी हो सकता है जो त्वचा के भीतर जाकर यकृत को नष्ट कर सकता है।

दागयुक्त कपड़े- एंटीपर्सपीरेट में पाया जाना वाला एल्यूमिनियम साल्ट पसीने के साथ मिलकर अधिक अम्लीय हो जाता है। इससे त्वचा में जलन तो पैदा होती ही है। साथ ही कपड़ों के रंग फेड हो जाते है और कपड़े कमजोर होकर जल्दी फटते है। सूती व लिनेन कपड़े एल्मूनियम सॉल्ट से जल्दी प्रभावित होते है।

महत्वपूर्ण टिप

एंटीपर्सपीरेट व डिओडरेन्ट को इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का अवश्य खयाल रखें जिससे उनसे होने वाले नुकसानों से बचा जा सकता है।

1. रात में इनका प्रयोग बिल्कुल न करे।
2. दिन में एक से अधिक बार इनका इस्तेमाल न करे। बहुत खास अवसरों पर ही एक से ज्यादा बार प्रयोग करे।
3. सर्दी में जब पसीना कम आता है, इनका प्रयोग न करे।
4. बच्चों पर इनका प्रयोग बिल्कुल न करे। जब आसपास बच्चे हों तो स्प्रे का प्रयोग न करे।
5. जब भी स्प्रे करे, अपनी आंखें बंद रखें और चेहरा दूसरी और घुमा लें।
6. जहां तक हो सके गर्मी के अनुकूल परिधान पहनें- अधिकांशतः सूती। ज्यादा बार नहाएं, अन्यथा बगलों को गीले कपड़े या टिशू से बार-बार पोंछें।

गर्मियों में भी निखरे रूप

उम्र बढ़ने के साथ स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइया और डार्क स्पॉट साफ नजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफ, चिकनी और गोरी नहीं रह जाती। उम्र के साथ मौसम का बदलाव भी त्वचा पर असर डालता है। गर्मियों में बहुत से लोग सनस्क्रीन क्रीम इस्तेमाल नहीं करते हैं जबकि सच यह है कि गर्म हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं और कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खासतौर पर इनका असर होता है। तो अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉइश्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, बल्कि नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। दो टेबलस्पून ओटमील में दो टेबलस्पून ब्राउन शुगर व एक चौथाई टी-कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें- चंदन पाउडर+नींबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऐसे दिखें फ्रेश

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

फैट्टी लेवल कम करेगा एलोवेरा जूस

- यदि कोई दवा पहले से ले रहे हों तो एक बार एलोवेरा लेने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें

- एलोवेरा में 75 एक्टिव विटामिन्स, मिनरल्स, एंजाइम्स, काबोहाइड्रेट्स, अमीना एसिड, सेलिसिलिक एसिड और फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं

- एलोवेरा की जैली में नींबू, पानी और थोड़ा सा शहद मिक्स कर के पीने से मोटापा कम होता है

अभी तक हम रोज सुबह उठकर घंटों जिम में पसीना बहा कर अपना वजन कम करने में लगे हुए थे। पर अब आपके सामने एक ऐसा उपाय आ गया है जो घर बैठे बिना पसीना बहाए आपका वजन कम कर सकता है। एलोवेरा जैल जो आपके वजन को लगाम लगाएगा। ऐलोवेरा बालों, चेहरे तथा शरीर के लिए भी काफी लाभकारी है। एलोवेरा जैल को आप पानी, जूस या उसकी स्मूदी बना कर दिन में कई बार पी सकते हैं। एलोवेरा कई पोषक तत्वों से भरा है। इसमें 75 एक्टिव विटामिन्स, मिनरल्स, एंजाइम्स, काबोहाइड्रेट्स, अमीना एसिड, सेलिसिलिक एसिड और फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। ये सभी चीजें आपका वजन बड़ी आसानी से और बिना पैसे खर्च किए कम करेंगी। अगर आप नियमित तौर पर एलोवेरा जूस का सेवन करेंगे तो आपका न केवल मोटापा घटेगा बल्कि शरीर की अन्य बीमारियां भी दूर हो जाएंगी। एलोवेरा लेने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें। यदि आप एलोवेरा को किसी दवा के साथ लेंगे तो क्या आपकी सेहत पर कोई उल्ट असर पड़ेगा, इन सब चीजों के बारे में डॉक्टर से जरूर पूछ लें।

ऐलोवेरा जूस के फायदे

1. एलोवेरा जूस और फल का रस : एलोवेरा को काट कर उसमें से जैल निकाल लें और उसमें अपने मन पसंद फल का रस मिला कर लें।

2. प्लेन एलोवेरा जैल और जूस : एलोवेरा को छील कर उसका जैल निकालें और उसे फ्रिज में आगे के इस्तमाल के लिए रख दें। आपको इसे हर सुबह खाने के 15 मिनट पहले इसका एक कप जूस पीना होगा। इस जूस को 1-2 हफ्तों तक पिएं। अगर चाहें तो एक चम्मच जैल को दिन में एक बार खा सकते हैं।

3. एलोवेरा और नींबू : एलोवेरा की जैली को एक गिलास में निकाल कर उसमें नींबू, पानी और थोड़ा सा शहद मिक्स कर के पी लें। नियमित रूप से पीने पर मोटापा कम होता है।

4. एलोवेरा और शहद : एक गिलास एलोवेरा जूस में एक चम्मच शहद मिक्स करें। इसे अच्छे से चलाएं और पी लें। इसे नियमित रूप से पीने पर मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, पेट ठीक रहता है और अत्यधिक फैट बर्न होता है।

5. एलोवेरा और पानी : एक-दो चम्मच एलोवेरा जूस को पानी के साथ मिक्स कर के पिएं। इसे दिन में एक बार जरूर पिएं।

6. एलोवेरा, फल और नारियल स्मूदी : एक मध्यम आकार एलोवेरा की पत्ती, एक कप बादाम या नारियल दूध, आधा कप ताजा आम या रसभरी, आधा चम्मच नारियल तेल, एक चम्मच शहद, एक चम्मच अलसी के बीज, प्रोटीन पॉवडर को मिक्सी में ब्लेंड कर के दिन में एक-दो बार रोजाना पिएं।

7. ग्रीन एलोवेरा स्मूदी : इन सभी सामग्रियों को एक साथ ब्लेंडर में डाल कर मिक्स कर लें। जैसे, एक मुट्ठी धुली पालक, एक बड़ा टुकड़ा एलोवेरा, छिला खीरा, एक कप कटे आम या अनानास, दो छिले संतरे, तीन/चार कप नारियल पानी, आधा चम्मच स्पिरूलीना पॉवडर मिक्स कर के स्मूदी बनाएं और इसे दिन में दो से तीन बार पिएं।

प्याज बाल उगाए काला करे

प्याज खाने में ही फायदेमंद नहीं है लगाने में भी काफी फायदेमंद साबित हुआ है। प्याज एक मैंगनीशियम का बहुत बड़ा स्रेत है। प्याज में ऐसे कई गुण है जो आपके बालों को पोशक व काले भी करते हैं। अब इसके बारे में एक और नई जानकारी हासिल हुई है कि प्याज बाल भी उगाता है। जब घर में खाना बनाने के लिए गृहणी मसाला तैयार करने के लिए प्याज काटती है तब आंखों में आंसू आने लगते हैं। उस समय हम सोचते हैं कि जल्दी से प्याज काटने का काम खत्म हो जाए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्याज में सल्फर पाया जाता है जो कि बालों को दुबारा उगाने में सहायक और गिरते बालों को रोकने के लिए अच्छा होता है। अगर आपके सिर में रूसी भी है तो भी प्याज पीस कर उसका रस लगा लीजिए, इससे रूसी कुछ ही दिनों में गायब हो जाएगी क्योंकि इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। अगर आपको अपने बालों की रंगत और पकड़ मजबूत करनी है तो उसके लिए प्याज का हेयर पैक लगाना शुरु कर दीजिए।

1. **प्याज का रस :** प्याज को मिक्सी में पीस कर उसका रस निकाल लीजिए और अपने सिर की त्वचा को इस रस से मसाज कीजिए। इसके बाद अपने सिर को तौलिये से लपेट लीजिए और आधे घंटे बाद शैंपू से बालों को धो लीजिए।
2. **प्याज का रस और हेयर ऑयल:** प्याज का रस निकालें और उसमें बालों के तेल में मिला कर सिर पर लगा लीजिए। इसे एक घंटे तक लगा रहने दीजिए और बाद में शैंपू कर लीजिए। इसके अलावा आप सुगंधित तेल भी लगा सकते हैं, जिससे बालों से प्याज की महक न आए।
3. **प्याज, ऑलिव ऑयल, नारियल तेल पैक :** इस पैक को बनाने के लिए कुछ प्याज ले कर पीस लीजिए और उसका रस निकाल लीजिए। उसमें चम्मच ऑलिव ऑयल और नारियल तेल मिलाइए। इस मिशण्रको बालों में लगाइए, जड़ों में इस तेल को न लगाएं। इसे 2 घंटे तक लगा रहने के बाद शैंपू से धो लें। इस पैक को आप रोज लगा सकते हैं।
4. **प्याज, बियर और नारियल तेल :** बियर और नारियल तेल के साथ प्याज के गूदे को मिलाइए और बालों में लगा लीजिए। इस मिशण्रको 1 घंटे तक बालों में लगा रहने दे, इसके बाद शैंपू कर लेना है। इससे बलों में शाइनिंग आ जाएगी और वह घने दिखने लगेंगे।

पीठ दर्द को जड़ से खत्म करे मार्जारी आसन

मार्जारी आसन मार्जारी आसन एक बहुत ही सरल आसन है जो कि खासतौर पर रीढ़ को लचीला बनाने के लिये किया जाता है। रीढ़ हमारे शरीर का स्तंभ होता है, अगर यह ठीक नहीं रहेगा तो आप ठीक से काम नहीं कर पाएंगे। मार्जारी आसन करने में बहुत ही आसान है। अगर आपको पीठ दर्द रहता है तो आप के लिए यह मार्जारी आसन बहुत लाभकारी होगा। पीठ दर्द की वजह से शरीर के अन्य भाग जैसे, कंधों में दर्द, मांसपेशियों में लोच की कमी, वजन का घटना, गर्दन में दर्द, कमजोरी और कभी-कभी सिरदर्द की भी शिकायत हो सकती है। मार्जारी आसन महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभदायक है। गर्भावस्था के दौरान पहले तीन महीने तक मार्जारी आसन का अभ्यास किया जा सकता है। यह आसन शरीर को ऊर्जावान बनाता है! आइए जानते हैं मार्जारी आसान करने की विधि और इसका लाभ।

मार्जारी आसन की विधि

दोनों घुटनों और दोनों हाथों को जमीन पर रखकर घोड़े की भाति खड़ी हो जाएं।

हाथों को जमीन पर बिलकुल सीधा रखें। ध्यान रखें कि हाथ कंधों की सीध में हों और हथेली फर्श पर इस तरह टिकाएं कि उंगलियां आगे की तरफ फैली हों।

हाथों को घुटनों की सीध में रखें, बांहें और जांघें भी फर्श से एक सीध में होनी चाहिए। घुटनों को एक-दूसरे से सटाकर भी रख सकती हैं और चाहें तो थोड़ी दूर भी। यह इस आसन की आरंभिक अवस्था है।

इसके बाद रीढ़ को ऊपर की तरफ खींचते हुए सांस अंदर खींचें। इसे इस स्थिति तक लाएं कि पीठ अवतल अवस्था में पूरी तरह ऊपर खिंची हुई दिखे।

सांस अंदर की ओर तब तक खींचती रहें जब तक कि पेट हवा से पूरी तरह भर न जाए। इस दौरान सिर को ऊपर उठाए रखें। सांस को तीन सेकंड तक भीतर रोक कर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

सोहन जोर से अपना विज्ञान का पाठ पढ रहा था- जब सेब पेड से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ।

उसकी छोटी बहन ने बीच में टोक कर कहा- इसमें आश्चर्य की क्या बात थी, आश्चर्य तो तब होता, जब सेब नीच से ऊपर जाता।

□ □ □

आर्टिस्ट- इस चित्र के पीछे मेरे जीवन के पांच साल बीत गये।

ग्राहक- क्या इतनी मेहनत करनी पडी?

आर्टिस्ट- चित्र तो एक सप्ताह में बन गया था, लेकिन ग्राहक पांच साल बाद मिला है।

□ □ □

अली(अपने भाई खलील से)- रात मैंने ख्वाब में देखा कि एक बहुत बडा पपीता मेरे मुंह के पास रखा है, और मैं उसे धीरे-धीरे मजे लेकर खा रहा हूं। अचानक मेरी आंख खुल जाती है, और उठकर देखता हूं तो पलंग पर कुछ भी नही है।

खलील- इसलिए तुम्हारे पलंग से तकिया गायब है।

□ □ □

काकुरो पहेली - 4081

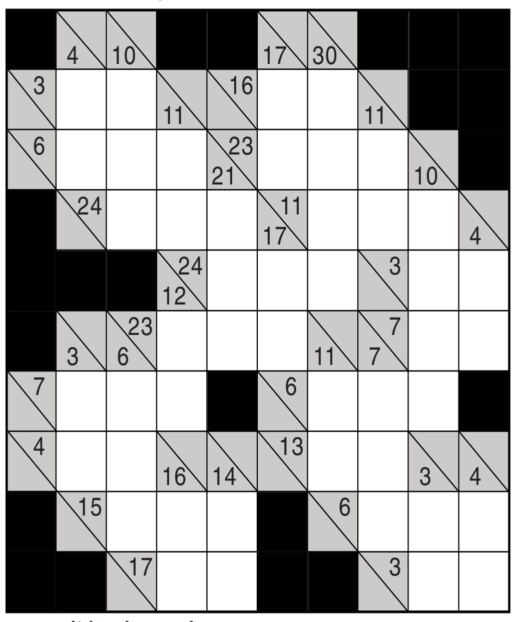

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

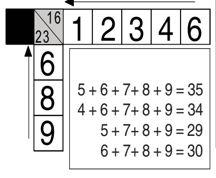

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो -4080 का हल

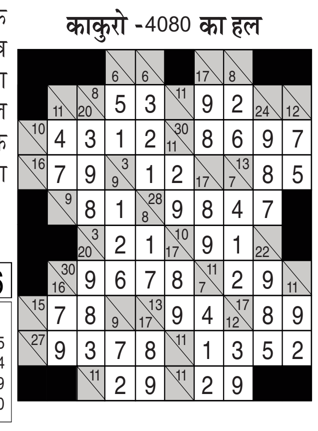

फिल्म वर्ग पहेली-4081

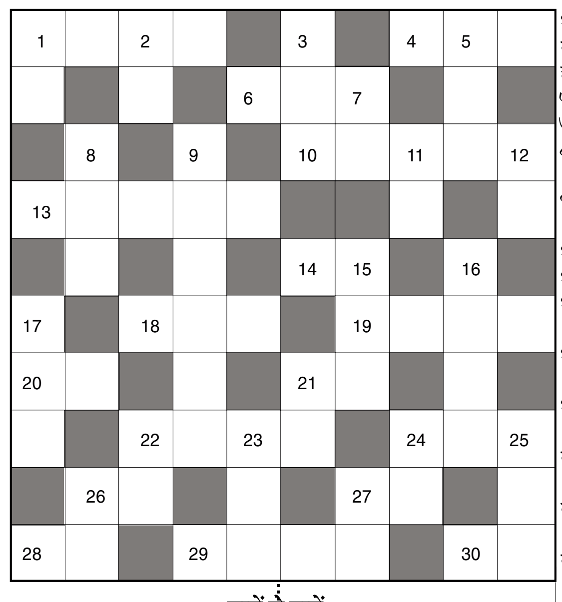

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4080

म	न	मं	दि	र		गु	म	श	ह
धु		थ		न	गी	ना		धि	
मं	हा	न	ता		त	ह	की	का	त
ती			क	र्ज			म		प
	अ	मृ	त		चा	ह	त		स्या
सं		त्यु		मु	नी	म		श	
ग्र	रै	दा		क्ति		श	जा	बा	बू
र्ष		ता	ल		आ	ज		ना	म
	कौ		गा	य	ब		जू		
खा	न	दा	न		रू	दा	ली		माँ

4081

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4080

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली -4081

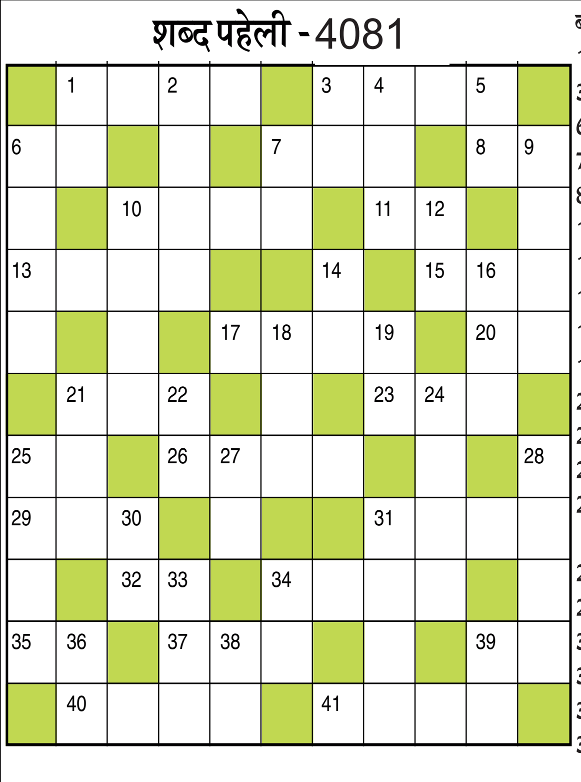

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली 4080 का हल

प	व	न	कु	मा	र		म	क	ब	रा
ला	न		त		स	ली	का		स	त
य		प	र	वा	ना		न	न		दि
न	का	र	ना			क		म	हा	न
वा		ख		स	ह	ल	ज		ज	
दी	वा	ना	प	न		प	र	व	री	श
	जि		र	स	ले	ना		न		री
ग	ब	न		नी			अ	वा	न्त	र
ज		शा	न		आ	ब	नू	स		र
रा	ज		ज	टा	यु		रू		क	क्ष
ज	ल	च	र		ध	र्मो	प	दे	श	क

बंगाल सीमा पर बीएसएफ ने बरामद की 21 लाख बांग्लादेशी करेंसी और 11 किलो गांजा

एजेंसी

कोलकाता। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तस्करी की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ की दक्षिण बंगाल सीमांत की 161 बटालियन के जवानों ने नदिया जिले में 21 लाख बांग्लादेशी टका, 340 बोतल फेंसिडिल और 11 किलो गांजा बरामद किया है। बीएसएफ के अनुसार, यह कार्रवाई 8 जून की रात को की गई जब गोंगरा सीमा चौकी के जवानों को गुप्त सूचना मिली कि सीमा क्षेत्र से अवैध वस्तुएं लाई जा सकती हैं। सूचना के आधार पर जवानों ने रात करीब 3 बजे सीमा पर लगे फेंसिंग के पास केले के बागान में कुछ लोगों की संदिग्ध गतिविधियां नजर आईं। जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घेरने की कोशिश की। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाते हुए तस्कर भागने में सफल हो गए। बाद में पूरे इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान 21 लाख बांग्लादेशी टका, 340 बोतल फेंसिडिल और 11 किलो गांजा बरामद किया। जब्त की गई सारी सामग्री को संबंधित विभाग को सौंप दिया गया है।

बेटे का शिलांग जाने का कोई कार्यक्रम नहीं था: राजा की मां

भोपाल/ इंदौर। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलांग में हत्या के बाद 17 दिन लापता रहने वाली उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी गिरफ्तार कर लिया गया है। राजा के भाई ने दावा किया है कि सोनम ने सरेंडर नहीं किया है बल्कि गाजीपुर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। राजा की मां ने कहा कि राजा का शिलांग जाने का कोई कार्यक्रम नहीं था। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने साफ शब्दों में कहा है कि सोनम रघुवंशी ने खुद सरेंडर नहीं किया, बल्कि उसे उत्तर प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया है। विपिन रघुवंशी ने मीडिया को बताया, सोनम के भाई ने सुबह 2 बजे मुझे फोन कर बताया कि सोनम ने यूपी में सरेंडर कर दिया है, लेकिन जब मैंने यूपी पुलिस से बात की तो पता चला कि सोनम ने सरेंडर नहीं किया, बल्कि उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। राजा के भाई विपिन ने यह भी कहा कि सोनम इस केस की मुख्य आरोपी है। मेघालय पुलिस पर सवाल उठाते हुए विपिन ने कहा कि अभी तक परिवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी नहीं भेजी गई है। परिजन ने मांग की है कि जांच में पारदर्शिता लाई जाए और आरोपित को सख्त सजा मिले। विपिन ने कहा कि यूपी और मेघालय पुलिस बोल रही है कि सोनम ने आत्मसमर्पण किया है, ये बात झूठ है और अभी सोनम आरोपी मानी नहीं गई। जब तक सोनम ये बात खुद नहीं बोलेगी तब तक हम कबूल नहीं करेंगे। दोनों (राजा और सोनम) अपनी शादी में खुश थे। दोनों परिवार बहुत खुश थे, हमें कभी नहीं लगा कि वे दुखी हैं। दोनों की मर्जी से शादी हुई थी।

सोनम रघुवंशी से गाजीपुर पुलिस नहीं करेगी पूछताछः एडीजी

लखनऊ। मध्य प्रदेश के इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हनीमून यात्रा के दौरान मेघालय के शिलांग में हुई हत्या मामले में उसकी लापता पत्नी सोनम को गाजीपुर पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने सोनम को वनस्टॉप सेंटर में रखा गया है। स्थानीय पुलिस सोनम को मेघालय पुलिस को सौंपने के मेघालय पुलिस का इंतजार कर रही है।इस मामले में यूपी के कानून एवं व्यवस्था अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अमिताभ यश ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि शिलांग में पति राजा रघुवंशी की हत्या के बाद उसकी लापता पत्नी सोनम रघुवंशी बीती रात गाजीपुर जनपद के नंदगंज थाना क्षेत्र स्थित एक ढाबे से बदहवास स्थिति में मिली है। उन्होंने बताया कि उक्त ढाबे से सुबह तीन बजे सोनम ने अपने परिजनों को फोन कर बताया कि वह वाराणसी-गाजीपुर मुख्य मार्ग पर स्थानीय काशी ढाबा पर मौजूद है। इसके बाद ?परिजनों ने मध्य प्रदेश पुलिस को इसकी जानकारी दी। मध्य प्रदेश पुलिस ने गाजीपुर पुलिस से सम्पर्क किया। गाजीपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सोनम को हिरासत में लिया और अस्पताल ले जाकर उसक शारीरिक परीक्षण कराया। इसके बाद सोनम को वन स्टॉप सेंटर भेजा दिया। एडीजी ने बताया कि जांच के लिए मेघालय पुलिस इंदौर में थी। वह सोनम को लेने के लिए गाजीपुर पहुंची रही है। कानूनी प्रक्रिया के तहत सोमन को मेघालय पुलिस के सुपुर्द कर दिया जाएगा। यूपी पुलिस ने कोई भी पूछताछ सोनम से नहीं की है। क्योंकि यह काम मेघालय पुलिस का है।

मानसून पूर्व तैयारियों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : जिला कलक्टर डॉ. सोनी

जयपुर। आगामी मानसून पूर्व तैयारियों के संबंध में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश जनित परिस्थितियों के चलते किसी भी प्रकार का हादसा होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के खिलाफ व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही, किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।जिला कलक्टर ने अधिकारियों को जिले में बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के समस्त आवश्यक इंतजाम समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने संबंधित विभागों की मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में नगर निगम जयपुर ग्रेटर आयुक्त रुक्मणी रियार एवं नगर निगम जयपुर हैरिटेज आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने मानसून को लेकर नगर निगम की तैयारियों एवं इंतजामों की जानकारी दी।

नए जिलों के गठन को लेकर बनी कमेटी की रिपोर्ट मिलते ही सरकार लेगी निर्णय : मुख्यमंत्री

जेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नए जिलों के गठन को लेकर बनी कमेटी प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर रही है और जैसे ही समिति की रिपोर्ट आएगी, सरकार उस पर निर्णय लेगी।मुख्यमंत्री आज हिसार में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट पर हिसार से चंडीगढ़ के लिए फ्लाइट सेवा के शुभारंभ अवसर पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने देश की सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त जवाब देता है। उन्होंने उरी, पुलवामा और हाल ही की पहलगाम जैसी घटनाओं के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में की गई सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक का उदाहरण देते हुए कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करता है, जिससे देशवासियों का आत्मविश्वास मजबूत हुआ है।जातिगत सर्वेक्षण से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई रुकावट नहीं है और प्रक्रिया निर्धारित प्रणाली के अनुसार आगे बढ़ रही है।

अयोध्या फ्लाइट के दिल्ली डायवर्जन से जुड़ी समस्या पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मौसम की गंभीर परिस्थितियों में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानकर पायलट और एविएशन टीम निर्णय लेती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही के हरियाणा दौरे पर दिए गए ब्यान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस में केवल लंगड़े घोड़े बचे हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि बारात का घोड़ा, रेस का घोड़ा और लंगड़ा घोड़ा, इस प्रकार के बयान कांग्रेस के नेतृत्व की स्थिति को दर्शाते हैं और संगठन की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हैं। कांग्रेस ने 55 साल राज किया, लेकिन उन्होंने जनता के लिए कुछ नहीं किया।

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त घरों के लिए अतिरिक्त मुआवजा

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तानी गोलाबारी में क्षतिग्रस्त हुए घरों के लिए अतिरिक्त मुआवजा राशि की घोषणा की है। इस घोषणा के तहत, पूरी तरह से क्षतिग्रस्त प्रत्येक घर के लिए 2 लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त प्रत्येक घर के लिए 1 लाख रुपये की अतिरिक्त मुआवजा राशि दी जाएगी। गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराते हुए गृह मंत्रालय से 2060 घरों के लिए 25 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान कराया है। यह मुआवजा राशि जम्मू-कश्मीर और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त हुए घरों के लिए दी जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर दौरे के दौरान अपने सम्बोधन में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहने, उन्हें निरंतर राहत सुनिश्चित करने और उनके घरों और जीवन को फिर से खुशहाल बनाने में उनकी मदद करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 29-30 मई को पुंछ का दौरा किया था और सीमा पार से गोलीबारी में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे थे। मंत्रालय के अनुसार प्रशासन ने संभावित घटनाओं और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय उपाय किये। सीमावर्ती जिलों से कुल 3.25 लाख व्यक्तियों को निकाला गया, जिनमें से लगभग 15,000 व्यक्तियों को भोजन, पानी, स्वास्थ्य देखभाल, बिजली आदि सुविधाओं से युक्त लगभग 397 आश्रय शेड/आवास केंद्रों में रखा गया।

गरीबी दूर करने में सहायक कई योजनाओं के लिए केंद्र सरकार ने पैसे नहीं दिए : झारखंड के वित्त मंत्री

एजेंसी

रांची। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने 11 साल पूरे कर लिए हैं, एनडीए सरकार के तीसरे टर्म का एक साल पूरा हो गया है। इसको लेकर पक्ष और विपक्ष में राजनीतिक बयानबाजी तेज है। जहां एक ओर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी सरकार के 11 वर्षों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया, वहीं विपक्ष ने इसको लेकर निशाना साधा। झारखंड के वित्तमंत्री राधा कृष्ण किशोर ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने गरीबी दूर करने वाली कई योजनाओं के लिए पैसे नहीं दिए।

हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार में वित्त मंत्री एवं कांग्रेस नेता राधा कृष्ण किशोर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ÷झारखंड में तो नहीं दिखाई पड़ता है कि गरीबी दूर हो गई। गरीबी दूर करने वाली बहुत सारी ऐसी योजनाएं हैं, जिसके लिए भारत सरकार को पैसा देना था, जिसमें मनरेगा, जल जीवन मिशन योजना, राष्ट्रीय दिव्यांग योजना शामिल हैं। इनमें सैकड़ों करोड़ रुपए बाकी हैं, जिसमें आज तक पैसा नहीं मिला है। ऐसे में देश से सरकार कैसे गरीबी हटा सकती है। उन्होंने कहा, मैं पूरे देश का हाल नहीं जानता, लेकिन झारखंड के परिप्रेक्ष्य में

गरीबी दूर नहीं हुई है। ऐसे में मोदी सरकार का रिपोर्ट कार्ड गलत प्रमाणित होता है। भाजपा से विकास की बात अच्छी नहीं लगती है। उनसे यह बात अपेक्षित है कि बताएं कि वह पिछले 11 वर्षों में हिंदुओं को एकजुट करने में कितना कामयाब हुए हैं। भाजपा वालों को इसका रिपोर्ट कार्ड देना चाहिए।उल्लेखनीय है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर काबिज हुए 9 जून को 11 साल पूरे हो गए। भाजपा नेता पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 11 साल के कार्यकाल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके एनडीए सरकार के 11 साल की खूबियां गिनाईं। जेपी नड्डा ने पूर्व की सरकारों की खामियां गिनाते हुए कहा, 2014 से पहले पिछली सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी। लेकिन 2014 के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में यह भावना बदल गई। अब लोग गर्व से कहते हैं, मोदी है तो मुमकिन है। हम गरीबी हटाओ का नारा लेकर नहीं चले हैं, हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। आंकड़े इस बात का सबूत हैं। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। इसी तरीके से अति गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है।

रक्षा राज्य मंत्री ने आर्मी ट्रेनिंग कमांड का दौरा कर सैनिकों का बढ़ाया हौसला

एजेंसी

शिमला। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित आर्मी ट्रेनिंग कमांड का दौरा किया। इस अवसर पर कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने उन्हें वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही प्रशिक्षण प्रक्रिया की जानकारी दी। रक्षा राज्य मंत्री ने रणनीतिक नेतृत्व क्षमता के विकास, ऑनलाइन प्रशिक्षण, तकनीकी नवाचारों के समावेश तथा कार्यक्षमता आधारित प्रशिक्षण को लेकर उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कमांड डिजिटल इंडिया मिशन के तहत भारतीय सेना को तकनीक-सक्षम, आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए सशक्त बल में परिवर्तित करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है।यहां कमांड में उपस्थित सैनिकों से बातचीत के दौरान रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ऑपरेशन सिंदूर में सेना, नौसेना और वायुसेना के संयुक्त समन्वय की सराहना की। उन्होंने इसे आतंकवाद और उसके पोषकों के खिलाफ भारत की मजबूत प्रतिबद्धता का सफल उदाहरण बताया। उन्होंने एनसीसी और सैनिक स्कूलों के विस्तार को लेकर सरकार

द्वारा की गई पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आर्मी हेरिटेज म्यूजियम परिसर में एक वृक्षारोपण भी किया। गौरतलब है कि इससे पहले भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र स्थित अग्रिम चौकियों का दौरा किया था। उन्होंने दिन की शुरुआत बाबा केदारनाथ के दर्शन से की। बाबा केदारनाथ के दर्शन के उपरांत वह सेना की अग्रिम चौकियों पर पहुंचे। उन्होंने यहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की और उनकी परिचालन व प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें देश की सीमाओं की रक्षा में निरंतर सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

जनजातीय वर्ग के बच्चों की कोचिंग का खर्च उठाएगी मध्य प्रदेश सरकार : सीएम मोहन यादव

एजेंसी

शहडोल। जनजातीय वर्ग के नायक बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस के मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ऐलान किया कि जनजातीय वर्ग के बच्चों की कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान

देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य करेगी।उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के बेटों और बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ की लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 330 करोड़ रुपये लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण और 52 कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। देश का तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के 4 मिशन गरीब, युवा, नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं। जो लोग छूट गए हैं, उनका भी सर्वे कर पक्के आवास देने का कार्य सरकार करेगी।

कोलकाता से गिरफ्तार हुआ वजाहत खान, शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ दर्ज कराई थी शिकायत

एजेंसी

कोलकाता। सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं और मंदिरों के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में वजाहत खान को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वजाहत वही शख्स है जिसने हाल ही में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और लॉ स्टूडेंट शर्मिष्ठा पानोली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में उसके सोशल मीडिया पर सालों से हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ नफरत भरे पोस्ट का खुलासा हुआ। उसके खिलाफ पहले भी कई शिकायतें थीं लेकिन कोलकाता पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। यहां तक की मां कामाख्या को लेकर उसने बेहद भद्दी और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। वजाहत पर धार्मिक भावनाएं भड़काने और नफरत फैलाने के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वजाहत खान एक जून से फरार चल रहा था। उसे तीन बार नोटिस भेजा गया, लेकिन उसने हाजिर होने से इनकार कर दिया। इसके बाद गार्डन रीच इलाके में स्थित उसके आवास पर कई बार छापेमारी भी की गई। आखिरकार उसे सोमवार रात कोलकाता के अमहर्ष्ट स्ट्रीट इलाके के एक गुप्त ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया। वजाहत के खिलाफ कोलकाता के गोल्फ ग्रीन पुलिस स्टेशन में भी एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म, देवी-देवताओं और धार्मिक परंपराओं के खिलाफ भड़काऊ, अश्लील और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया।

आमजन के सहयोग से अभियान बन रहा जन आंदोलन प्रकृति के संरक्षण से ही हम संरक्षित : मुख्यमंत्री

एजेंसी

ब्यावर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के माध्यम से प्रदेश के गांव मजबूत होंगे जिससे विकसित राजस्थान का संकल्प पूरा हो सकेगा। उन्होंने कहा कि आमजन अपने साधन और संकल्प के साथ इस अभियान से जुड़ रहे हैं और प्रदेश की धरा को जल स्रोतों से परिपूर्ण एवं हरी-भरी बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। शर्मा ब्यावर के जवाजा में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर राज्य सरकार ने 5 जून को वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान की शुरुआत की है। 20 जून तक संचालित होने वाले इस अभियान में जल स्त्रोतों,

नदियों, जलधाराओं और तालाबों पर जल पूजन, कलश यात्रा, जन जागरूकता, स्वच्छता अभियान जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को जल और पर्यावरण संरक्षण की परंपराओं और संस्कृति से जोड़ा जा रहा है।

जल प्रबंधन ढांचा हो रहा मजबूतः उन्होंने कहा कि यह अभियान जल प्रबंधन ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत जल संचयन संरचनाओं का निर्माण, जलाशयों का पुनरुद्धार, बांध, एनीकट, नहरों की मरम्मत, वर्षा-जल संचयन संरचनाओं और पर्यावरण संवर्धन से जुड़े कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 30 करोड़ रुपये की लागत से देवाता फीडर की लाइनिंग और कवरिंग का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल ही जीवन है और जल का कोई विकल्प नहीं है। हम सदियों से पानी को सहजते और पूजते आ रहे हैं। हमारी संस्कृति में पेड़, नदी, पहाड़ों को पूजा जाता है क्योंकि प्रकृति हमारा संरक्षण करती है। हमारे पूर्वजों ने भी सैकड़ों साल पहले पानी के महत्व को समझा और तालाब, झील, बावड़ी, टांका, खड़ीन, झालरा जैसे जल संग्रहण के ढांचों का निर्माण किया। श्री शर्मा ने आह्वान किया कि आमजन जल संरचनाओं में पानी का संरक्षण करें और व्यर्थ में पानी न बहाए।

एलजी मनोज सिन्हा ने माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल के लिए सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का उद्घाटन किया

एजेंसी

कटरा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्री माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल के लिए एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र के साथ सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का उद्घाटन किया। उपराज्यपाल ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वास्तविक समय की निगरानी और भीड़ प्रबंधन को सक्षम करेगी और यह परेशानी मुक्त तीर्थयात्रा सुनिश्चित करेगी। परियोजना के तहत कटरा में स्थित एक एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र और स्थानीय निगरानी और समन्वय के लिए तीर्थयात्रा मार्ग पर 7 उप-नियंत्रण केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो सभी संवेदनशील और उच्च-यातायात क्षेत्रों की हफ्ते के सातों दिन व 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करेंगे। पूरे तीर्थ क्षेत्र में 700 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें 170 नए

हाई-डेफिनिशन आईपी कैमरे और 500 से अधिक मौजूदा कैमरों का एकीकरण है जो प्रवेश और निकास बिंदुओं, सभी क्षेत्रों और तीर्थयात्रा मार्ग सहित सभी महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों को कवर करते हैं। इस परियोजना में एआई-आधारित एनालिटिक्स और उन्नत प्रौद्योगिकी तंत्र जैसे हावभाव पहचान, स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर), चेहरे की पहचान, घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली, भीड़ प्रबंधन उपकरण भी शामिल हैं। एसएमवीडीएसबी के सीईओ अंशुल गर्ग ने एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र की तकनीकी विशेषताओं और मंदिर के दैनिक कामकाज में इसके प्रत्याशित लाभों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उपराज्यपाल ने केंद्र में इंजीनियरों और परिचालन कर्मचारियों के साथ भी बातचीत की। उन्होंने केंद्र की उपयोगिता को अधिकतम करने के लिए कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण और सुरक्षा एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ निर्बाध सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर डॉ. अशोक भान, सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, श्री भीम सेन टूटी आईजीपी जम्मू, सुश्री निधि मलिक डिप्टी कमिश्नर रियासी और पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों और श्राइन बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।-

मेघालय में आने से घबराएं नहीं पर्यटक, मेघालय सुरक्षित है : पर्यटन मंत्री

एजेंसी

शिलांग। मेघालय के पर्यटन मंत्री पॉल लिंगदोह ने इंदौर के रघुवंशी की हत्या मामले को लेकर राज्य पुलिस की तत्परता की सराहना की। उन्होंने कहा कि महज सात दिनों में मामले की गहराई तक पहुंचकर अपराधियों को पकड़ना पुलिस की काबिलियत को दर्शाता है। पर्यटन मंत्री ने मीडिया से कहा कि यह मामला एक लव ट्रायंगल का था, जिसमें मुख्य आरोपित सोनम रघुवंशी ने सुपारी देकर अपने पति की हत्या करवाई। मुख्य आरोपित ने पेशेवर अपराधियों को सुपारी दी थी। हम विशेष जांच दल

(एसआईटी) को बधाई देते हैं जिन्होंने सिर्फ सात दिनों में इस केस को सुलझा लिया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। सोनम रघुवंशी को मास्टरमाइंड बताया गया है, जबकि तीन अन्य विशाल सिंह चौहान, राज सिंह और आनंद कुर्मी इंदौर के रहने वाले सुपारी किलर हैं। लिंगदोह ने कहाकि यह केस हमारी पुलिस की कार्यकुशलता का प्रमाण है। मेघालय पर्यटकों का स्वागत करता है और हम सुरक्षा और रोकथाम को मजबूत करने के लिए टूरिज्म सेक्टर से बेहतर तालमेल बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दिल्ली तलब, आलाकमान को राज्य की नवीनतम घटनाक्रमों से कराएंगे अवगत

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली जाएंगे, जहां उनसे 4 जून को हुई भगदड़ सहित विभिन्न घटनाक्रमों पर चर्चा करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से मिलेंगे और उन्हें नवीनतम घटनाक्रमों से अवगत कराएंगे। बेंगलुरू में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के बाद कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को दिल्ली तलब किया है। डीके शिवकुमार पहले से ही एक सरकारी कार्यक्रम के लिए दिल्ली में हैं। जबकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया

मंगलवार की सुबह दिल्ली पहुंच सकते हैं।

दोनों 10 जून को पार्टी आलकमान से मिलेंगे और प्रदेश की ताजा घटनाक्रम की जानकारी देंगे। आलाकमान से मुलाकात के दौरान सिद्धारमैया भगदड़ को लेकर भ्रम और आरोपों पर भी सफाई देंगे। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ पहले ही राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुकी है। इस घटना के बाद से राज्य सरकार विपक्ष के निशाने पर है। विपक्षी दल सरकार पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं कि राज्य सरकार ने जीत के जश्न के लिए जल्दबाजी में अनुमति दी थी। विधानसभा में आरसीबी टीम के अभिनंदन समारोह को लेकर भी लोगों में काफी नाराजगी है। बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के जल्दबाजी में जीत का जश्न मनाने की अनुमति देने के सरकार के कदम की भी आलोचना हो रही है। इससे राज्य सरकार की काफी किरकिरी हो रही है। इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दिल्ली में पार्टी आलाकमान से मिलेंगे और स्पष्टीकरण देंगे।

ट माटर सब्जी के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ सलाद के रुप में भी काफी पसंद किया जाता है। टमाटर कोलेस्ट्रोल लेवल को बैलेंस कर शरीर में खून की कमी को भी दूर करता है। इसके सेवन से भूख लगने वाले हार्मोंस भी कंट्रोल में रहते हैं, जिससे आप आसानी से वजन कम कर सकती है। तो चलिए जानते हैं टमाटर का जूस पीने के अन्य फायदे...

टमाटर के जूस के फायदे अनेक लेकिन ये मरीज रहें सावधान

टमाटर का जूस क् योंहै फायदे मं द?

टमाटर में विटामिन-सी, बायोलॉजिकल सोडियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम और सल्फर उच्च मात्रा में होता है जो कई स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को कम करने में मदद करता है। टमाटर के जूस में मौजूद पोषक तत्व कैंसर के खतरे को भी कम कर सकता है। साथ ही इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, इस जूस को सेवन करने से किसी भी प्रकार का इंफेक्शन होने का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा टमाटर के जूस में मौजूद के मिकल मांसपेशियों में होने वाले खिंचाव को कम करता है।

बल्ड-प्रशेर को करे कंट्र ोल

फूड साइंस एंड न्यूट्रीशन' के एक शोध से पता चला है कि लगभग 184 पुरूषों और 297 महिलाओं को बिना नमक वाला टमाटर का जूस दिया गया है। इस अध्ययन के अंत में हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित 94 प्रतिभागियों के ब्लड प्रेशर में गिरावट हुई। उनका ब्लड प्रेशर 141.2/83 से घटकर 137.0/80.0 पर आ गया। जापान की टोकियो मेडिकल एंड डेंटल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर से इस बात का पता चला कि हाई कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित 125 पार्टिसिपेंट्स का कोलेस्ट्रॉल लेवल 155.0 मिलीग्राम से कम होकर 149.0 मिलीग्राम हो गया।

दुबले-पतले बच्च ों के लिए फायदे मं द

बच्चों के रोज सुबह एक टमाटर या फिर टमाटर का रस निकालकर अवश्य खिलाएं।अगर बच्चे को सूखा रोग यानि जो बच्चे खाने -पीनेके बावजूद दु बले -पतले रह जाते हैं, उन बच्चों को प्रतिदिन एक

गिलास टमाटर का जूस पिलाने से सूखे रोग जैसी बीमारी में आराम मिलता है। बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए टमाटर बहुत फायदेमंद होता है।

पथरी के पेशेंट रहें सावधान

जिन लोगों को किडनी या पित्ते में पथरी की परेशानी है, उन्हें टमाटर का जूस नहीं पीना चाहिए। टमाटर के बीज काफी हद तक सख्त होते हैं, जो बहुत जल्द हमारी बॉडी में बिना पिसे ही पड़े रहते हैं। पथरी आमतौर पर तब होती है जब किडनी में ऑक्जले ट और कैल्शियम जैसे कई तत्व जमा होते -होतेएक ठोस कंकड़ जैसे हो जाते हैं। टमाटर में भी ऑक्जालेट मौजूद होता है, ले किन उसकी मात्रा सीमित होती है। हां अगर आप टमाटर के शौकीन हैं और बहुत ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करते हैं, तो इसके बीजों को निकालकर इसका प्रयोग करें। आप चाहें तो बीज निकले हु ए टमाटरों के जूस का भी सेवन कर सकते हैं।

टमाटर के अन्य फायदे ...

-टमाटर का जू स ग्लोइंग स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

-टमाटर में मौजूद विटमिन और कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। टमाटर पाचन शक्ति को बेहतर करता है और पेट से -जुड़ी समस्या जैसे अपच, कब्ज़, दस्त जैसी स्थिति को कम करता है।

-मोटापा घटाने के लिए भी टमाटर का इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रतिदिन एक से दो गिलास टमाटर का जूस पीने से वजन घटता है।

-गठिया के रोग में भी टमाटर बहुत फायदेमंद है। प्रतिदिन टमाटर के जूस में अजवायन मिलाकर खाने से गठिया के दर्द में आराम मिलता है।

-टमाटर का जूस विटामिन सी की मात्रा से भरपूर होता है, जो गभर्वती महिला के लिए काफी अच्छा होता है।

-अगर पेट में कीड़े हो जाएं तो सुबह खाली पेट टमाटर में काली मिर्च मिलाकर खाने से फायदा होता है।

-टमाटर के नियमित सेवन से डायबिटीज में फायदा होता है। इससे आंखों की रौशनी बढ़ती है।

आं वलेका करें ऐसे इस्त ` माल, आपकी त्वचा की कई समस् याएंहोंगी दू र

आंवला का इस्तेमाल घरों में कई सालों से किया जा रहा है। स्वास्थ्य से लेकर सौंदर्य तक में आंवला बेजोड़ है। इसमें मौजूद औषधीय गुणों के कारण यह कई तरह की स्किन समस्याओं को दूर करने का माद्दा रखता है। अगर आप भी अपनी स्किन समस्याओं को नेचुरली मात देना चाहती हैं तो आंवला की मदद से बनने वाले इन फेस पैक्स का सहारा लीजिए और फिर देखिए कमाल-

अगर हो स्किन ब्ले मिश

स्किन ब्लेमिश को दूर करने के लिए आंवला का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप तीन बड़े चम्मच आंवला पाउडर लेकर उसमें एक चम्मच हल्दी और दो बड़े चम्मच नींबू का रस डालकर मिक्स करें और एक फाइन पेस्ट बनाएं। अब आप इसे अपने चेहरें पर ल गा क र 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में पानी की मदद से स्किन साफ करें। आप सप्ताह में एक बार इस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं।

निखारे रं गत

अगर आप अपनी स्किन को लाइटन व ब्राइटन करना चाहती हैं तो उसमें भी आंवला आपकी मदद कर सकता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए दो टेबलस्पनू आंवला का रस लेकर उसमें एक चम्मच शहद और पपीते को मैश करके उसे मिक्स करें। अब आप इसका एक फाइन पेस्ट बनाएं और चे हरे पर लगाएं। आप इस पेस्ट को लगातार कुछ दिन तक लगाएं और फिर आपको अपने चे हरे में काफी निखार नजर आएगा।

ऑयली स्किन की समस् याएं

गर्मी के मौसम में ऑयली स्किन को काफी समस्याएं होती है। चेहरे से ऑयल का अतिरिक्त स्त्राव पिंपल्स आदि को बढ़ावा दे ता है। ऐसे में आंवला की मदद से आपकी स्किन का बेहतरीन तरीके से ख्याल रख सकती हैं। इसके लिए आप एक बाउल में दो बड़े चम्मच आंवला पाउडर लेकर उसमें गुलाबजल मिक्स करें। आप इस पैक को सप्ताह में दो बार लगा सकती हैं। यह पैक स्किन में तेल बनाने वाले पोर्स को कम करने में मदद करेगा और आपको एक निखरी त्वचा प्रदान करे गा।

निकाले डेड स्किन

हर किसी की स्किन पर कुछ दिन में डे ड स्किन सेल्स जमा हो जाती है, जिससे स्किन डल व बेजान नजर आती है। ऐसे में आप इसे एके बेहतरीन स्क्रब के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। दो बड़े चम्मच आंवला का पाउडर लेकर एक बड़ा चम्मच नींबू का रस व एक चम्मच चीनी मिक्स करें। अब आप इस मिश्रण को चे हरेपर लगाकर हल्के हाथों से स्क्रब करें। इससे चे हरे की सारी अशु द्धियां दूर होती हैं। आप सप्ताह में दो बार इस स्क्रब का का प्रयोग कर सकती हैं।

पहली बार बच्च को ब्रश करवा रहें है तो रखें इन 9 बातों का ध्यान

छो टे बच्चों की देखभाल के साथ साथ उनकी साफ सफाई का ध्यान रखना बहुत ही जरुरी होता है, क्योंकि बच्चों को नहीं पता होता है कि उन्हें किस तरह से अपनी हेल्थ का ध्यान रखना चाहिए। नई मांओं के मन में हमेशा इस बात को लेकर सवाल रहते है कि किस तरह से हमें ब्रश करना चाहिए, उन्हें ब्रश करवाने का सही तरीका क्या हैं। जिस तरह से हर बच्चे का बड़ा होने का समय अलग अलग होता है उसी तरह से उनके दांत भी अलग अलग समय पर निकलते हैं।

विशेषज्ञों की माने तो जैसे ही बच्चों के दांत निकलते हैं बच्चों का ब्रश करवाना शुरु कर देना चाहिए, क्योंकि पहले दांत से ही सड़न की समस्या शुरु हो सकती हैं। इससे पहले उंगली की मदद से उन्हें ब्रश करवाएं, मुंह को साफ करें। जब एक बार बच्चों के लिए ब्रश का इस्तेमाल करना शु रु कर दे तेहै तो कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। जिससे की बच्चों को ब्रश करने की आदत तो पड़ेगी साथ ही उनके दांत भी सुरक्षित रहेंगे।

1. मां व पिता दोनों में से एक हमेशा उनके साथ ब्रश करें। इसे एक गेम की तरह बना कर एक बार आप एक बार उसे ब्रश करने को कहें।

2. जब एक बार बच्चे को टूथ ब्रश पकड़ना आ जाए फिर उसे मुंह के अंदर व बाहर दातों पर अच्छे से ब्रश करना सीखाएं।

3. बच्चों के लिए सिपंल ब्रश की जगह मार्किट में मिलने वाले अलग अलग चरित्र व आकर्षित देखने वाले ब्रश लें।

4. बच्चों को ब्रश दे नेसे पहले जांच ले कि वह आगे सी तीखा न हो, सॉफ्ट हो ताकि बच्चों को मसूड़ों में न लगे ।

5. बच्चों को शीशे के सामने ब्रे श करने को कहे, ताकि वह देख सकें की किस तरह से ब्रश किया जा रहा है। इसके साथ ही हल्के म्यूजिक को लगा दें, ताकि वह इस चीज को एंजॉय करते हुए ब्रश कर सकें।

6. हर तीन महीनें के बाद बच्चों का ब्रश बदल देना चाहिए, इससे दांत व मुंह में कीटाणु नहीं फैलते हैं।

7. अगर बच्चा ब्रश का इस्ते माल नहीं कर रहा है तो बच्चे का मुंह खोल कर सूती कपड़े को गुनगु नेपानी में भिगोकर उसके मसूढ़े व जीभ को साफ कर दें। लेकिन इसे ध्यान से करें कहीं उसके मुंह में न लग जाएं।

8. मार्किट में बच्चो के लिए स्पेशल टूथपेस्ट उपलब्ध रहती है, उसी का प्रयोग करें। क्योंकि वह फ्लोराईड मुक्त होती हैं।

9. कुछ खाने के बाद बच्चें को मुंह साफ करने की आदत जरुर डालें।

सोने से पहले लगाएं खीरा जै ल सुबह चेहरा दिखेगा खिला-खिला

सर्दियों की तरह गर्मियों में भी तेज धूप से स्किन को बचाना बेहद जरूरी है। नहीं ड्राई स्किन, टैनिंग आदि की समस्या होने लगती है। इसके अलावा त्वचा के बेजान होने से चेहरे पर दाग, धब्बे, झुर्रियां, काले घेरे, पिंपल्स आदि की भी परेशानी होने लगती है। ऐसे में इससे बचने के लिए स्किन की खास देखभाल करने की जरूरत होती है। मगर अक्सर बिजी लाइफ स्टाइल के चलते लड़कियां अपनी स्किन पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाती है। ऐसे में आज हम आपको खीरे से जैल के बारे में बताते हैं जिसे आपको बस रात को लगाकर सोना है। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट होने के साथ सुंदर, निखरी व खिली-खिली नजर आएगी।

सामग्री

ताजा खीरे का जूस-3 बड़े चम्मच, एलोवेरा जेल- 4 बड़े चम्मच, विटामिन ई कैप्सूल- 2।

बनाने की विधि व लगाने का तरीका

- सबसे पहले एक बाउल में तीनों चीजों मिलाएं।

- तैयार मिश्रण को बोतल में भर कर फ्रीज में ठंडा करने के लिए रखें।

- आप इसे 1 हफ्ते तक आसानी से इस्तेमाल कर सकती है।

- इसे लगाने के लिए सोने से पहले चेहरे को गुलाब जल या फेसवॉश से साफ करें।

- बाद में खीरे की इस होममे ड जैल को थोड़ी मात्रा में ले कर सर्कुलर मोशन में चे हरे व गर्दन पर लगाएं।

- इससे 5 मिनट या त्वचा में समा जाने तक मसाज करें।

- इसे रात भर लगा रहने दें।

- सुबह चे हरेको धो।

खीरे का जू स

विटामिन्स, मिनरल्स व पानी से भरपूर खीरे स्किन को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में ड्राई स्किन, त्वचा पर खिंचाव होने की समस्या दूर होती है। वहीं इसमें मौजूद एंटी-इंफ्ले मेटरी और एंटी-एजिंग गुण स्किन का पीएच स्तर बराबर रखने में मदद करते हैं। इससे चे हरेपर पड़े दाग, धब्बे, पिंपल्स, झु र्रियां काले आदि की समस्या दूर होती है। साथ ही स्किन में लंबे समय तक नमी बरकरार रहती है।

एलोवेरा जै ल

एलोवेरा एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल

व एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर होता है। इससे स्किन गहराई से पोषित होकर खुजली, जलन, ड्राई स्किन, पिंपल्स, झु र्रियों आदि की परेशानी दूर होती है। सनटैन से खराब हु ई स्किन को भी यह अंदर से रिपेयर करती है। ऐसे में चेहरा साफ, निखरी, ग्लोइंग व जवां नजर आता है।

विटामिन ई ते ल

विटामिन ई तेल को स्किन के लिए काफी फायदे मंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लामेट्री, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-एजिंग गुण स्किन को अंदर से रिपेयर करते हैं। ये डेड स्किन सेल्स को साफ करके नई त्वचा बनाने में मदद करता है। ऐसे में इस टोनर को लगाने से टैनिंग, झर्रियां, काले घे रे दाग-धब्बे आदि समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

बालों की खोई चमक लौटा दे गा गुड़ हल

फू लोंको देखकर हर किसी का मन खिल उठता है। इसकी धीमी-धीमी खूशबू मन को शांत व खुशी से भर देती है। वहीं यह फूल बालों से जुड़ी कई परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। जी हां, गु ड़हल के फूलों से तैयार पैक लगाने से बालों को जड़ों से मजबूती मिलती है। डैंड्रफ, हेयर फॉल व

बालों संबंधी अन्य समस्या से आराम मिलता है। तो चलिए आज हम आपको गुड़हल के फूलों से बालों संबंधी समस्याओं को सु लझाने के अलग-अलग हेयर पैक बताते हैं...

1. बालों में जगाए शाइन : रुखे व बेजान बाल दे खनेमें बेहद ही गंदे लगते हैं। साथ ही इन्हें सु लझानेमें कई दिक्कतें आने लगती है। ऐसे में बालों को पोषण दे नेव चमकदार बनाने के लिए गुड़हल का फूल फायदे मंद माना जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल : इसके लिए 2-2 बड़े चम्मच गुड़हल फूल का पाउडर और एलोवेरा जैल मिलाकर बालों पर 30 मिनट या सूखने तक लगाएं। बाद में इसे ताजे पानी से धो लें। इससे बालों का रुखापन, हे यर फॉल दूर होकर सुंदर, घने, मुलायम व चमकदार बनने में मदद मिले गी।

2. बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए : गुड़हल के फूलों में मौजूद अमीनो एसिड बालों को पोषण पहु ंचातेहैं। इससे बालों को जड़ों से मजबूती मिलती है। ऐसे में हेयर फॉल की समस्या दूर होकर बाल तेजी से बढ़ने लगते हैं। इसके अलावा यह बालों पर कंडीशनर की तरह काम करता है। ऐसे में बालों का रूखापन दूर होकर मुलायम होने में मदद मिलती है।

ऐसे करें इस्तेमाल : गुड़हल के 5-5 फूल और पत्तियों को पीस लें। फिर इसमें 1-1 बड़ा चम्मच जैतून और बादाम का तेल मिलाकर सिर पर 30 मिनट तक लगाएं। बाद में गु नगु नेपानी से इसे धो लें।

3. डैं ड्रफ से दिलाए छुटकारा : मौसम भले कोई भी डैंड्रफ की समस्या होना आम हो गया है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए गु ड़हल के फूलों का हेयर पैक लगा सकती है।

ऐसे करें इस्तेमाल : 1 बड़ा चम्मच गुड़हल फूलों व पत्तों का पाउडर लें। इसमें 1 बड़ा चम्मच हिना पाउडर और 1/2 नींबू का रस मिलाकर स्कैल्प कर लगाएं। 30 मिनट तक इसे लगा रहने दें। बाद में ताजे पानी से धो लें।

कुनिका ने बताया कंगना को क्यों पसंद नहीं करती इंडस्ट्री?

अभिनेत्री कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती है, जो एक बार फिर से सुर्खियों में आ गईं हैं। हालांकि, इस बार उनपर टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने कटाक्ष करते हुए कहा कि वो सिर्फ बकवास करती हैं। साथ ही उन्होंने कंगना रनौत को ना पंसद करने की वजहें भी बताई हैं।

वे हमेशा नकारात्मक रहती हैं

कई फिल्मों और टीवी शो में काम कर चुकीं अभिनेत्री कुनिका सदानंद हाल ही में मेरी सहेली पॉडकास्ट में पहुंची। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने अभिनेत्री कंगना रनौत के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा, 'उनके मुंह से कोई मीठी बात निकलती है क्या? जब देखो बकवास। वह हमेशा नकारात्मक रहती हैं और जिस थाली में खाती हैं, उसी थाली में छेद करती हैं। इंडस्ट्री ने उन्हें उठाया और हीरोइन बनाया। आप एक बाहरी व्यक्ति थे, लेकिन फिर भी आपको मौका मिला, है ना? क्या शाहरुख खान, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और इरफान खान बाहरी नहीं थे?'

ना जाने कहां से मिलती है उन्हें फंडिंग

आगे बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उन्हें अपनी फिल्मों के लिए फंडिंग कहां से मिलती है और उनकी हर फिल्म फ्लॉप हो जाती है। मेरा मतलब है कि मैं वास्तव में चाहती हूं कि उनकी फिल्में सफल हों, क्योंकि मैं वास्तव में एक एक्टर के रूप में उनकी प्रशंसा करती हूं। आपको मणिकर्णिका के लिए फंडिंग मिली, फिर आपने एक निर्देशक को काम पर रखा, लेकिन बाद में आप असुरक्षित होने के कारण उनकी भूमिकाएं काट देती हैं।'

कुनिका सदानंद के बारे में

कुनिका सदानंद एक टीवी अभिनेत्री होने के साथ-साथ बॉलीवुड की भी हीरोइन रह चुकी हैं। एक्ट्रेस ने 'दाग- द फायर', 'प्यार किया तो डरना क्या', 'हम साथ-साथ हैं', 'राजा को रानी से प्यार हो गया', 'पेज 3' और 'शादी करके फंस गया यार' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

पांच साल पहले समझ आया कि एक्टिंग क्या है

वामिका गब्बी सिर्फ अभिनेत्री नहीं, एक खोज हैं। अपने किरदारों में, अपने भीतर और ज़िंदगी की परतों में। एक ओर जहां उन्होंने विशाल भारद्वाज जैसे दिग्गज फिल्मकार के साथ चार-चार प्रोजेक्ट्स में काम करके अपनी ऐक्टिंग को नया आकार दिया, वहीं दूसरी ओर ओशो की शिक्षाओं से आत्म-बोध की राह भी पकड़ी। वामिका खुद कहती हैं कि अभिनय की असली समझ उन्हें सिर्फ़ पांच साल पहले आई, जब विशाल सर की वर्कशॉप ने उनके भीतर की खिड़कियां खोल दीं। 'भूल चूक माफ' नाम की अपनी नई फिल्म में उन्होंने पहली बार कॉमिडी की और इस चुनौती को भी आत्मविश्वास से पार किया। वामिका मानती हैं कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए सिर्फ तकनीक नहीं बल्कि संतुलित निजी जीवन, रिश्तों की गहराई और मानसिक शांति भी जरूरी है। उनकी बातों में न सिर्फ एक कलाकार की परिपक्वता झलकती है बल्कि एक जागरूक इंसान की सोच भी।

विशाल भारद्वाज सर ने मेरी ऐक्टिंग को संवारा है

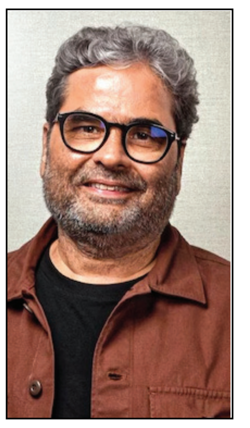

मैं इतनी खुशकिस्मत हूं कि विशाल भारद्वाज जैसे इतने बड़े डायरेक्टर ने मुझे लिया। मैं, डैड और भाई उनके इतने बड़े फैन हैं कि क्या बताएं। उनके साथ काम करना मेरे लिए सपने की तरह था। उन्होंने मुझे खुद अपनी फिल्मों के लिए सिलेक्ट किया। दूसरी बार जब उन्होंने फिर से काम करने को कहा तो मैं खुद शॉक्ड रह गई। यकीन नहीं हो रहा था लेकिन बाद में समझ आया कि ऐसा उन्होंने पहले भी तब्बू जी और प्रियंका चोपड़ा के साथ किया था। उन्हें किसी के साथ लगे कि ये अच्छा काम करती है तो वह उसके साथ फिर से काम करते हैं। मैंने उनके साथ चार प्रोजेक्ट किए हैं। उनसे जो सीखने को मिला, उस अनुभव ने कहीं ना कहीं मेरी थिंकिंग को शेप दिया। अब समझ आ गया कि कैसे प्रोजेक्ट्स को हां करना और किसको ना करना है। उनके साथ ने मेरी ऐक्टिंग को बहुत संवार है। मेरे ऐक्टिंग करियर में उनका बड़ा योगदान है।

पहले मैं टिपिकल हीरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी

मैंने विशाल भारद्वाज जी की वर्कशॉप में सीखा कि किसी सीन को किस तरह बेहतर किया जा सकता है। दरअसल, मैंने कहीं से ऐक्टिंग सीखी नहीं है। उससे पहले तक लगता था कि मैं बहुत टिपिकल हिरोइन टाइप ऐक्टिंग करती थी। जहां रोना, जहां हंसना, जहां गुस्सा करना है, सब एक जैसे हो जाते थे। उसमें कोई एडिशन नहीं था और ना वैरायटी। वर्कशॉप के बाद ऐसा लगा कि किसी ने मेरे दिमाग की खिड़कियां खोल दी हैं। फिर समझ आया कि यह तो समुंदर है। इसमें हरेक कैरेक्टर का रोना-हंसना अलग हो सकता है। मुझे समझ आया कि ये चीज ही बहुत अलग है। देखा जाए तो मुझे पांच साल पहले समझ आया था कि ऐक्टिंग होती क्या है और कितनी कठिन है। उसके बाद से मेरे करियर का ग्राफ जो बदला है, उसे मैं बता नहीं सकती।

पहली बार कॉमिडी करने से पहले नर्वस थी

फिल्म करते समय बहुत सी चुनौतियां थीं। मैं पहली बार कॉमिडी कर रही थी। इससे पहले, विशाल भारद्वाज, विक्रम मोटवानी जी, रंजन चंदेल के साथ काम किया। उन सबमें ड्रामा, सीरियसनेस, रोमांस था लेकिन मैंने कॉमिडी नहीं की थी। सच में, मैं बहुत नर्वस थी। कॉमिडी में सबसे बड़ा चैलेंज यह था कि मैं इसे कर सकती हूं या नहीं लेकिन इस फिल्म के बाद मुझे कॉन्फिडेंस आ गया कि कर सकती हूं। अब मैंने आगे जो फिल्में साइन की हैं, वो कॉमिडी ही हैं। मैं बहुत उत्साहित हूं कि आगे मैं कुछ और नया सीखूंगी।

समझ गए थे कि हम सही रास्ते पर हैं

फिल्म में टाइम लूप का कॉन्सेप्ट है। जैसे हॉलिवुड की मूवी है ग्राउंड हॉग डे। बेसिकली, इसमें हॉलिवुड की तरह टाइम लूप का कॉन्सेप्ट सेम है लेकिन वही अगर बनारस की गलियों में कर रहे हैं तो वो कैसे एक जैसा लगेगा। यहां के किरदार बहुत कलरफुल हैं। इन सबने फिल्म में जान डाल दी। आगे जाकर अगर कोई ऐसी फिल्म बॉलिवुड में बनाएगा तो हमारा ही उदाहरण लिया जाएगा। इंडिया में यह कॉन्सेप्ट इतना इस्तेमाल नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि यह बड़े गर्व की बात है कि इस टाइम लूप को हम हिंदी फिल्मों में इस्तेमाल कर रहे हैं। हम जब स्क्रिप्ट पढ़ते थे तो वो मजेदार लगती थी लेकिन पता नहीं था कि शूट करते वक्त इतना ज्यादा मजा आएगा। आपको पता चल जाता है कि क्या बन रहा है और वो कहां तक जाएगा। हम जब शूट कर रहे थे, तभी समझ में आ गया था कि हम सही रास्ते पर हैं

हम अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं लेकिन...

अनुराग कश्यप अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं। वो अक्सर अपने बयानों के चलते कई बार मुश्किलों में भी घिर चुके हैं। कुछ दिनों पहले ही अनुराग ने मुंबई छोड़ने और इंडस्ट्री के खत्म होने की बात कही थी। अब अनुराग ने फिल्म मेकर्स की क्रिएटिविटी को लेकर निराशा और मनचाही फिल्में न बना पाने व अपनी अब तक रिलीज नहीं होने वाली फिल्मों को लेकर बात की है। बातचीत में अनुराग ने फिल्म मेकर्स की क्रिएटिव हताशा को लेकर बात की। उन्होंने कहा, हम सभी को क्रिएटिविटी के मामले में निराश होना पड़ता है। हम अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं, लेकिन लोग उन्हें नहीं समझते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि जितनी अधिक अच्छी फिल्में रिलीज होंगी, उतना ही उन्हें एहसास होगा कि उन्हें एल्गोरिदम या बॉक्स ऑफिस के आधार पर फिल्में देखने का फैसला नहीं लेना करना चाहिए।

अनुराग की अब तक पांच फिल्में नहीं हुईं रिलीज

इस दौरान अपनी उन फिल्मों के बारे में भी अनुराग कश्यप ने बात की, जो बनने के बाद भी किन्हीं कारणों से रिलीज नहीं हो सकीं। निर्देशक ने कहा, मेरी पहली फिल्म 'पांच' रिलीज नहीं हुई थी। यही नहीं मेरी पांच फिल्में अभी रिलीज नहीं हुई हैं, 'पांच' उनमें से एक है। अब इन पांच में से दो फिल्में रिलीज हो रही हैं और उम्मीद है कि तीसरी फिल्म भी रिलीज होगी।

'स्टोलेन' के प्रमोशन में लगे हैं अनुराग

अनुराग कश्यप इन दिनों अभिषेक बनर्जी की हालिया रिलीज 'स्टोलेन' के प्रमोशन में बिजी हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म से अनुराग एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं। अनुराग के साथ किरण राव, निखिल आडवाणी और विक्रमादित्य मोटवानी इस प्रोजेक्ट के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म का फिल्म का निर्देशन करण तेजपाल ने किया है।

अल्लू अर्जुन की हीरोइन बनेंगी दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में हैं। उन्हें फिल्म स्पिरिट से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस को कल्कि 2 से भी हटाया जा सकता है। दरअसल, फिल्म 'स्पिरिट' के दौरान दीपिका ने आठ घंटे की शिफ्ट और 35 दिनों की शूटिंग के लिए 25 करोड़ रुपए की मांग की थी। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रॉफिट में 10 प्रतिशत हिस्सा भी मांगा था। यह बात मेकर्स को पसंद नहीं आई और उन्होंने दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया। तेलुगु वेबसाइट के मुताबिक, दीपिका ने 'कल्कि 2' के मेकर्स के सामने भी वही शिफ्ट और शर्तें रख दी हैं, जिससे निर्माता अश्विनी दत्त और स्वप्ना दत्त परेशान हैं। भले ही दीपिका के हाथ से एक और फिल्म निकल सकती थी, लेकिन उन्हें अल्लू अर्जुन और एटली कुमार की अपकमिंग फिल्म में कास्ट कर लिया गया है। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है।

2 जुलाई को ओटीटी पर आएगी प्रियंका की हेड्स ऑफ स्टेट

बालीवुड और हॉलीवुड फिल्म में अपनी खास पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ी जल्द ही हेड्स ऑफ स्टेट में दिखाई देंगी। इस फिल्म को लेकर एक अपडेट उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा...शांत रहें और आगे बढ़ते रहें। 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर आ रही है हेड्स ऑफ स्टेट।

बता दें कि जॉन सीना के जन्मदिन पर फिल्म मेकर्स ने हेड्स ऑफ स्टेट का ट्रेलर रिलीज किया था। इसमें प्रियंका, जॉन और इदरीस एल्बा का लुक हर किसी को पसंद आया। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में अमेरिकी राष्ट्रपति विल डेरिंगर की भूमिका में जॉन और यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क की भूमिका में इदरीस एल्बा नजर आएंगे। इसमें कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड, स्टीफन रूट, सारा नाइल्स और पैडी कॉन्सिडाइन जैसे सितारे भी हैं। यह फिल्म अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में आएगी।

1971 के भारत-पाक युद्ध पर बेस्ड है अगस्त्य स्टारर 21

निर्माता दिनेश विजन के निमंत्रक दिवसबका हालिया समय काफी सफल रहा है। खासकर पिछले साल की हिट फिल्म स्त्री 2 और इस साल छावा के शानदार प्रदर्शन के बाद। अब बैनर का पूरा ध्यान अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 21 पर केंद्रित है, जिसमें अमिताभबच्चन के नाती अगस्त्य नंदा मुख्य भूमिका में हैं। अगस्त्य ने पिछले साल जोया अख्तर की द आर्चीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। 21 एक वॉर फिल्म है और मैडॉक इसके लिए स्काईफोर्स की तरह बड़े पैमाने पर बज क्रिएट करने की तैयारी में है। फिल्म में दिखेगी अरुण खेत्रपाल की अनसुनी गाथा सूत्रों के मुताबिक, 21 में अगस्त्य नंदा की भूमिका उनके करियर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, क्योंकि यह वीर सैनिक सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी पर आधारित है। लिएकी सच्ची कहानी पर आधारित है। युद्ध में उनकी असाधारण वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। फिल्म की शूटिंग पिछले साल जून से जारी है और मुंबई, अमृतसर व पटियाला के विभिन्न स्थानों पर इसे फिल्माया गया है। मौजूदा समय तक फिल्म लगभग पूरी शूट हो चुकी है। इस वॉर ड्रामा का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता श्रीराम राघवन कर रहे हैं, जो पहली बार इस जॉनर में कदम रख रहे हैं। यह फिल्म इसी साल 2 अक्टूबर को रिलीज होगी।

पाकिस्तानी आर्मी अफसर का रोल जयदीप निभा रहे हैं...

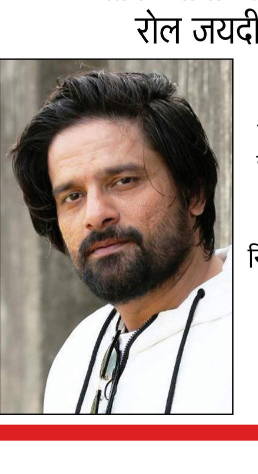

यह फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। पाकिस्तानी आर्मी अफसर का रोल जयदीप अहलावत निभा रहे हैं। फिल्म में अमृतपाल सिंह का एक्शन है, जिनकी एक और फिल्म निशानची है।

मेकर्स ने फिल्म के कुछ एक्शन सीक्वेंस फिर से शूट किए हैं...

फिल्म के मेकर्स वॉर सीक्वेंस को बेहतरीन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। इसके लिए सिनेमैटोग्राफर अनिल मेहता को हायर किया गया है। शूटिंग मार्च में पूरी हो गई थी लेकिन टीम लगातार पोस्ट-प्रोडक्शन में जुटी है। गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कुछ सीन री-शूट किए गए। मई में टीम आखिरी शेड्यूल के लिए पंजाब गई, जहां कुछ सीन फिर से लाइव लोकेशनों पर शूट किए गए, जिन्हें पहले मुंबई के स्टूडियो में शूट किया गया था लेकिन गुणवत्ता न मिलने के कारण दोबारा फिल्माना पड़ा।

कार्तिक आर्यन की फिल्म में अनन्या पांडे की भी एंट्री

कार्तिक आर्यन इन दिनों का फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान समीर विद्वांस ने संभाली है, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। अब इस फिल्म में अनन्या पांडे की भी एंट्री हो गई है। इसकी जानकारी खुद करण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर कर दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा... हमारे रे की रूमी। करण ने जो पोस्टर साझा किया है, उसमें कार्तिक और अनन्या ही रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी अगले साल वैलेंटाइन डे से पहले रिलीज होगी। इसकी रिलीज की तारीख भी करण जौहर ने पोस्ट में शेयर की है।

धोनी आईसीसी हाल ऑफ फेम में शामिल

मुंबई (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किये गये 11वें भारतीय क्रिकेटर हैं। साल 2004 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही धोनी ने 2007 में पहले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए उसे जीत दिलायी थी। उन्होंने 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। वह आईसीसी की सीमित ओवरों की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले अकेले कप्तान हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम साल 2009 में पहली बार आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। उन्होंने 2020 में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने सभी आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं।

आईसीसी ने धोनी के नाम की घोषणा करते हुए कहा, कठिन हालातों में भी अपने शांत स्वभाव और अनूठे रणनीतिक कौशल के लिए जाने जाने के साथ ही साथ ही छोटे प्रारूपों में शीर्ष स्तर के खिलाड़ी और सबसे महान फिनिशर, नेतृत्वकर्ता और विकेटकीपर के रूप में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए आईसीसी उन्हें क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल करता है। साथ ही कहा, भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैच के साथ धोनी के आंकड़े ना केवल उत्कृष्टता बल्कि असाधारण स्थिरता, फिटनेस और लंबे करियर को दिखाते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि यह सम्मान हमेशा उनके साथ रहेगा।

वहीं धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो विभिन्न पीढ़ियों और दुनिया भर के क्रिकेटरों के योगदान को मान्यता देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ आपका नाम याद किया जाना एक अद्भुत एहसास है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। गौरतलब है कि धोनी ने अपने करियर में 350 एकदिवसीय मैचों में 50.57 की औसत से 10773 रन बनाए। उन्होंने 90 टेस्ट मैचों में 38.09 की औसत से 4876 रन बनाये। वहीं, धोनी ने 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत से 1617 रन बनाये। विकेटकीपिंग की बात की जाये तो वह अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने वाले भारतीय विकेटकीपर हैं। वहीं विश्वस्तर पर वह तीसरे नंबर के विकेटीपर हैं। आईसीसी ने अब तक अपने हॉल ऑफ फेम 2025 में सात क्रिकेटरों को शामिल किया, जिसमें पांच पुरुष और दो महिला खिलाड़ी हैं। धोनी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज हाशिम अमला और पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी सम्मानित किया गया। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को भी इस सूची में जगह मिली है। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर और न्यूजीलैंड की पूर्व क्रिकेटर सारा टेलर को भी शामिल किया गया। हॉल ऑफ में शामिल भारतीय क्रिकेटर हैं सुनील गावस्कर , बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीनू मांकड़, डायना एडुल्जी,वीरेंद्र सहवाग, नीतू डेविड, धोनी

डब्ल्यूटीसी फाइनल में स्मिथ और रबाडा के बीच होगा कड़ा मुकाबला

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डबल्यूटीसी) के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा के बीच कड़ा संघर्ष होने की संभावना है। स्मिथ जहां बड़ा स्कोर बनाने उतरेंगे वहीं रबाडा की नजरें उनके विकेट पर रहेंगी। अब तक इन दोनो के बीच 15 पारियों में टक्कर हुई है। इस दौरान स्मिथ ने 262 गेंद में 128 रन बनाये हैं। वहीं रबाडा ने उन्हें चार बार आउट किया है। रबाडा के खिलाफ स्मिथ का स्ट्राइक रेट 32.00 रहा है। इस दौरान स्मिथ ने 16 चौके और दो छक्के लगाये हैं।

वहीं लॉर्ड्स की बात करें तो इसमें रबाडा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उनका औसत 19.38 है, जो फाइनल में खेलने वाले सभी गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ है)। वह ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस 21.10, जोश हेजलवुड 26.15 और मिशेल स्टार्क 33.62 से पीछे हैं। उन्होंने इस स्थल पर खेले गए इन दो टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/52 रहा है। दूसरी ओर स्मिथ भी लॉर्ड्स में खासे सफल रहे हैं। उन्होंने यहां पांच टेस्ट और 9 पारियों में 58.33 की औसत से 525 रन बनाए हैं जिसमें 9 पारियों में दो शतक और अर्द्धशतक शामिल हैं। इस स्थल पर उनकी आखिरी पारी 2023 एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ 110 रनों की पारी थी। हाल में 10,000 रन पूरे करने वाले स्मिथ रबाडा की तेज गेंदों का लाभ उठाना चाहेंगे। स्मिथ का आईसीसी नॉकआउट मैचों में शानदार रिकॉर्ड है, जिसमें उन्होंने 12 मैचों और पारियों में 58.40 की औसत से 584 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 2023 फाइनल में भारत के खिलाफ 121 रन है।

वहीं रबाडा के पास टेस्ट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने आंकड़े सुधारने का मौका है, क्योंकि वह प्रोटियाज आइकन एलन डोनाल्ड को पछाड़कर टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से बस कुछ ही विकेट दूर हैं और दिग्गज ऑलराउंडर जैक्स कैलिस को पछाड़कर अपनी टीम के पांचवें सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

रबाडा टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के लिए पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं जिन्होंने 22.00 की औसत से 327 विकेट लिए हैं जिसमें 7/112 का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा और 16 बार 5 विकेट का रिकॉर्ड शामिल है। चार और विकेट उन्हें डोनाल्ड (1992-2002 तक 72 टेस्ट में 330 विकेट) से ऊपर ले जाएंगे। टेस्ट में प्रोटियाज के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज डेल स्टेन हैं जिन्होंने 93 टेस्ट में 22.95 की औसत से 439 विकेट लिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रबाडा सभी प्रारूपों में 241 मैचों में 24.27 की औसत से 566 विकेट लेकर सर्वकालिक चार्ट में छठे स्थान पर हैं जिसमें 7/112 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े और 18 बार 5 विकेट शामिल हैं।

नेहाल वढेरा का दर्द छलका- मेरी वजह से हारी पंजाब किंग्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 फाइनल में मिली हार अभी तक पंजाब किंग्स के बल्लेबाज नेहाल वढेरा को चुभ रही है। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले नेहाल फाइनल में पंजाब को जीत की राह नहीं दिखा पाए थे। रोमांचक मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने विराट कोहली की 43 रन की पारी की बदौलत 190/9 का स्कोर बनाया। जवाब में पंजाब किंग्स की टीम नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही, लेकिन शशांक सिंह ने एक छोर से रन गति जारी रखी जिससे मुकाबला जिंदा रहा। लेकिन अंत में आरसीबी जीतने में सफल रही। शशांक ने आखिरी ओवर में 4 छक्के लगाए लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं थे। किंग्स को मात्र 6 रन से हार झेलनी पड़ी।

नेहाल वढेरा को भी आलोचना का सामना करना पड़ा, क्योंकि इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 18 गेंदों में केवल 15 रन बनाए, जिसमें सिर्फ एक छक्का शामिल था। उनकी धीमी पारी के कारण पंजाब की टीम रन गति में तेजी को बरकरार नहीं रख पाई। अपने इस प्रदर्शन के लिए नेहाल को काफी नफरत झेलनी पड़ी थी। हाल ही में वढेरा ने एक इंटरव्यू में हार के लिए

खुद को जिम्मेदार ठहराया। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अगर वह समय पर रन गति बढ़ा पाते तो पंजाब किंग्स अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत सकता था। वढेरा ने कहा कि मैं आईपीएल 2025 फाइनल की हार के लिए पूरी तरह खुद को जिम्मेदार मानता हूं। अगर मैं बेहतर खेलता तो हम आईपीएल जीत सकते थे। टूर्नामेंट में पहले जब मुझे तेजी लानी थी, मैंने ऐसा किया और यह कारगर रहा, सिवाय आखिरी मैच के।

वढेरा ने स्वीकार किया कि वे सीजन के सबसे महत्वपूर्ण मैच में प्रभाव नहीं डाल सके। हालांकि 24 वर्षीय खिलाड़ी का टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा और वे रनों के मामले में अव्वल रहे। शुरुआत में वे प्लेइंग इलेवन में पहली पसंद नहीं थे, लेकिन कुछ मैचों के बाद उन्होंने अपनी जगह पक्की की। उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया और 16 पारियों में 369 रन बनाए।

पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पूरन अभी 29 साल के ही हैं और उनका प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा है, ऐसे में उनके संन्यास लेने से प्रशंसक निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि उसे पूरन ने संन्यास लेने की जानकारी दी है। पूरन हाल ही में संन्यास लेने वाले दूसरे क्रिकेटर हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

पूरन ने संन्यास की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, मैंने काफी सोचने और विचार-विमर्श करने के बाद खेल से संन्यास की घोषणा की हे। यह खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। मैरून जर्सी पहनना, राष्ट्रीय गीत के लिए खड़े होना, और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना गर्व का अनुभवी कराती है। इसके साथ ही टीम का कप्तान होना भी एक ऐसा सौभाग्य है, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब मानता हूं।

उन्होंने साथ ही लिखा, प्रशंसकों के प्यार के लिए मैं उनका आभारी हूं। साथ ही कहा कि आपने कठिन पलों में मुझे संभाला और बेहतरीन जुनून के साथ अच्छे पलों का जश्न मनाया। अपने परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के लिए मैं कहना चाहूंगा कि मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन से ही मैं यहां तक पहुंचा हूं।

गौरतलब है कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने साल 2014 के अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज की ओर से खेला था, वहीं साल 2016 में उन्हें टी20आई प्रारुप में सीनियर टीम की ओर से खेलने का अवसर मिला।

इसके बाद 2018 में पूरन ने एकदिवसीय प्रारुप में डेब्यू किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन के कारण 2019 विश्व कप में अवसर मिला।

साल 2021 में पूरन पुरुष टी20 विश्व कप के लिएव टीम के उप-कप्तान बनाये गये जबकि और साल 2022 में उन्हें सीमित ओवरों की कप्तानी मिली।

पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से 61 एकदिवसीय में 39.66 के औसत से 1983 रन बनाये हैं। इस दौरान पूरन ने तीन शतक और 11 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं 106 टी20आई मुकाबलों में उनके नाम 13 अर्धशतक से 2275 रन हैं। इस प्रारुप में उनका औसत 26.14 रन रहा है।

काउंटी चैम्पियनशिप, वनडे कप के लिए यॉर्कशर से जुड़ेंगे रूतुराज गायकवाड़

लीड्स । भारतीय बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ काउंटी चैम्पियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों और वनडे कप के लिए यॉर्कशर टीम से जुड़ेंगे। यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मैच खेलना है। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम का हिस्सा हैं जिसने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनधिकृत चार दिवसीय टेस्ट खेले। अब भारत ए टीम 13 से 16 जून तक भारतीय सीनियर टीम के खिलाफ बेकेनहम में चार दिवसीय मैच खेलेगी। यॉर्कशर ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'इंडियन प्रीमियर लीग की चेन्नई सुपर किंग्स और रणजी ट्रॉफी की महाराष्ट्र टीम के कप्तान पुणे के रहने वाले रूतुराज गायकवाड़ छह वनडे और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।' इसमें कहा गया, 'दाहिने हाथ का यह बल्लेबाज शीर्ष चार में कहीं भी उतर सकता है और भारत के लिये पारी का आगाज भी कर चुका है।' गायकवाड़ ने कहा, 'मैं हमेशा से यहां काउंटी क्रिकेट खेलना चाहता था और यॉर्कशर से बड़ा इंग्लैंड का कोई क्लब नहीं होगा।'

प्रो लीग : लगातार दो हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा भारत

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। लगातार दो मैच हार चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ बुधवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के अगले मैच में आखिरी मिनटों में गोल गंवाने और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नहीं कर पाने की अपनी कमजोरी से पार पाना होगा। भारतीय टीम के लिये यूरोप चरण की शुरूआत खराब रही और उसे नीदरलैंड ने पहले दो मैचों में 2.1 और 3.2 से हराया। दोनों मैचों में भारत ने बढत बनाने के बाद आखिरी मिनटों में गोल गंवाए। इसके अलावा भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी बेहतर करना होगा।

पिछले मैच में नौ में से एक पेनल्टी कॉर्नर को ही भारतीय टीम गोल में बदल सकी। अभी इस चरण में छह मैच खेले जाने बाकी हैं और भारत 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। प्रो लीग के जरिये अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश में जुटी भारतीय टीम को बाकी मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब भारत को अर्जेंटीना से दो मैच खेलने हैं जिसके बाद आस्ट्रेलिया और फिर बेल्जियम का सामना करना होगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'हमें पता है कि अर्जेंटीना के खिलाफ कड़ी चुनौती होगी। टीम काफी मेहनत कर रही है और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। अर्जेंटीना मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई मैच आसान नहीं होता।' दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में भारत का पलड़ा भारी रहा है। पेरिस ओलंपिक में दोनों टीमों का मुकाबला ड्रॉ रहा था। प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया था और दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट की काफी तैयारी की है और कई संयोजन आजमाए। हमें अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।' अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को प्रो लीग में एकमात्र पराजय 2022 में भुवनेश्वर में मिली थी। भारतीय कप्तान ने कहा, 'टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है लेकिन हम कुछ भी हलके में नहीं ले रहे। ये नतीजे अतीत के हैं और हमें विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने के लिये अभी अच्छा खेलना है। हम मेहनत कर रहे हैं और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।'

दक्षिण अफ्रीका को हराकर डब्ल्यूटीसी खिताब बरकरार रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार से शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर एक बार फिर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। उसने आईसीसी की सभी ट्रॉफी जीती हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। है। आईसीसी टूर्नामेंटों में वह और भी आक्रामक बनकर उतरती है। वह आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है जिसमें में 10 बार उसने जीत हासिल की है। ऐसे में इस बार भी उसकी दावेदारी प्रबल मानी जा रही है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में दबाव में ढ़ह जाती है। ये एक नहीं कई बार की कहानी रही है जिससे इस बार दक्षिण अफ्रीकी युवा टीम बदलना चाहेगी। इस टीम ने अब तक आईसीसी का केवल एक टूर्नामेंट जीता है। टीम ने केवल 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता था हालांकि इस बार दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिसका लाभ वह उठाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023–25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। उसने पिछले साल दिसंबर में ही अपनी जगह पक्की कर ली थी। ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले फाइनल जैसी ही है। केवल उसमें इस बार डेविड वार्नर नहीं हैं। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई है। वह उसी प्रदर्शन को बनाये रखना चाहेंगे। वहीं टीम में शामिल 19 साल के सैम कोंस्टास से भी उसे उम्मीदें हैं। ट्रेविस हेड पहली बार की तरह ही इस बार भी अपनी भूमिका निभाने उतरेंगे। मध्यक्रम में मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म से बाहर आने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी भी अच्छी है। उसके पास कप्तान पैट कमिंस के अलाव जोश हेजलवुड , मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाज है।

पुजारा सहित कई पूर्व क्रिकेट बोले, भारतीय टीम को इंग्लैंड में हालात के अनुरुप ढ़लना होगा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटरों ने कहा है कि शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को इंग्लैंड में सफलता के लिए हालात के अनुसार ढ़लना होगा। इस सीरीज में भारतीय टीम को रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरना है। इसी को देखते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि पांच टेस्ट मैचों की यह सीरीज भारत के लिए विशेष हो सकती है। इसमें उसके युवा खिलाड़ अपने कौशल से कमाल कर सकते है1 वहीं भारतीय टी के पूग्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'भारत को इंग्लैंड के हालात के अनुरूप ढलना होगा। ऐसे में अनुशासन, संयम और एक दूसरे का सहयोग अहम रहेगागा। टीम के हर खिलाड़ी को योगदान देना होगा। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा, 'इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन मजेदार भी रहता है। हालात के अनुकूल ढलना अहम होगा और मुझे भरोसा है कि युवा खिलाडी अपने निडर अंदाज से जीत हासिल करेंगे। गेंदबाजी में हमारे पास अनुभव और स्थिरता है जिसका लाभ टीम को मिलेगा। पूर्व ऑलराउंड इरफान पठान ने कहा, 'भारत की नई टीम के सामने इंग्लैंड की कठिन चुनौती है पर मैं कह सकता हूं कि हालात के अनुरूप ढलने पर सब कुछ आसान हो जाएगा। शुभमन की कप्तानी,में युवओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने कहा कि 25 वर्ष के गिल को टेस्ट कप्तान बनाना साहसिक फैसला है और यह निर्णायक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल भारतीय टेस्ट क्रिकेट का नया चेहरा है । इंग्लैंड दौरे के लिए उसे कप्तान बनाने का फैसला साहसिक है। उसे बहुत कुछ साबित करना होगा लेकिन उसने दिखा दिया है कि वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है। ऋषभ पंत उप–कप्तान है और यह टीम खुद को साबित करने के लिए बेताब है।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी, अगले साल हम फाइनल खेलेंगे और ट्रॉफी भी जीतेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स का पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने का सपना 6 रन से टूट गया क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार 3 जून को फाइनल में जीत दर्ज की। पंजाब के बल्लेबाज शशांक सिंह की आखिरी क्षणों में की गई शानदार पारी की बदौलत टीम RCB के 190 रनों के करीब पहुंच गई, हालांकि टीम जीत नहीं पाई। शशांक ने अब कहा कि अंतिम ओवर में जोश हेजलवुड की फुल टॉस चूकने की बात उन्हें अभी भी परेशान करती है। साथ ही उन्होंने बोल्ड बयान देते हुए कहा कि पंजाब किंग्स अलगे साल बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगी और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे।

शशांक ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, 'मैंने आखिरी दो ओवरों का हिसाब लगाया था, भुवी को यॉर्कर पसंद है, इसलिए मैंने उनसे कम से कम 16-17 रन लेने की योजना बनाई थी। मेरा हिसाब था कि आखिरी ओवर में हमारा लक्ष्य 6 गेंदों में 24 रन होना चाहिए। हालांकि भुवी के ओवर में मुझे केवल 13 रन मिले, इसलिए अंतिम ओवर में 30 रन चाहिए थे।'

उन्होंने कहा, 'मानसिक रूप से, मेरा दिमाग हेजलवुड की पहली गेंद पर यॉर्कर लेने के लिए तैयार था। इसलिए मैंने खुद को तैयार किया, लेकिन मैंने कभी भी फुल टॉस की उम्मीद नहीं की, वह भी मेरे जांघ के पैड पर। अब मुझे लगता है, अगर मैं इसे कनेक्ट कर लेता, भले ही यह बल्ले के हैंडल पर लग जाता, तो मैं अधिकतम रन बना सकता था, क्योंकि फाइन-लेग पास था। मैं उनसे वाइड की उम्मीद कर रहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब मैंने स्कोरबोर्ड देखा, जिसमें बताया गया था कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए, तो मुझे पता था कि सब खत्म हो गया है।'

अंतिम ओवर की पहली गेंद पर फुल टॉस चूक जाना अभी भी शशांक को परेशान करता है। उन्होंने कहा, 'मैं एक मजबूत व्यक्ति हूं, लेकिन जब मैंने पांचवीं गेंद पर छक्का मारा और मैंने देखा कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे, तो मैं खुद को नियंत्रित नहीं कर सका। मुझे एहसास हुआ कि सब खत्म हो गया है। जब मैं ड्रेसिंग रूम में आया, तो हर कोई आया और पूछा, मैं क्यों रो रहा हूं? मैंने उनसे कहा, मुझे अपने आप आंसू आ रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं जहां भी गया, लोगों ने मेरी बल्लेबाजी की सराहना की, लेकिन सभी मुझे उस एक फुल टॉस मिस की याद दिला रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लगा। गेंद मेरे कूल्हे पर थी, स्क्वायर लेग ऊपर था, मुझे बस उसे बल्ले को

हिट करना था, जो मैं नहीं कर सका। होटल से लेकर एयरपोर्ट, ग्राउंड से लेकर घर तक, हर किसी का एक ही मतलब था कि भैया वो गेंद मार देते बस।'

बल्लेबाज ने न केवल बेंगलुरू में आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बनाने का संकल्प लिया है, बल्कि खिताब भी जीतने को भी बात की। उन्होंने कहा, 'अगले साल हम निश्चित रूप से बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगे और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे।'

अभी संन्यास का इरादा नहीं - ख्वाजा

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले कहा है कि अभी उनके संन्यास लेने की कोई योजना नहीं है। ख्वाजा के अनुसार वह अभी भी अपने खेल के शीर्ष पर हैं और अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि समय आने पर वह संन्यास को लेकर अपनी बातें सबके सामने रखेंगे। उनका कहना है कि अभी वह समय नहीं आया है। उस्मान ने पूरे डब्ल्यूटीसी चक्र के दौरान ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक कुल 1,422 रन बनाए हैं। वह मौजूदा चक्र के दौरान टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। ख्वाजा ने कहा, मेरे लिए बढ़ती उम्र कोई पैमाना नहीं है क्योंकि मैं अभी भी अपने खेल का आनंद उठा रहा हूं। अभी भी वास्तव में कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं, मैं अभी भी रन बना रहा हूं, अभी भी टीम में अपना योगदान दे रहा हूं ।उन्होंने आगे कहा, मैं कुछ भी अलग नहीं सोचता। मैं वास्तव में इस समय अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। जिस चीज की शुरुआत होती है, उसका अंत भी होता है। मुझे नहीं पता कि वह अंत कब होगा। जब संन्यास का समय आएगा, तो मैं दिल से ऐसा करूंगा, चाहे वह कुछ भी हो।